रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

केंद्र ने माना संथाल के जमीन विवाद में बंग्लादेशी घुसपैठियों का जुड़ाव नहीं: महासभा

संवाददाता । रांची

झारखंड जनाधिकार महासभा ने एक प्रेस बयान जारी कर दावा किया है कि केंद्र सरकार ने इस बात को मान लिया है कि संथाल परगना में जो जमीन विवाद का मामला है, उसका बंग्लादेशी घुसपैठियों से कोई जुड़ाव नहीं है. जिस मामले में हलफनामा दाखिल कर केंद्र सरकार ने यह बात कहा है, वह मामला भाजपा कार्यकर्ता द्वारा दाखिल पीआईएल है, जिसमें दावा किया गया था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा आदिवासियों से शादी कर जमीन लूटी जा रही है व घुसपैठ हो रही है.

जारी प्रेस बयान में कहा गया है कि हाल के दिनों में भाजपा लगातार प्रचार कर रही है कि संथाल परगना में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं जो आदिवासियों की जमीन हथिया रहे है, आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं और आदिवासियों की जनसंख्या कम हो रही है. भाजपा ने क्षेत्र में कई हिंसा व जमीन विवाद की घटनाओं को भाजपा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ जोड़ा. महासभा की फैक्ट फाइडिंग टीम ने पिछले दिनों संथाल का दौरा करके वही बात कहा था, जो केंद्र के हलफनामे में है. केंद्र ने यह भी कहा है कि पश्चिम बंगाल से सटे पाकुड़ व साहिबगंज से घुसपैठ की आशंका है, लेकिन कोई प्रमाण नहीं दिया है.

केंद्र ने की आंकड़ों की गलत व्याख्या : महासभा ने आगे कहा है कि केंद्र सरकार ने आंकड़ों की गलत व्याख्या की है. हलफनामे में कहा गया है कि संथाल परगना में हिंदुओं की संख्या में गिरावट हुई है. 1951 में क्षेत्र की कुल जनसंख्या 23.22 लाख थी, जिसमें हिंदुओं की आबादी 90.37 प्रतिशत थी, मुसलमानों की 9.43 प्रतिशत व ईसाईयों की 0.18%. आदिवासी 44.67 प्रतिशत थे. यह कहा गया है कि 2011 में हिन्दुओं की जनसंख्या 67.95 प्रतिशत हो गया. जबकि तथ्य यह है कि 1951 की जनगणना में केवल छह धर्म कोड में की गयी थी (हिंदू, इस्लाम, सिख, ईसाई, जैन व बुद्धिस्ट). आदिवासियों को हिंदू में ही डाल दिया गया था. जबकि 2011 में अनेक आदिवासियों ने अपने को 'अन्य/सरना' में लिखित रूप में दर्ज किया था.

1951 से 91 के बीच कम हुई जनसंख्या

आंकड़ों के अनुसार 1951 से 2011 के बीच हिन्दुओं की आबादी 24 लाख बढ़ी है, मुसलमानों की 13.6 लाख और आदिवासियों की 8.7 लाख. आदिवासियों का अनुपात 46.8 प्रतिशत से घटकर 28.11 प्रतिशत हुआ है, मुसलमानों का अनुपात 9.44 प्रतिशत से बढ़कर 22.73 प्रतिशत व हिंदू 43.5 प्रतिशथ से बढ़कर 49 प्रतिशत हुए हैं. आदिवासियों की संख्या में गिरावट 1951-91 के बीच हुई है. महासभा ने राज्य सरकार से मांग की है कि किसी भी नेता या सामाजिक-राजनैतिक संगठन द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठिये, लैंड जिहाद, लव जिहाद जैसे शब्दों का प्रयोग कर साम्प्रदायिकता फैलाने की कोशिश होती है, तो उनके विरुद्ध न्यायसंगत कार्यवाई हो.

ऐ ललबबुओ... मिस कॉल मारले बाड़ा, टिकट ला फीस देला कि ना हो

संजय सिंह

कोईला नगरी में एगो ललबबुआ हैं. कोईला से ढेरे कमाईया कईले हैं. एगो कोईला कंपनी के अफसर लोग के भी ढेरे माल खपाईले-पचाईले रहे हैं ललबबुआ महोदय. ललबबुआ नाम है, तो ई मत समझिएगा कि ई कोनो भकड़मल्लू हैं. भारी रंगबाज हैं. इनके एगो छोटे भाईयो साहिब हैं, ऊ तो औरो रंगबाज हैं. बात-बात में केकरो गरिया देना, केकरो धर के धुन देना ई दुनु भाई लोग के लिए आसान बात हुआ करता था, है... अउरो आगे भी रहबे करेगा. एकरो लोग गारंटी लेले कोयला नगरिया में घूमइत रहता है. अब ललबबुआ जी करिया कोइलवा के करिया-करिया धंधवा से ढेरे माल बटोर लीहिन, तो चाले-ढाल बदल गईस हैं. गीतो गावे लगे हैं, माल है चो चाल है, वर्ना सब कंगाल है. ललबबुआ जी रंगबाजी टाइट रखेला कोइला नगरिया के नेताजी लोगिन के मैनेज कईले रहते थे. मालो-पानी सप्रेम भेंट किया करते थे. लेकिन एगो बाघ मारे वाले जगह के नेताजी केस-मुकदमा, रंगबाजी जईसन ढेरे-ढेरे केस मुकदमवा में फंसे के बावजूद कोइलवा से ढेरे कमाइया कर लीहिन, तो कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडर से धोलाइला के बाद दिल्ली दरबार तक पहुंच गईन. उनका देखादेखी अब ललबबुआ जी के नेतई के सुर धर लीहिस है. आजकल ललबबुआ जी के बोली-वाणी में से रस चुए लगल है. उनके लघु भाई पर अब तनिको शंका करे के जरूरत न रह गईल. उनको बोली में रसगुल्ला टपके लगल हैं. किसी से भी दुनु भाई मेल-मिलाप करते हैं, तो अइसन बतियावे लगते हैं, जईसन लोगबाग अपन मेहरारू से मीठी-मीठी बतियाता है. आजकल ललबबुआ जी के नेतई करेवाला पिलुवा काट ले ले है. बबुआ जी के नेतई पिलुआ काटले है तो का हुआ, उनके ते आगे-आगे सबकुछ लाले लाल दिखाई देले हैं. अब बबुआ लला जी में छिछियाईनी ढुकल है. जा झार के झरिया से लेकेकोइला नगरिया में आजकल जेने-तेने छिछिआईले रहते हैं. कूब आत्मियता से लोगन से मिलते रहते हैं, कउनो चीज के दरकार होने पर फोनवो करेला बोले लगे हैं है. साइकिल से कोई गिर हाथ-पैर छिलवा लीहिस, तो बबुआ लाल झट से पहुंच जाते हैं. दरअसल बबुआ लाल जी रंगबाजी में पीएचडी के डिग्री हथियाइले रहले, अब तनिका अपन इमेजवा में सुधार कर रहल बाडें. राजनीतिक पिलुववा के चलते. ललबबुआ जी आजकल कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडर लगाइले तनिका साफ-सुथरा दिखे के कोशिश में लगल हैं. जब कमल ब्रांड एगो नेताजी से पूछल गिया कि का हो ई बबुआ लाले लाल जी पार्टिया में कब घुसियाइल बाड़ें... तो नेताजी कहिन-अब का कहल जाओ. अब तो मिस कॉल मारे के बा, मिल गईल सदस्यता. केहुं ईहो न पूछे ला कि मिस कॉल मारत बाड़ा, फीस देब... का हो. बबुआ लाल जी अब मिस कॉल मार के मेंबर बन गईल बाड़ें, तो टिकट लगी हंफनी धईले बा. बबुआ लगे ढेरे माल बा, तो लड़िकन आगे-पीछे मंडराईल बाड़ें. कुछुओ भेंटा जाओ, आखिर थोड़े देर जिंदाबाद कईला पे माल ठीके-ठाक भेंटा जाता तो हरजा का बा. अब बबुआ लाल जी जा जारके झरिया से कोईल नगरिया से कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडरवा के एजेंसी लगी तड़पड़ाईल बाड़ें. कमल ब्रांड रायशुमारी में ढेरे लग्गू-भग्गू लोगन के साथे पहुंच गईलें. तो ऑरिजनल कमल ब्रांड वाला लोग खिसिया गईल. कहे लागल लोग कि झंड़ा ढोईं हमनी के, टिकट हबके ला अवतरित हो गईले ई बबुआ जी. ई सब न चली. लेकिन ललबबुआ अंकल कुछ कमल ब्रांड लोगन के फंसाईले बांड़ें, ताकि चुनावी समर में किस्मत आजमावे के मौका मिल जाए. वईसे ई बबुआ लाल जी के आउर उनके छोट जना के करतूत से पूरा कोईला नगरिया वाकिफ बिया. रंगबाजी के मामला हो या ठाईं-ठाईं के मामला हो, ई बबुआ लाल जी के कोई मुकाबला नईखे. कोइला नगरी के लोग कहेला कि बबुआ लाल जी तो एक बेर जांच करेवाली बड़की एजेंसियों के अफसरो लोग पर ठाईं-ठाईं करवा देले रहें. बबुआ लाल तो लाल बबुआ बड़ले बाड़ें, लेकिन इनकर छोट जना अउर बड़का कलाकार बाड़े. एक बेर खाकी वाला लोग धई लेलस, मीडिया के सामने ले गईल तो मीडिया वाला लोग फोटो खींचे लागल...तो छोटकी जनी जौन करिश्मा कईलें, ऊ रऊवा सभे जान जाइब तो रउवा सबे के लाज लागे. फोटो खिचाईल से एतना खिसियाईले छोटकू जना कि अफसर से लेके मीडिया नाला लोग सामने की पाइंट-शर्ट खोल के इंटरनेशनल (नंगा) हो गईलें. ए घरी ऊ छोट जनी के भी भइया जी लगी मीठी-मीठी बोल वचन निकले लगल बा. अब देखे के ईहे बा कि बबुआ जी के कमल ब्रांड क्लीनिंग पाउडर लगाईला पर क्लीयरिंस सर्टिफिकेट मिल जाता कि बबुआ जी अकेले टपरा गाईले घूमत रह जईहें.

चुनावी चकल्लस

राज्य सेवा के नौ अफसरों का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के नौ अफसरों का तबादला कर दिया है. कार्मिक विभाग ने शनिवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है.

नाम	कहां गए
जुल्फिकार अली	संयुक्त सचिव, नगर विकास
जावेद अनवर इदरीसी	संयुक्त सचिव, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
अनंत कुमार	उप सचिव, स्वास्थ्य,
विभूति मंडल	क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी, दुमका
विशालदीप खलखो	उप सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी
मिनाक्षी भगत	अवर सचिव, परिवहन विभाग
राजीव कुमार	अनुमंडल पदाधिकारी, मधुपुर
सीगा दीपिका टोप्पो	उप निदेशक, एटीआइ
चंद्रजीत सिंह	कार्यपालक दंडाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम

बाउरी ने कहा- सरकार 50 लाख रु मुआवजा दे

रांची। उत्पाद सिपाही की भर्ती दौड़ में जमशेदपुर के एक और युवा की मौत पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सरकार पर निशाना साधा है. बाउरी ने सरकार से उत्पाद सिपाही भर्ती दौड़ में जान गंवाने वाले अभ्यर्थियों के आश्रितों को 50 लाख रुपये मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है. बाउरी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि "उत्पाद सिपाही दौड़ : एक और मौत ... हेमंत सरकार के तुगलकी फरमान की बलि एक और युवा चढ़ा : "मौत की दौड़". उत्पाद सिपाही बहाली में भाग ले रहे एक और अभ्यर्थी की मौत हो गई है. मृत अभ्यर्थी जमशेदपुर के बर्मामाइंस के रहनेवाले मुरामुल्ला सूर्या की मौत रिम्स में इलाज के दौरान हुई है. भाजपा अपनी मांगों को एक बार पुनः दोहराती है : मृतक के परिजनों को 50 लख रुपये की राशि दी जाए और परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए.

जोहार पार्टी झारखंड की तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी

रांची। जोहार पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव में तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी.भारत निर्वाचन आयोग ने जोहार पार्टी को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए ऑटोरिक्शा (टेंपो) छाप चुनाव चिह्न आबंटित किया है. यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह संस्थापक कमलेश कुमार रॉय और प्रदेश महासचिव सह रांची विधानसभा से प्रस्तावित उम्मीदवारअनिल कुमार गुप्ता दी. वे शनिवार को मीडिया से बात कर रहे थे. कमलेश कुमार रॉय ने कहा कि हमारी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव में तीन विस सीटों से चुनाव लड़ेगा. रांची से अनिल कुमार गुप्ता, हटिया से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय कुमार महतो और बोकारो से मनोज कुमार महली को उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया है.

डायग्नोस्टिक, रेडियोलॉजी जांच और स्क्रीनिंग होगी मुफ्त

कैंसर के मरीजों की जांच के लिए 50 करोड़ जारी

- वित्तीय वर्ष 2024-25 में खर्च करेगी 50 करोड़
- चार जिलों में कालाजार का भी होगा सफाया
- राज्य में हर साल सामने आ रहे हैं कैंसर के 40 हजार मरीज

रवि भारती । रांची

राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में कैंसर से पीड़ित व्यक्तियों के इलाज पर 50 करोड़ रुपए खर्च करेगी. इसके तहत कैंसर के मरीजों की जांच पर 50 करोड़ रुपया खर्च किया जायेगा. मरीजों की डायग्नोस्टिक, रेडियोलॉजी जांच और स्क्रीनिंग भी मुफ्त में की जाएगी. महिलाओं को होने वाली सर्वाईकल कैंसर की जांच भी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त होगा. इसके साथ ही सरकार ने राज्य के चार जिले साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड़ एवं दुमका में कालाजार का पूर्ण रूप से उन्मूलन करने की भी योजना बनाई गई है. मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क सरवाईकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर, स्क्रीनिंग योजना के तहत जिलों के अस्पतालों को राशि उपलब्ध करा दी गई है.

हर साल कैंसर के 40 हजार मरीज : राज्य में हर साल कैंसर के लगभग 40 हजार मरीज सामने आ रहे हैं. राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में हर दिन इलाज के लिए 60 से 70 मरीज आ रहे हैं. प्रदेश में सबसे अधिक ओरल, ब्रेस्ट और फेफड़े के कैंसर के मरीज मिल रहे हैं. अधिकांश मरीजों की उम्र 50 साल से अधिक होती है. लगभग 25 फीसदी मरीजों का ईलाज रेडियोथेरेपी के जरीये किया जाता है. जबकि 50 फीसदी मरीजों को सर्जरी के लिए सुझाव दिया जा रहा है.

झारखंड में 30 फीसदी लोगों की मौत कैंसर से होगी. वहीं प्रदेश में 13 फीसदी की दर से कैंसर के मरीज सामने आ रहे हैं. झारखंड की कुल आबादी का 0.5 फीसदी महिलाओं की ही सरवाइल स्क्रीनिंग हुई है. यह काफी कम है. वहीं 0.1 फीसदी महिलाओं की ब्रेस्ट स्क्रीनिंग हुई. इस वजह से राज्य सरकार ने कैंसर की रोकथाम के लिए कई कदम उठाए हैं.

जिलों को आवंटित राशि

जिला	राशि
गिरिडीह	03 करोड़
कोडरमा	50 लाख
रामगढ़	02 करोड़
धनबाद	04 करोड़
बोकारो	1.50 करोड़
देवघर	01 करोड़
गोड्डा	1.50 करोड़
दुमका	04 करोड़
पाकुड़	02 करोड़
साहेबगंज	02 करोड़
पश्चिमी सिंहभूम	50 लाख
पूर्वी सिंहभूम	01 करोड़
लातेहार	50 लाख
रांची	02 करोड़
खूंटी	50 लाख
गुमला	02 करोड़
सिमडेगा	03 करोड़
लोहरदगा	50 लाख
जामताड़ा	04 करोड़
पलामू	01 करोड़
हजारीबाग	04 करोड़
चतरा	2.50 करोड़
जमशेदपुर	04 करोड़
गढ़वा	03 करोड

साहिबगंज और पाकुड़ में 250 से ज्यादा मदरसे संचालित

विनित आभा उपाध्याय/सौरव सिंह । रांची

संथाल में बांग्लादेशी मूल के लोगों के घुसपैठ का मामला फिलहाल काफी गर्म है. एक तरफ हाईकोर्ट इस मामले में सुनवाई कर रहा है. वहीं दूसरी तरफ झारखंड में प्रमुख विपक्षी दल बीजेपी के लिए यह बड़ा मुद्दा बन चुका है. संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामले को लेकर बीजेपी लगातार राज्य सरकार पर हमलावर है. वहीं राज्य सरकार की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि संथाल में घुसपैठ नहीं हुआ है. इस बीच यह जानकारी सामने आयी है कि संथाल के दो जिलों साहिबगंज और पाकुड़ में लगभग 250 से ज्यादा मदरसों का संचालन हो रहा है. आंकड़ों के मुताबिक, पाकुड़ जिले में लगभग 100 सामान्य मदरसे संचालित हो रहे हैं. जबकि अराजकीय प्रस्वीकृत अनुदानित और स्थापना अनुमति गैर अनुदानित मदरसों की संख्या लगभग 80 से ज्यादा है. साहेबगंज जिले की बात करें तो यहां लगभग 60 मदरसे संचालित हो रहे हैं. साहेबगंज जिले के बरहरवा, राजमहल और उधवा में सबसे अधिक मदरसे हैं. वहीं पाकुड़ जिले के महेशपुर, हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा और पाकुड़ प्रखंड में सबसे ज्यादा मदरसे संचालित हो रहे हैं.

जमशेदपुर के दानियल दानिश ने हाईकोर्ट में दायर की है जनहित याचिका : बता दें कि जमशेदपुर जिले के रहने वाले दानयल दानिश ने बांग्लादेशी मूल के लोगों द्वारा संथाल के इलाके में घुसपैठ का मामला उठाते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है. केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि संथाल इलाके में आदिवासियों की संख्या घटी है और वहां की जमीन मुस्लिम धर्म के लोगों को गिफ्ट डीड के जरिए दी जा रही है. वहीं केंद्र ने अपने हलफनामे में यह भी बताया है कि संथाल इलाके में ईसाई समुदाय के लोगों की संख्या में कई गुणा इजाफा हुआ है और आदिवासियों की आबादी 44 फीसदी से मात्र 28 फीसदी रह गयी है.

फर्जी ऑनलाइन जॉब ऑफर से रहें सावधान

रांची। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है. इस बीच युवाओं में जॉब पोर्टल और एप्स के जरिए नौकरी ढूंढ़ने का प्रचलन भी बढ़ा है.

झारखंड पुलिस की अपील साइबर ठग भी फ्रॉड का कोई तरीका नहीं छोड़ रहे हैं. वे अब नौकरी की तलाश में लगे युवाओं से भी फ्रॉड कर रुपये ऐंठ रहे हैं. इसको लेकर झारखंड पुलिस ने आम लोगों को सचेत किया है. साथ ही पुलिस ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है. पुलिस ने पोस्टर जारी कर अपील की है कि ऑनलाइन जॉब के फर्जी ऑफर जैसे वर्क फ्रॉम होम, क्लिक एंड अर्न और रेट एंड अर्न से सावधान रहें. अपनी वित्तीय या व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले हमेशा सत्यापित करें.

चेन्नई में दिख रही झारखंड की कलाकृतियां और हस्तशिल्प

प्रमुख संवाददाता । रांची

उद्योग सचिव सचिव जितेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड हस्तशिल्पियों का गढ़ है. यहां की समृद्ध संस्कृति की विरासत और कलाकारों को एक मुकाम मिले, उसके लिए झारक्राफ्ट प्रयास कर रहा है. वे शनिवार को चेन्नई के वलुवरकर हाई रोड, नुंबक्कम स्थित मदर टेरेसा विमेंस कांप्लेक्स में झारक्राफ्ट हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट एक्सपो के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि झारक्राफ्ट झारखंड सरकार का इंडस्ट्री पार्टनर है. हमारा उद्देश्य है कि झारक्राफ्ट के प्रोडक्ट को नई पहचान मिले. इसी कड़ी को जोड़ने के लिए चेन्नई में हम दूसरी बार एक्सपो का आयोजन कर रहे हैं.

तसर सिल्क और डोकरा आर्ट : उद्योग सचिव ने लोगों को बताया कि झारखंड में तसर सिल्क और डोकरा आर्ट प्रशिद्ध है. जब झारखंड बिहार से अलग हुआ था तो उद्देश्य था कि झारखंड के उत्पादों को एक पहचान मिले. इसके लिए एक प्लेटफार्म की जरूरत महसूस की गई ताकि झारखंड के हुनर को एक पहचान मिल सके. कई प्रदेश में इसी प्रकार के एक्सपो के माध्यम से झारक्राफ्ट के उत्पादों को एक मंच देने का प्रयास किया गया है. झारखंड 75 फीसदी सिल्क का उत्पादन करता है.

14 से 16 सितंबर तक चलेगा एक्सपो : 14 से 16 सितंबर 2024 तक चलने वाले इस एक्सपो में झारखंड की हस्तशिल्प और कलाकृतियों से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं. इसके साथ ही उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, तमिलनाडु, की हस्तशिल्प और कला संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं.

इनके लगे स्टॉल

झारक्राफ्ट रांची, केंदुआ पीड्ब्ल्यूसीएस महगांवा, चमन एसएचजी गोड्डा, जियाजोरी एसएचजी गोड्डा, बरकट्ठी पीड्ब्ल्यूसीएस रामगढ़, पोखरीकलां पीड्ब्ल्यूसीएस लातेहार, ग्रामीण युवा बुनकर एसएचजी गोड्डा, युवा ग्रामीण विकास एसएचजी भगैय्या, सपना सिल्क झारखंड, युवा ग्रामीण विकास एसएचजी मानिकपुर, ढोकरा झारखंड, सुखदेव महली सरायकेला, ओम क्रिएशन झारखंड, मो इरफान आलम रांची, मेघनाथ महतो खरसांवा, सिकनी पीड्ब्ल्यूसीएस रामगढ़, नरेश कुमार विश्वकर्मा बोकारो, अपरकोणकी चमेली एसएचजी रांची, सीइडीएआर दुमका, झारखंड राज्य खरी एवं विकास बोर्ड, सजवा देवी हजारीबाग, एडीआइवीए झारखंड, शशिकांत बोकारो, लाह हस्तशिल्प स्वावलंबी सहकारी समिति रांची, ट्राइब्स इंडिया, पर्यटन विभाग झारखंड सरकार.

झामुमो महिलाओं को पांच सालों का चूल्हा खर्च दे : शिवराज

प्रमुख संवाददाता । रांची

केन्द्रीय कृषि मंत्री व झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान शनिवार को रांची पहुंचें. उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया. युवाओं को पांच लाख नौकरियां देने का वादा था, नौकरी नहीं मिली. बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा था, नहीं दिया. महिलाओं को हर महीने दो हजार रूपए चुल्हा खर्च देने का वादा किया था, लेकिन नहीं दिया. अब चुनाव के नजदीक आते ही फिर से जेएमएम खोखले वादे कर रही है, लेकिन झारखंड की जनता इनके झूठे दावों को समझ चुकी है. अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है.

रांची दौरे पर आये शिवराज सिंह चौहान ने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के आवास पर पौधारोपण किया.

उन्होंने हेमंत सरकार की तरफ इशारा करते हुए कहा कि जो बचा हुआ पैसा है, वो दो हजार रूपए के हिसाब से गरीब बहनों को दें.

शिकारी आएगा, दाना डालेगा और जाल बिछाएगा : शिवराज ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शिकारी आएगा, दाना डालेगा और जाल बिछाएगा, लेकिन झारखंड की जनता अब इनके झांसे में आने वाली नहीं है.

आईएसडीजी प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री पांडेय से मिला

रांची । आईएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन का एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मुलाकात की. यह फाउंडेशन हार्वेस्ट प्लस के बायो फोर्टिफिकेशन का काम करती है. प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बायो फोर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी. मंत्री दीपिक पांडेय सिंह ने फाउंडेशन से कहा कि इस कार्यक्रम को राज्य के दूरस्थ इलाकों में पहुंचाये, ताकि जमीन की पैदावार में बढ़ोतरी हो सके. सरकार इस काम में पूरी मदद करेगी.

सामाजिक व श्रमिक संगठनों ने सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि दी

रांची। सामाजिक व श्रमिक संगठनों ने धुर्वा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर माकपा महासचिव सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि दी. सभा में प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने स्व सीताराम येचुरी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. यादव ने कहा कि सीताराम येचुरी छात्र जीवन से हीं राजनीति में काफी सक्रिय रहे थे. पूर्ण रूप से राजनीति में कदम रखने के बाद हमेशा सांप्रदायिकता के खिलाफ आवाज उठायी. गरीबों- मजदूरों के हक के लिए हमेशा आवाज बुलंद करते रहे. उनका राजनीतिक सफर एक प्रखर व धर्मनिरपेक्ष राजनेता और के तौर पर रहा. उन्होंने वामपंथी विचारधारा के सबसे बड़े नेता के रूप अपनी पहचान बनायी. येचुरी एक राजनेता के साथ एक विचारधारा भी थे, सर्वदलीय नेताओं में काफी लोकप्रिय रहे. उनके असामयिक निधन पर भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के 121 देशों ने गहरा शोक व्यक्त किया. इससे अंदाजा लगाना चाहिए कि उनका व्यक्तित्व कितना बड़ा था.

चार साल में 18 जिलों के एसपी का औसत कार्यकाल महज सवा साल

सौरव सिंह । रांची

झारखंड के 18 जिले में एसपी का औसतन कार्यकाल महज सवा साल का है. बीते चार साल के दौरान झारखंड के 18 जिलों में औसतन तीन से चार आईपीएस का तबादला हुआ. वहीं छह जिले बोकारो, खूंटी, दुमका, सिमडेगा, लातेहार और चाईबासा में पिछले चार साल के दौरान औसतन एक से दो एसपी का तबादला हुआ है. इतने कम समय में एसपी के तबादले से कई तरह के काम पर असर पड़ता है.

एक पद पर काम करने की न्यूनतम अवधि दो साल है तय : केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 28 जनवरी 2014 को अखिल भारतीय सेवा नियम में संशोधन करते हुए एक पद पर कम से कम दो साल कार्य करने के लिए न्यूनतम अवधि तय की थी. केवल विशेष परिस्थिति में ही दो साल से कम अवधि में किसी अफसर का तबादला किया जा सकता है, लेकिन इस आदेश को राज्य में दरकिनार किया जा रहा है.

कब से कब तबादला

धनबाद	चार सितंबर 2020 से एक जनवरी 2024 तक चार एसपी का तबादला
गढ़वा	30 अप्रैल 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
गुमला	11 अप्रैल 2020 से 29 फरवरी 2024 तक चार एसपी का तबादला.
लोहरदगा	28 अप्रैल 2020 से 10 सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
रामगढ़	14 जुलाई 2022 से 20 जुलाई 2024 तक तीन एसपी का तबादला.
सरायकेला	15 जून 2020 से तीन जुलाई 2024 तक पांच एसपी का तबादला.
चतरा	30 अप्रैल 2020 से 29 फरवरी 2024 तक तीन एसपी का तबादला.
गिरिडीह	तीन जुलाई 2020 से 29 अगस्त 2024 तक तीन एसपी का तबादला
हजारीबाग	28 अप्रैल 2020 से एक जनवरी 2024 तक तीन एसपी का तबादला
कोडरमा	28 अप्रैल 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला
पाकुड़	20 अप्रैल 2020 से एक जनवरी 2024 तक तीन एसपी का तबादला
रांची	तीन जुलाई 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला
देवघर	28 अप्रैल 2020 से 18 जून 2024 तक सात एसपी का तबादला.
जमशेदपुर	28 अप्रैल 2020 से आठ सितंबर 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
गोड्डा	20 अप्रैल 2020 से 30 अगस्त 2024 तक तीन एसपी का तबादला.
जामताड़ा	12 सितंबर 2020 से 30 अगस्त 2024 तक चार एसपी का तबादला.
पलामू	12 सितंबर 2020 से 27 सात 2023 तक तीन एसपी का तबादला.
साहिबगंज	28 अप्रैल 2020 से 28 अगस्त 2024 तक तीन एसपी का तबादला

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बिरसा मुण्डा के पावन धरती झारखंड में भारत के

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का हार्दिक अभिनंदन

रमेश सिंह

प्रदेश कार्यसमिति

सदस्य, भाजपा, झारखंड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~X~~ ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

क्या गरीब, लाचार लोगों के लिए किसी के दिल में कोई सहानुभूति नहीं?

नक्सली हमले में पति को खोया, 27 साल बाद भी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला, अब भी सरकार से मदद की आस

कुमार राज। सतबरवा (पलामू)

प्रखंड की बोहिता पंचायत में इंदिरा आवास, प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास का लाभ हजारों लाभुकों को मिल चुका है, पर विधवा अनारकली कुंवर को किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला. 27 वर्ष पूर्व नक्सलियों ने उनके पति की हत्या कर दी थी. अकेली मां ने बच्चों को जैसे-तैसे करके पाल कर बड़ा किया. अब विधवा अनारकली की बेटी नीलम कुमारी सरकार से एक ही सवाल पूछ रही है कि क्या सिर्फ पैसे वालों को ही आवास मिलेगा? क्या हम गरीब, असहाय, लाचार लोगों के लिए किसी के दिलों में कोई सहानुभूति और जगह नहीं है?

- सतबरवा प्रखंड की बोहिता पंचायत में एक बेबस मां की दास्तां
- विधवा मां ने काफी परेशानी झेल बच्चों को पाल कर बड़ा किया

सतबरवा प्रखंड की बोहिता पंचायत में घर के बाहर खड़ी विधवा अनारकली कुंवर और जर्जर हो चुका मिट्टी का घर.

पूरी तरह जर्जर हो चुका है घर, एक छोर से गिर रहा : सतबरवा प्रखंड के बोहिता भंडार टोला में विधवा अनारकली कुंवर का घर मिट्टी का है. घर पूरी तरह जर्जर हो चुका है. एक छोर से घर गिर रहा है. वर्षा होने पर रात जाग कर गुजारनी पड़ती है. नीलम ने बताया कि करीब 27 वर्ष पूर्व मेरे पिता की हत्या नक्सलियों ने गोली मार कर दी थी. उस वक्त वह मां के गर्भ में पल रही थी. पिता की हत्या के छह माह बाद उसका जन्म हुआ. मां ने उसे और उसके बड़े भाई को मजदूरी कर जैसे-तैसे पाला. बेटी का विवाह भी कर दिया. बेटे का भी विवाह हो गया.

घर जर्जर होने के कारण अलग जगह रहता है बेटा : घर जर्जर रहने के कारण बेटा अपने परिवार को लेकर दूसरी जगह पर रहता है. वहीं, मां मजदूरी करने सुबह घर से निकल जाती है. विधवा अनारकली कुंवर ने बताया कि पति की हत्या के बाद बहुत परेशानी झेल कर बच्चों की परवरिश की है. बहुत प्रयास किए कि सरकारी योजना के तहत उसे भी आवास मिल जाए, पर गरीबों की कौन सुनता है. हालांकि, अनारकली को अब भी आस है कि सरकार उसकी सुध लेगी और योजनाओं का लाभ पहुंचाएगी.

निश्चित तौर पर आवास मिलेगा : मुखिया पति : बोहिता पंचायत की मुखिया कलावती देवी के पति लाल बिहारी साव ने बताया कि अबुआ आवास की पहली सूची में अनारकली कुंवर का नाम नहीं था. इस बार अबुआ आवास के लिए आवेदन दिया है. उसे निश्चित तौर पर आवास मिलेगा. वहीं, पंचायत सेवक सुरेश ठाकुर ने भी कहा कि विधवा अनारकली को अबुआ आवास योजना का लाभ मिलेगा.

ब्रीफ खबरें

एयरलिफ्ट कर लाया गया मजदूर का शव

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पहल पर हैदराबाद से प्रवासी मजदूर मंगनू साय का शव शनिवार को टीनगिना गांव पहुंचा. शव को एयरलिफ्ट कर हैदराबाद से लाया गया. मंगनू कर्नाटक में मछली पकड़ने का काम करता था. उसके परिजनों के पास उतने पैसे नहीं थे कि शव को कर्माटक से गांव लाया जा सके. श्रम विभाग की ओर से भी मंगनू के परिजनों को 50 हजार रुपए का चेक दिया गया.

बारिश में मकान गिरा अधेड़ महिला की मौत

पांडू (पलामू)। हल्की बारिश में शुक्रवार की रात कच्चा मकान गिरने से घर में मौजूद महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान शिव यादव की पत्नी चंद्रावती देवी (55) के रूप में हुई है. ग्रामीणों के अनुसार, रात में तेज आवाज के साथ वज्रपात हुआ और शिव यादव का कच्चा मकान गिर गया. मलबे में दबने से महिला की मौत हो गई. इधर, घटना की सूचना पर शनिवार की सुबह थाना प्रभारी कुमार गौरव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल भेज दिया.

नक्सलियों ने दो टावर को क्षतिग्रस्त किया

लातेहार। जिले के महुआडांड़ प्रखंड के नेतरहाट थाना क्षेत्र के दुरूप गांव में शनिवार की दोपहर करीबन डेढ़ बजे माओवादियों ने बीएसएनएल के टावर को क्षतिग्रस्त कर दिया. जानकारी के अनुसार, माओवादियों का एक दस्ता वहां आया और दो टावर को आग के हवाले कर दिया. वहीं, सोलर प्लेट को लाठी-डंडे से पीट कर क्षतिग्रस्त कर दिया. इस घटना में किस संगठन का हाथ है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि क्षेत्र में चर्चा है कि माओवादियों के दस्ते ने इस घटना को अंजाम दिया है. हालांकि इस घटना की अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई थी. एसपी ने जांच करने की बात कही है.

कोयला कर्मियों को एक लाख के बोनस की उम्मीद

धनबाद। इस दुर्गा पूजा में कोल कर्मियों को एक लाख तक का बोनस मिल सकता है. कोलियरी इलाके में यूनियन नेता एक लाख बोनस देने की मांग कर रहे हैं. सूचना के मुताबिक इस बार बैठक एक दिन की होगी. इसमें सिर्फ बोनस पर ही चर्चा होगी. एक अक्टूबर को होने वाली बैठक पर 2.10 लाख कोयला कर्मियों की निगाहें टिकी हुई है. पिछले साल दुर्गा पूजा के मौके पर कोयलाकर्मियों को 85,000 रुपये बोनस मिला था. इस साल कोल इंडिया के लाभ में बढ़ोतरी हुई है. ऐसे में और बेहतर बोनस मिलने की मांग भी हो रही है और इसकी संभावना भी है. ठेका कर्मियों को भी कुछ लाभ मिल सकता है. पिछले 10 साल से हर बार बोनस राशि में बढ़ोतरी हुई है. बीसीसीएल में बोनस का सीधा प्रभाव धनबाद के बाजार पर पड़ेगा. बोनस की जोरदार धूम रहेगी.

सड़क हादसा : चौपारण व पलामू में सड़क पर मौत बन कर दौड़ी हाईवा और क्रेन

चार लोगों की मौत, दो गंभीर

महाराजगंज में हाईवा ने बाइक सवार को रौंदा, दो की मौत

संवाददाता। चौपारण

चौपारण-चतरा रोड़ में सिंहपुर स्कूल के पास तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया. दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना शुक्रवार देर रात की है. मृतकों की पहचान चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नौडीहा निवासी बुधन कुमार और बिलखी कुमार के रूप में हुई है. वहीं, विशाल कुमार की हालत काफी नाजुक है.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इटखोरी की तरफ से छर्री लदा हाइवा तेज रफ्तार में चौपारण की ओर जा रहा था. इसी क्रम में महराजगंज में एक बाइक पर सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया और बाइक समेत तीनों लोगों को 200 फीट तक सड़क पर घसीटते हुआ निकल गया. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाईवा का पीछा किया, तो चौपारण-चतरा मोड़ के पास हाइवा को खड़ा कर चालक फरार हो गया. इधर, दुर्घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी पहुंच गए थे.

जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार बुधन कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी. वहीं, गंभीर रूप से घायल बिलखी कुमार और विशाल कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सदर अस्पताल, हजारीबाग रेफर कर दिया. हजारीबाग में इलाज के दौरान बिलखी कुमार की भी मौत हो गई. वहीं, चिकित्सक ने विशाल की स्थिति को देखते हुए उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया. परिजनों ने बताया कि उसकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है.

महराजगंज में दुर्घटना के बाद सड़क पर खड़ी हाईवा.

करमा के दिन सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत

- एक अन्य ही हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती कराया गया

पलामू। जिले के पड़वा थाना क्षेत्र में शनिवार की देर शाम क्रेन की चपेट में आने से बाइक सवार दो लोगों मौत हो गई. वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल है. दुर्घटना के बाद उग्र ग्रामीणों ने पलामू-औरंगाबाद सड़क मार्ग को जाम कर दिया. इधर, घटना की सूचना मिलते ही पड़वा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए अस्पजाल भेजवाया.

वहीं ग्रामीणों को काफी समझा-बुझा कर जाम हटाने के प्रयास में जुटे थे. लेकिन, लोग मुआवजे की मांग पर अड़े थे. मृतकों की पहचान रजहरा कोलियरी तीन नंबर कॉलोनी निवासी जितेंद्र कुमार और अरूण कुमार के रूप में हुई है. दोनों सगे भाई थे. बताया जा रहा है कि दोनों भाई पड़वा बाजार कर्मा पूजा का सामान लेकर बाइक से अपने घर जा रहे थे. इसी क्रम में क्रेन ने दोनों भाइयों समेत एक और युवक को अपनी चपेट में ले लिया. इस हादसे में दोनों सगे भइयों की मौके पर ही मौत हो गई थी. वहीं, बाइक के भी परखच्चे उड़ गये. दुर्घटना के बाद चालक क्रेन खड़ी कर फरार हो गया. समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम ही था और आक्रोशित लोग वरीय पदाधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे. इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार भी लग गई थी.

पड़वा में दुर्घटनाग्रस्त बाइक.

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में बेहोश अभ्यर्थी की मौत

वरीय संवाददाता। रांची

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में शामिल जमशेदपुर के एक अभ्यर्थी की मौत शनिवार को हो गयी. मृत अभ्यर्थी का नाम मुरामुल्ला सूर्या था. वह जमशेदपुर के बर्मामाइंस रहने वाला था. रांची में 12 सितंबर को बहाली प्रक्रिया के दौरान दौड़ लगाते हुए वह बेहोश हो गया था. तबीयत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गयी.

उल्लेखनीय है कि उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में 14 अभ्यर्थियों की मौत के बाद हेमंत सोरेन ने पांच दिनों तक बहाली प्रक्रिया को स्थगित कर दी थी. इसके बाद नियमों में थोड़ी तब्दीली के साथ 10 सितंबर से फिर से उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ शुरू हुई है. राज्य में उत्पाद विभाग में सिपाही के 583 पदों के लिए बहाली प्रक्रिया चल रही है. पांच लाख से भी अधिक युवकों ने आवेदन किया है. शारीरिक परीक्षा अलग-अलग जिलों में 22 अगस्त से हो रही है. पुरुष अभ्यर्थियों के लिए एक घंटे में 10 किलोमीटर और महिलाओं लिए 40 मिनट में पांच किलोमीटर की दौड़ पूरी करने की शर्त रखी गयी है.

मुरामुल्ला सूर्या (फाइल फोटो).

पलामू में सबसे अधिक पांच की गयी जान

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में अब तक 300 से भी ज्यादा अभ्यर्थी बेहोश हुए हैं. उनमें 14 अभ्यर्थियों की मौत हो चुकी है. पलामू में सबसे अधिक पांच अभ्यर्थियों की जान गयी है. मरने वालों में बिहार के गया निवासी अमरेश कुमार, रांची के ओरमांझी निवासी अजय महतो, पलामू के छतरपुर निवासी अरुण कुमार और गोड्डा निवासी प्रदीप कुमार शामिल हैं. हजारीबाग के पदमा स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में चल रही दौड़ में अब तक दो युवकों सूरज वर्मा और महेश कुमार की जान गयी है. वहीं रांची में तीन और गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, साहिबगंज में एक-एक अभ्यर्थी की मौत हुई है.

खूंटी में बुजुर्ग की धारधार हथियार से मार कर हत्या

- केवड़ा पुलिस पिकेट के पीछे अपराधियों ने किया था हमला

संवाददाता। खूंटी

खूंटी के मुरहू थाना क्षेत्र में केवड़ा पुलिस पिकेट के पीछे अपराधियों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति की धारदार हथियार से मार कर हत्या कर दी. मृतक की पहचान केवड़ा स्थित गेट टोली गांव निवासी लदुरा पाहन (67) के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि लदुरा पाहन शुक्रवार को खरीदारी करने केवड़ा बाजार गया था. वहां से घर लौटने के दौरान पराधियों ने उनपर धारदार हथियार से हमला कर दिया.

इस हमले में बुजुर्ग जमीन पर गिर गये. इसके बाद अपराधी भाग निकले. कुछ देर बाद कुछ ग्रामीणों की नजर जमीन पर गिरे बुजुर्ग पर पड़ी. पहचान के बाद उनके परिजनों को जानकारी दी गयी. सूचना मिलते ही परिजन सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे. आनन-फानन में खूंटी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शनिवार सुबह सूचना मिलने पर मुरहू थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई.

लदुरा पाहन (फाइल फोटो).

सुदेश महतो ने असम में हिमंता बिस्व सरमा से मुलाकात की

चुनाव में सीट शेयरिंग पर चर्चा

- राजनीतिक गलियारों में मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने असम में वहां के सीएम हिमंता बिस्व सरमा से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के साथ चुनावी रणनीति पर बात की. बताते चलें सुदेश महतो इससे पहले भी कई बार हिमंता बिस्व सरमा से मुलाकात कर चुके हैं. राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात के कई मायने भी निकाले जा रहे हैं.

सुदेश ने कहा है कि असम के मुख्यमंत्री के पूरे परिवार के साथ उनके निवास पर सुखद मुलाकात हुई है. इस दौरान झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात एवं विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई. इस मौके पर मेरे साथ मेरी धर्मपत्नी नेहा महतो भी मौजूद थीं. इससे पहले हेमंत सोरेन ने मध्य प्रदेश के भोपाल में जाकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान से भेंट की थी. वहां आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई थी. उन्होंने महाकाल के दर्शन भी किये थे.

असम में हिमंता व उनके परिवार से पत्नी के साथ मिलते सुदेश महतो.

सात लाख रुपये की अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। चतरा

- दो स्कूटी, एक बाइक और तीन मोबाइल जब्त
- बरामद अफीम का वजन 1.8 किलो बताया गया

सिमरिया पुलिस ने अफीम तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. तस्करी मे प्रयुक्त दो स्कूटी, एक बाइक और तीन मोबाइल भी जब्त किये गये है. एसडीपीओ अजय कुमार केसरी ने बताया कि चतरा एसपी विकास पांडेय को गुप्त सूचना मिली थी कि सिमरिया थाना क्षेत्र के लेपो के पोखरिया जंगल के पास कुछ लोग अफीम की खरीद-बिक्री करने वाले हैं. इसके बाद छापेमारी दल का गठन किया गया.

पुलिस टीम जंगल के पास पहुंची ही थी कि तीन लोग तीन अलग-अलग वाहनों से जंगल की ओर से निकलते दिखे. पुलिस ने तीनों को रोक कर तलाशी ली. इस क्रम में स्कूटी की डिक्की से सफेद प्लास्टिक में रखा 1.8 किलो अफीम बरामद किया गया. बरामद अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सात लाख रुपये आकी गई है. पुलिस ने मौके से तीनों युवकों को गिरफ्तार कर पूछताछ की. गिरफ्तार आरोपियों में खूंटी जिला के मरांगहदा गांव निवासी सुनील मुंडा (वर्तमान में टेटुआतरी लेपो टोला निवासी), सिमरिया थाना क्षेत्र के लेपो गांव निवासी अनिल कुमार वर्मा और उसके भाई छोटू कुमार के रूप में की है.

आरोप सवालों के घेरे में पलामू सेंट्रल जेल प्रशासन, कैदियों के परिजनों का गंभीर आरोप

जेल में छह महीने के भीतर चार कैदियों की मौत

संजीत यादव। मेदिनीनगर

पलामू सेंट्रल जेल में करीब छह महीने के अंदर चार बंदियों की मौत हो चुकी है. जेल प्रशासन के अनुसार, सभी की मौत बीमार होने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान हुई. हाल के दिनों में दो युवा बंदियों की मौत के बाद जेल प्रशासन सवालों के कटघरे में खड़ा है. जेल में बंद अजय चौधरी और कुंदन पांडेय, दोनों की 30 वर्ष के अंदर ही थी. परिजनों के अनुसार दोनों युवक, पहले से बीमार नहीं थे. जेल में पिटाई के बाद दोनों की तबीयत बिगड़ी. उन्होंने जेल प्रशासन पर सवाल खड़े करते हुए कार्रवाई की मांग भी की थी. मामले में जांच तो हुई, पर अब तक किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई.

जेल में बंद कैदियों के परिजनों का कहना है कि अगर कैदी बीमार होते हैं, तो उनके परिजन को जानकारी क्यों नहीं दी जाती है. अस्पताल ले जाने के दौरान ही परिजनों को सूचना क्यों दी जाती है? उधर, कैदी कुंदन पांडेय की मौत के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पलामू डीसी शशि रंजन ने मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंचे थे और मृतक के शव को भी देखा. उन्होंने सदर एसडीएम अनुराग तिवारी और सदर सीओ अमरदीप बल्होत्रा को कई बिंदुओं पर जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. इधर मृतक के परिजनों ने जेल में तैनात जवान के खिलाफ थाने में आवेदन दिया है.

कैदियों की कब-कब हुई मौत

- **11 सितंबर 2024** – कैदी कुंदन कुमार पांडेय की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी थी. मृतक कैदी शहर थाना क्षेत्र के रेड़मा का रहने वाला था. वह छह सितंबर 2024 को नाबालिग के अपहरण मामले में जेल में बंद था.
- **22 जुलाई 2024** – कैदी रामदेव कोरवा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई थी. मृतक कैदी गढ़वा के रंका थाना क्षेत्र के सिरोईकलां का रहने वाला था. कुछ दिनों पहले ही रामदेव कोरवा को गढ़वा से पलामू सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया गया था.
- **31 मई 2024** – विचाराधीन कैदी संजय शर्मा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी. मृतक पलामू के हैदरनगर का रहने वाला था. संजय शर्मा 12 दिसंबर 2017 से पलामू सेंट्रल जेल में बंद था.
- **8 अप्रैल 2024** – कैदी अजय चौधरी की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई थी. परिजनों ने जमकर हंगामा करते हुए सड़क भी जाम किया था. अजय चौधरी अपने चचेरे भाई की गोली मार कर हत्या करने के आरोप में जेल में बंद था.

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
Birla Knowledge City, Vill – Ara, P.O. – Mahilong,
Ranchi-Purulia Highway, Ranchi – 835103 (Jharkhand)
Phone: 9507035717, 9507035987
E-mail – info@sbpsranchi.com • Website : www.sbpsranchi.com

REGISTRATION FOR ADMISSION (2025-26)

Registration forms for admission in Nursery, KG-I, KG-II, Std. I & Std. IX can be filled and submitted online through the school's official website www.sbpsranchi.com from 16.09.2024 to 15.10.2024. Online registration forms (2025-26) available for provisional admission in Std. XI (Science, Commerce & Humanities). For further details please log on to www.sbpsranchi.com or call front office 9507035717, 9507035987 on working days. (Timing: 08:00 am to 01:00 pm).
BPL/EWS category candidates can apply online through www.rte.dseranchi.com (as per Govt. norms) for admission in Nursery only.

VACANCY FOR TEACHERS (2025-26)

PGT, TGT and PRTs are required for all the subjects including foreign languages.
How to Apply: The eligible candidates are instructed to fill and submit the online application form along with a recent scanned photograph and a brief narrative (500-1000 words) on their professional ideology through the link https://sbpsranchi.in/career on or before 15.10.2024.

Principal

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.4	25.2
जमशेदपुर	28.6	24.0
डालटनगंज	30.6	24.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित | रांची, रविवार 15 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 158 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	89,000

ब्रीफ खबरें

अरे तुम अपने और अपने 'पप्पू' के बारे में सोचो...

नयी दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर यूपी के गौतमबुद्धनगर के डीएम के एक्स हैंडल से की गई एक पोस्ट को लेकर राजनीति गरमा गई है. डीएम ने लिखा है- अरे तुम अपनी और अपने 'पप्पू' के बारे में सोचो... कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर नोएडा के डीएम के पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए कहा, उन्होंने राहुल गांधी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की है. विवाद बढ़ते ही डीएम मनीष वर्मा ने सफाई दी है कि उनके एक्स आईडी का दुरूपयोग किया गया है. कांग्रेस ने मामले में कार्रवाई की मांग की है.

मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है. इस बीच सीएम ममता बनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने पहुंचीं. ममता ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं, सीएम बन कर नहीं. -पेज 12 भी देखें

कोलकाता में जोरदार धमाका, दो घायल

कोलकाता। कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर शनिवार को पर हुए विस्फोट में दो लोग घायल हो गए. इनमें एक महिला भी शामिल है. घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है. पुलिस ने इलाके को सुरक्षा टेप से घेर लिया, ताकि आम जनता करीब न आने पाए. बम निरोधक दस्ते भी जांच कर रहा है.

केजरीवाल ने किया हनुमान जी का दर्शन

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आने के बाद शनिवार को पंत्नी सुनीता केजरीवाल संग कनॉट प्लेस स्थित प्रसिद्ध हनुमान दोपहर पहुंचे और वहां दर्शन कर आशीर्वाद लिया. इस मौके पर मनीष सिसोदिया और आप सांसद संजय सिंह भी सीएम के साथ थे.

शेयर बाजार में कल आ रहा बिग मंडे

मुंबई। सोमवार का दिन प्राइमरी मार्केट के लिए अहम है. इस दिन तीन कंपनियों के आईपीओ की मार्केट में लिस्टिंग है. इसमें बजाज हाउसिंग, टॉलिन्स टायर्स और क्रॉस लिमिटेड के आईपीओ के नाम शामिल हैं. बजाज हाउसिंग के आईपीओ का साइज 6,560 करोड़ का है. इसको निवेशकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है. यह 68 गुना तक बढ़ कर बंद हुआ.

वियतनाम में तूफान का कहर, 254 मरे

हनोई। वियतनाम में तूफान यागी ने कहर बरपाया है. तूफान के कारण भूस्खलन और बाढ़ से उत्तरी क्षेत्र में 254 लोगों की मौत हो गयी तथा 82 लोग लापता हैं. लाओ काई, काओ बांग और येन बाई सबसे अधिक प्रभावित प्रांत हैं, जहां क्रमशः 111, 43 और 49 लोगों की मौत हो चुकी है.

मैंने पीएम पद का ऑफर ठुकरा दिया: गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्ष के एक बड़े नेता ने उनके सामने पीएम पद का प्रस्ताव रखा था, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया. गडकरी ने कहा, मैंने नेता से कहा कि मैं एक विचारधारा और विश्वास का पालन करनेवाला व्यक्ति हूं. मैं एक ऐसी पार्टी में हूं जिसने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी. कोई भी प्रस्ताव मुझे लुभा नहीं सकता.

पीएम मोदी आज झारखंड आएंगे, भाजपा नेताओं का जुटान

देंगे कई सौगात

शुभम संदेश टीम। रांची/ जमशेदपुर

- 21 हजार करोड़ की योजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास
- टाटानगर रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी
- जमशेदपुर के गोपाल मैदान में करेंगे जनसभा को संबोधित

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड आ रहे हैं. वे सुबह 8:45 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे. यहां से हेलीकॉप्टर से जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां उनकी आगवानी राज्यपाल संतोष गंगवार करेंगे. इसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो, टाटा स्टील के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन, वीपी चाणक्य चौधरी समेत कई अन्य नेता और प्रशासनिक अधिकारी पीएम का स्वागत करेंगे.

एयरपोर्ट पर पीएम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा. उसके बाद 10:15 बजे उनका कारकेड टाटानगर स्टेशन के लिए प्रस्थान कर जाएगा. टाटानगर स्टेशन पर पीएम प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बने कार्यक्रम स्थल वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे. पीएम सबसे पहले टाटा-पटना वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे. उसके बाद एक-एक करके पांच अन्य वंदे भारत को रवाना करेंगे. जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रमों के समापन के बाद पीएम दोपहर 1.45 बजे फिर रांची पहुंचेंगे. रांची एयरपोर्ट से गुजरात के लिए प्रस्थान करेंगे. पीएम लगभग छह घंटे तक झारखंड में रहेंगे.

पीएम के रूट लाइन पर नो फ्लाई जोन घोषित : पीएम के के हवाई रूट पर नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है. सुरक्षा की दृष्टि से एयरपोर्ट से 200 मीटर की परिधि में ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून जैसी गतिविधियों पर पूर्ण रोक रहेगी. पीएम मोदी के लिए एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर एयरपोर्ट पर पहुंच गया है. अफसरों ने शनिवार को एयरपोर्ट का जायजा लिया. पीएम के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग स्थल का भी निरीक्षण किया. पीएम के आगमन को लेकर रांची से लेकर जमशेदपुर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. इधर, रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव भी शनिवार देर शाम रांची पहुंच गए. रेल मंत्री सुबह जमशेदपुर जाएंगे.

गोपाल मैदान में सभा, रोड शो भी होगा

जमशेदपुर में पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को एक तरह से झारखंड में विधानसभा चुनावों का भाजपा का बिगुल भी फूंकेंगे. गोपाल मैदान में पीएम की सभा भी होगी. वहां पीएम रोड शो भी करेंगे. रोड शो आधे घंटे का होगा. पीएम के कार्यक्रम को देखते हुए जमशेदपुर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. तीन हजार से अधिक पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की तैनाती गई है.

सुबह 8:45 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे

- एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर
- छह वंदे भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी
- रेलवे की सात परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे
- तीन करोड़ लोगों को पक्का मकान की सौगात देंगे
- चौथी रेल लाइन को भी मंजूरी दे सकते हैं पीएम मोदी

पीएम का कार्यक्रम एक नजर में

पीएम मोदी झारखंड को देंगे ये सौगातें

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड कई सौगातें भी देंगे. देवघर में मधुपुर बाईपास लाइन और हजारीबाग जिले में हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखेंगे. मधुपुर बाईपास लाइन के पूरा होने के बाद हावड़ा-दिल्ली मेन लाइन पर ट्रेनों के रुकने की समस्या खत्म हो जाएगी. साथ ही गिरिडीह और जसीडीह के बीच यात्रा समय भी कम होगा. हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो इस स्टेशन पर कोचिंग स्टॉक के रखरखाव में मदद करेगा. जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रम में पीएम 21 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे. इस दौरान ने झारखंड के 20 हजार लोगों को घरों की सौगात देंगे. पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत दो करोड़ नए घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे. वर्तमान वित्तीय वर्ष में एक लाख 13 हजार 185 आवासों का लक्ष्य झारखंड को मिला है. इसके लिए 187.79 करोड़ की राशि दी गई है.

कुरकुरा-कनारोअन दोहरीकरण परियोजना : प्रधानमंत्री कुरकुरा-कनारोअन दोहरीकरण परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जो बंडामुंडा-रांची सिंगल लाइन खंड का हिस्सा है और रांची, मुरी एवं चंद्रपुरा स्टेशनों के रास्ते राउरकेला-गोमोह मार्ग का हिस्सा है. इस परियोजना से माल की ढुलाई और यात्री यातायात को बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी. इसके अलावा, आम लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए 04 रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) को भी राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा.

छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

- टाटानगर – पटना
- भागलपुर - दुमका- हावड़ा
- ब्रह्मपुर - टाटानगर
- गया - हावड़ा
- देवघर – वाराणसी
- राउरकेला – हावड़ा

पीएम छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे. अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेनें इन मार्गों पर कनेक्टिविटी में सुधार करेंगीः इन वंदे भारत ट्रेनों के शुरू होने से नियमित यात्रियों, पेशेवरों, व्यापारियों और छात्र समुदाय को लाभ होगा. ये ट्रेनें देवघर (झारखंड) में बैद्यनाथ धाम, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में काशी विश्वनाथ मंदिर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में कालीघाट, बेलूर मठ आदि जैसे तीर्थ स्थलों तक आवागमन के तीव्र गति वाले परिवहन प्रदान करके क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगी. इसके अलावा, धनबाद में कोयला खदान उद्योग, कोलकाता में जूट उद्योग, दुर्गापुर में लौह और इस्पात संबद्ध उद्योगों को भी काफी बढ़ावा मिलेगा.

मांदर की थाप लगाते सीएम: रांची महिला कॉलेज के साइंस ब्लॉक स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में शनिवार रात आयोजित करम पूजा महोत्सव में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन.

संघर्ष अभी नहीं हुआ समाप्तः सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

- मुझे जेल भेजा, हमारे विधायकों को ख़रीदने में अरबों लगाए
- हर महीने भाजपा ने सरकार गिराने की पुरजोर कोशिश की

सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा है. कहा कि भाजपा ने हर महीने हम झारखंडियों की सरकार गिराने की पुरजोर चेष्टा की. इससे भी नहीं हुआ, तो मुझे जेल भेजा. चंपाई सोरेन सहित अन्य लोगों की इशारा करते हुए कहा, विधायकों को खरीदने में अरबों लगाए. एक्स पर पोस्ट में सीएम ने लिखा कि इसके बावजूद आप भाई-बहनों के प्रेम और अपनत्व के कारण वे अपने मंजूबों में कामयाब नहीं हो पाए. अब आपकी सरकार अपकी सेवा में और तेज गति से काम कर रही है.

सीएम ने अपने इरादे जाहिर करते हुए कहा कि संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है. हमें सतर्क रहना होगा और अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी होगी. राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद, हमारा ध्यान विकास और जनकल्याण पर केंद्रित है. हम सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं.

सीएम हेमंत ने प्रकृति पर्व करम की दी बधाई

रांची। प्रकृति पर्व करम (करमा) पर्व के पावन मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी झारखंडवासियों को बधाई दी है. सीएम ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि करम पर्व के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार! यह पर्व प्रकृति के साथ मानव जीवन की एकरूपता और भाई-बहन के अटूट स्नेह एवं सम्मान को दर्शाता है. यह पावन पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है. यह पर्व आप सभी के जीवन में खुशियां लाए, आप सभी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रहें, यही कामना करता हूं. **जय जोहार! करम जोहार!**

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी : सीएम ने लिखा-आदिवासी-मूलवासी के अधिकारों और संस्कृति को संरक्षित करना हमारी प्राथमिकता है. भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी है, ताकि हर रुपया जनता की भलाई में खर्च हो. उन्होंने आगे लिखा है कि आप सभी के समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद. हम सब मिल कर समृद्ध और न्यायसंगत झारखंड का निर्माण करेंगे.

भाजपा ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द कर दिया : सीएम ने कहा कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द करने से पहले कुछ भी नहीं सोचा. उन्हें इसमें चंद रुपए बचते दिखे. पर इससे कितने परिवारों को इन्होंने उजाड़ दिया. लाखों झारखंडियों को भूख से मौत के मुहाने खड़ा कर दिया. इनके पास अरबों खर्च कर विधायक ख़रीदने के लिए पैसों की कमी नहीं है.

हॉकी : एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीता लगातार 5वां मैच

भारत की आंधी में उड़ा पाकिस्तान

स्कोर

भारत	पाक
2	1

- भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत ने दागे दोनों गोल, पाक की तरफ से नदीम ने दागा गोल

हुलुनबुइर (चीन)। भारतीय हॉकी टीम ने शनिवार को चीन में खेली जा रही एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के आखिरी राउंड रॉबिन मैच में 2-1 से हरा दिया. हरमनप्रीत ने दो गोल, जबकि पाकिस्तान के नदीम ने मैच में पहला गोल दागा. भारत ने टूर्नामेंट में लगातार पांचवां मैच जीता. पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया. पाकिस्तान की टीम मैच के आखिरी 10 मिनट में सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेली. भारत को इस मुकाबले में 5 और पाकिस्तान को सात पेनाल्टी कॉर्नर मिले. भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है. - पूरी खबर पेज 10 पर

पलटवार सेबी प्रमुख माधवी बुच पर कांग्रेस ने लगाए नए आरोप, कहा

धारा गिनाई, पूछा- मैडम आपने साइन किये या नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

सेबी चीफ माधवी पुरी बुच पर कांग्रेस ने शनिवार को नए सवालों और सबूतों के साथ निशाना साधा. पार्टी ने माधवी बुच के दावों को गलत बताते हुए कहा कि उन्होंने पूरी गंभीरता के साथ सेबी के प्रमुख की कुर्सी पर बैठ कर कमाई की. कांग्रेस ने माधवी बुच के दावों को गलत बताते हुए कहा, सेबी की फुल-टाइम मेंबर रहते हुए भी बुच और उनके पति अपने स्वामित्व वाली कंपनी अगोरा प्राइवेट लिमिटेड से कमाई करते रहे.

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, हम दो सितंबर से मैडम पर खुलासे कर रहे. 16.80 करोड़ आईसीआईसीआई से और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल से बुच ने अलग-अलग वक्त में अलग-अलग कैटेगिरी में धन अर्जित किए.

शेयर में जो लोग पैसा लगाते हैं हमें उनकी फिक्र

खेड़ा ने कहा, हमारे आरोपों पर मैडम ने जो जवाब दिया वो समझ से परे है.उन्होंने अपनी काबिलियत और डिग्री गिनाईं, मैडम हम आपकी डिग्रियों की कदर करते हैं, हमें आपसे कोई आपत्ति और पर्सनल दुश्मनी नहीं है. लेकिन हमे सेबी से और उसके चीफ से शिकायत पूछने का हक है क्योंकि हमारे सवाल सेबी चीफ की कुर्सी से हैं क्योंकि शेयर में आम आदमी का पैसा भी लगता है. नुकसान की कीमत वो छोटे लोग चुकाते हैं.

बैंक के कई केस सेबी की चौखट पर थे. 3 सितंबर को बैंक ने कुछ जवाब दिए. 6 सितंबर को हमने कुछ और सवाल किए, जिनका जवाब नहीं आया है. 2018 से 2024 के बीच सेबी सदस्य और चीफ रहते हुए माधवी वॉकहार्ट से संबद्ध कंपनी कैरोल इंफो सर्विसेज से 2.16 करोड़ की किराए की इनकम प्राप्त कर रही थीं. ये जानकारी पब्लिक डोमेन में है कि मुंबई स्थित वॉकहार्ट की 2023 के दौरान भेदिया कारोबार सहित कई मामलों की जांच सेबी कर रही है. वॉकहार्ट के कुछ केस भी सेबी के पास पेंडिंग थे.

लिस्टेड कंपनी में ट्रेडिंग चीनी कंपनियों में निवेश

खेड़ा ने कहा, 2017 से 2023 के बीच में माधवी सेबी सदस्य व चीफ बनने तक कंपनियों में ट्रेडिंग करती रहीं. करीब करीब 37 करोड़ की ट्रेडिंग 6 साल में की. यही नहीं मैडम ने चीन की कंपनियों में निवेश भी किया. अब मैडम आप कहेंगी कि तो क्या हुआ? आपके इस काउंटर पर हमारा सवाल आपसे ये है - आपके द्वारा की गई ये ट्रेडिंग सेक्शन 6 ऑफ सेबी कोड कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट फॉर मेंबर्स की अवहेलना और वायलेशन है. मेरा सवाल है कि आप कहती हैं कि ये अगोरा डॉरमेंट है. जबकि ऐसा नहीं था. आपने खूब नाजायज धन कमाया है.

अनुशासन वो तीन घंटे का नियम, जिसे नारायण मूर्ति ने बच्चों की परवरिश के लिए अपनाया

माता-पिता को बच्चों के लिए उदाहरण बनना चाहिए

एजेंसियां। बेंगलुरु

देश की जानी-मानी आईटी कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति काफी चर्चाओं में रहते हैं. हाल ही में नारायण मूर्ति ने 70 घंटे काम की वकालत की थी, जिस पर बहस छिड़ गई थी. हालांकि, अब बच्चों की परवरिश पर उन्होंने अपना विचार साझा किया है. उनका कहना है कि घर में पढ़ाई का माहौल बनाना माता-पिता का सबसे बड़ा कर्तव्य है.

दरअसल, बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में बोलते हुए 78 वर्षीय मूर्ति ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई के लिए घर में अनुशासित माहौल बनाना माता-पिता की जिम्मेदारी है. यह पूछे जाने पर कि सोशल मीडिया

के डिस्ट्रैक्शन के बीच छात्र कैसे ध्यान केंद्रित कर सकते हैं? मूर्ति ने कहा कि माता-पिता यह उम्मीद करते हुए फिल्में नहीं देख सकते कि बच्चे अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगाएंगे.

नारायण मूर्ति ने बताया कि कैसे उन्होंने और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति ने अपने बच्चों अक्षता और रोहन की पढ़ाई को लेकर घर में अनुशासन बनाए रखा. उन्होंने बताया कि जब उनके बच्चे स्कूल में थे, तब वह और उनकी पत्नी रोजाना तीन घंटे से ज्यादा समय उनके साथ पढ़ाई करते थे. इस अभ्यास से न केवल सीखने के लिए अनुकूल माहौल बना, बल्कि बच्चों को माता-पिता से स्पष्टीकरण मांगने का भी अवसर मिला.

मूर्ति पॉल हेविट की किताब कॉन्सेप्टुअल फिजिक्स के 13वें संस्करण का लोकार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि जब माता-पिता खुद फिल्म देखने जैसे कामों में व्यस्त रहते हैं, तो वे अपने बच्चों से पढ़ाई में ध्यान लगाने की उम्मीद नहीं कर सकते.

टीवी देखने की थी सख्त मनाही

नारायण मूर्ति ने बताया कि शाम को 6.30 बजे से 8.30 बजे तक उनका घर पूरी तरह से पढ़ाई के लिए समर्पित होता था. टेलीविजन देखने की सख्त मनाही थी. उन्होंने कहा, मेरी पत्नी का तर्क था कि अगर मैं टीवी देख रही हूं, तो मैं अपने बच्चों को पढ़ने के लिए नहीं कह सकती. इसलिए उन्होंने कहा था कि मैं अपना टीवी देखने का समय कुर्बान कर दूंगी और मैं भी पढ़ाई करूंगी. उनका मानना है कि माता-पिता को बच्चों के लिए उदाहरण बनना चाहिए. बच्चों को पढ़ाई के लिए कहना और खुद मनोरंजन में लगे रहना, बच्चों को गलत संदेश देता है. उन्होंने कहा, अगर माता-पिता खुद फिल्में देखने जा रहे हैं और फिर बच्चों से कह रहे हैं कि नहीं, नहीं, तुम पढ़ाई करो तो यह तरीका काम नहीं करेगा.

कोचिंग कक्षाओं पर भी कसा तंज : नारायण मूर्ति ने कोचिंग के बारे में भी अपनी शंकाएं व्यक्त कीं. उन्होंने सुझाव दिया कि वे अक्सर उन छात्रों के लिए अंतिम उपाय होते हैं, जिन्होंने कक्षा में ध्यान नहीं दिया होता है. उनका मानना है कि पढ़ाई मुख्य रूप से कक्षा में होनी चाहिए. उसके बाद माता-पिता घर पर बच्चों की मदद करें. बता दें, नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति बिजनेस वुमन और फैशन डिजाइनर हैं. उनका विवाह ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुआ है. वहीं, रोहन मूर्ति हार्वर्ड सोसाइटी ऑफ फैलो में जूनियर फेलो हैं.

कश्मीर में सेना के दो जवान शहीद, पांच आतंकी भी ढेर

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है. बारामूला जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है. बता दें कि आतंकियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा ऑपरेशन शुरू किया गया. शुक्रवार देर रात

उत्तरी कश्मीर जिले के पट्टन इलाके के चक टापर क्रीरी में गोलीबारी शुरू हुई. वहीं, एक अलग मुठभेड़ में सेना की राइजिंग स्टार कोर इकाई के जवानों ने कठुआ में दो पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार इलाके में तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई. इससे पहले जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए और दो अन्य घायल हो गए. सेना ने कहा कि विशेष सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने छतरू क्षेत्र के नैदधाम इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया. इस दौरान सुरक्षा बलों के जवान जब एक निश्चित इलाके की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छिपे आतंकियों ने उन पर गोलियां चलाईं. इसके बाद सुरक्षा बलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं. सेना ने कहा, गोलीबारी के दौरान दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए. व्हाइट नाइट कोर के जीओसी और सभी रैंक के अधिकारियों ने बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है.

ब्रीफ खबरें

वज्रपात की चपेट में आने से दो की मौत

मेदिनीनगर। वज्रपात की दो अलग-अलग घटनाओं में छतरपुर थाना क्षेत्र में एक महिला और एक पुरुष की मौत हो गई है. जानकारी के अनुसार शुक्रवार की देर शाम अचानक हुई बारिश के दौरान छतरपुर थाना क्षेत्र के कउवल में वज्रपात की चपेट में आने से 30 वर्षीय पुरुषोत्तम मिस्त्री की मौत हो गई. घटना के वक्त पुरुषोत्तम मिस्त्री नदी किनारे अपने खेत में काम कर रहे थे. वही खजूरी नौडीहा गांव में इसी दौरान हुए वज्रपात में जानवरों को चल रही महिला चिंता देवी की मौत हो गई.

उंटारी रोड थाना में हुई शांति समिति की बैठक

उंटारी रोड(पलामू)। जिले के उंटारी रोड थाना परिसर में शनिवार को ईद ए मिलाद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह की अध्यक्षता में की गई. बैठक में दोनों समुदाय के लोग शामिल थे. थाना प्रभारी श्री सिंह ने आपसी भाइचारे व मिलजुल कर शान्ति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की बात कही. उन्होंने यह भी कहा कि पर्व के दौरान अफवाहों से बचें. वहीं असमाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी.किसी भी तरह का अप्रिय घटना होने पर तुरंत सूचना पुलिस को दे.ईधर शनिवार को ही विश्रामपुर अनुमंडलीय थाना में भी ईद ए मिलाद को लेकर हुई शांति समिति की बैठक में त्योहार को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का निर्णय लिया गया.

करम प्राकृतिक आराधना का पर्व: अरुणा शंकर

मेदिनीनगर । प्रथम महापौर अरुणा शंकर भंडारिया प्रखंड के ग्राम नौका में करमा पूजा आयोजन समिति द्वारा आयोजित करम पर्व मे सम्मिलित हुए. प्रथम महापौर ने कहा यह पर्व पर्यावरण संतुलन हेतु हमारे पूर्वजों ने सात्विक भावना से वृक्षों को ईश्वर मानते हुए और नदियों को मां का दर्जा देते हुए इस त्यौहार को मनाते आ रहे है. उन्होंने ने कहा करम प्राकृतिक की आराधना का पर्व है और भविष्य की आवश्यकता . महापौर ने कहा आने वाले समय में जैसे-जैसे जल संकट गहराता जा रहा इस पर्व का महत्व बढ़ता जाएगा .

पूर्व मुखिया नागेंद्र मेहता का निधन

हैदरनगर(पलामू)। प्रखंड के खरगाड़ा ग्राम पंचायत के पूर्व मुखिया सह मुखिया कुसुम देवी के पति 60 वर्षीय नागेंद्र मेहता का शुक्रवार की रात हृदय गति रुकने से निधन हो गया. पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि रात्रि 11 बजे अचानक उन्हें सांस फूलने और घबराहट होने पर तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. नागेंद्र मेहता के निधन की खबर मिलते ही पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव, सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, प्रखंड के सभी मुखिया, पंसस उनके सजवान स्थित आवास पहुंच कर उनका अंतिम दर्शन किया .

छतरपुर में ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग सेंटर खुलेगा

मेदिनीनगर। छतरपुर विधायक पुष्पा देवी के लगातार प्रयास ने रंग लाया है. छतरपुर में ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग सेंटर खोलने को लेकर झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने कार्य शुरू कर दिया है. इसे लेकर निगम ने कार्य की स्वीकृति देते हुए इसके निर्माण को लेकर पिछले दिनों निविदा प्रकाशित की है. प्रकाशित निविदा के अनुसार 1.79 करोड़ की लागत से आवंटित भूमि पर चारदिवारी समेत वर्कशॉप शेड, डीप बोर समेत अन्य कार्य कराए जाएंगे. इसे लेकर छतरपुर प्रखंड मुख्यालय के लोगों में खुशी देखी जा रही है.

रात के अंधेरे में हो रही लगातार मवेशियों की चोरी, नपं ने लोगों से खुले में मवेशी नहीं छोड़ने की अपील की

नगर पंचायत की बात नहीं मान रहे लोग, उठा रहे हैं नुकसान

आशीष टैगोर। लातेहार

नगर पंचायत के निर्देशों या बातों को नहीं मानना यहां के मवेशी पालकों के लिए नुकसानदेय साबित हो रहा है. नगर पंचायत के द्वारा लगातार माइकिंग कर लोगों को अपने गाय-बैल व अन्य मवेशियों को घरों में बांध कर रखने की हिदायत दी जाती है.

कई बार कार्रवाई भी की गयी है. सड़कों में लावारिश घुमते मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाउस ले जाया गया है, बावजूद इसके गौ वंशीय पशुपालकों पर इसका कोई असर दिखायी नहीं पड़ रहा है. रात में शहर की तकरीबन हर सड़क पर मवेशियों को बैठे देखा जा सकता है और इसी का लाभ मवेशी चोर उठा रहे हैं. शहर में इन दिनों मवेशी चोरी की घटनायें काफी बढ़ गयी है. हालांकि पुलिस के द्वारा रात में गश्त लगाने का दावा किया जाता रहा है.

लातेहार जिला मुख्यालय की सड़क पर विचरण करते मवेशी.

क्या कहते हैं अधिकारी

नगर प्रशासक राजीव रंजन ने कहा कि नगर पंचायत के द्वारा लगातार इसे ले कर माइकिंग करायी जाती है. गौपालकों को अपने मवेशियों को घरों में बांध कर रखने की हिदायत दी जाती है. सड़कों में मवेशियों के बैठे रहने से सड़क जाम की स्थिति होती है. इसके अलावा दुर्घटनाओं की भी आशंका बढ़ जाती है. दुर्घटना में मारे गये मवेशियों के शवों के निस्तारण में भी परेशानी होती है. वहीं सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने कहा कि रात में पुलिस के द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जाती है. लोग अपने मवेशियों को सड़कों को नहीं छोडें. उन्होने कहा कि पुलिस गंभीर है और कार्रवाई कर रही है.

शुक्रवार की रात हुई गाय की चोरी : बीती रात शहर के धर्मपुर मोड़ से दयाशंकर सिंह और तौफिद अंसारी की एक -एक गाय चोरी हो गई है. इससे पहले शहर के चटनाही मुहल्ला से श्याम सुंदर प्रसाद, धर्मपुर से बैजनाथ ठाकुर, बहेराटांड़ से गिरिवर यादव और कन्हाई पासवान, गुरुद्वारा रोड से प्रवीण दास और बबलू दास, ब्लॉक कॉलोनी से सुरेंद्र प्रसाद, बाईपास पुल से नागेंद्र प्रसाद के घर पास से, चंदनडीह में उरांव टोला से से गाय व बैलों की चोरी कर ली गयी है.

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

शव लेकर पहुंचे एंबुलेंस को चालक सहित ग्रामीणों ने रोका

संवाददाता । श्रामपुर (पलामू)

रेहला थाना क्षेत्र के केताता गांव की एक महिला की मौत प्रसव के दौरान मेदिनीनगर जिला अस्पताल में हो गया.शव लेकर गांव आए सरकारी एंबुलेंस को चालक सहित ग्रामीणों ने वापस जाने से रोक दिया.परिजनों का आरोप था कि चिकित्सक की लापरवाही से महिला की जान गई है.रेहला पुलिस के हस्तक्षेप पर एंबुलेंस शव को लेकर वापस मेदिनीनगर जिला अस्पताल गया.जहां मृतिका के शव का पोस्टमार्टम हुआ.मिली जानकारी के अनुसार केतात गांव निवासी पिंटू ठाकुर की पत्नी रीना देवी (25) को शुक्रवार को प्रसव पीड़ा के बाद मेदिनीनगर जिला अस्पताल ले जाया गया.चिकित्सकों द्वारा परिजनों को बताया गया कि रीना के शरीर में खून की कमी है.जिसके बाद रीना को एक यूनिट खून चढ़ाया गया.शाम आठ बजे ऑपरेशन के बाद रीना ने एक बच्ची को जन्म दिया.परिजनों के अनुसार रात बारह बजे के आसपास चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि रीना की मौत हो गई.परिजनों को रीना की मौत का कारण भी नहीं बताया गया.अहले सुबह चार बजे सरकारी एंबुलेंस से रीना के शव को जबरदस्ती केतात गांव भेजा दिया गया.शव लेकर आए एंबुलेंस को चालक सहित ग्रामीणों ने डिटेन कर दिया.ग्रामीणों का आरोप था कि चिकित्सक की लापरवाही से रीना की जान गई है.अस्पताल प्रबंधन द्वारा परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र भी नही दिया गया.अपना कमी व लापरवाही छुपाने के लिए शव को आनन फानन में घर भेज दिया गया.ग्रामीण शव का पोस्टमार्टम करने,दोषी चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्रवाई करने और परिजनों को दस लाख मुआवजा देने की मांग कर रहे थे.सूचना मिलने के बाद रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मृतिका के घर गए और ग्रामीणों को समझाया बुझाया.इसके बाद पुलिस शव को उसी एंबुलेंस से एमएमसीएच लेकर गई.लेकिन परिजनों और ग्रामीणों ने वहां के चिकित्सकों पर अविश्वास प्रकट किया,जिसके बाद सिविल सर्जन ने पोस्टमार्टम हेतु शव को रांची रिम्स भेज दिया.ग्रामीणों के विरोध का नेतृत्व पूर्व मुखिया रवि शंकर चौबे उर्फ सेठ चौबे ने किया.इधर घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी,वरीय भाजपा नेता टिकैत चौबे,झारखंड विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष विकास दुबे,अंजू अभिमन्यु टीम के मीडिया प्रभारी राहुल दुबे,कांग्रेस के प्रादेशिक नेता विजय चौबे,जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार चौबे, प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला, जेएमएम नेता संजय चौबे, अरविंद चौबे, नवीन चौबे, चंद्रप्रकाश चौबे, उदय दुबे सहित कई लोग मृतक के घर गए और परिजनों को ढांढस बंधाया. रेहला थाना क्षेत्र के केताता गांव की एक महिला की मौत प्रसव के दौरान मेदिनीनगर जिला अस्पताल में हो गया.शव लेकर गांव आए सरकारी एंबुलेंस को चालक सहित ग्रामीणों ने वापस जाने से रोक दिया.परिजनों का आरोप था कि चिकित्सक की लापरवाही से महिला की जान गई है.

रेहला पुलिस के हस्तक्षेप पर एंबुलेंस शव को लेकर वापस मेदिनीनगर जिला अस्पताल गया.जहां मृतिका के शव का पोस्टमार्टम हुआ.मिली जानकारी के अनुसार केतात गांव निवासी पिंटू ठाकुर की पत्नी रीना देवी (25) को शुक्रवार को प्रसव पीड़ा के बाद मेदिनीनगर जिला अस्पताल ले जाया गया.चिकित्सकों द्वारा परिजनों को बताया गया कि रीना के शरीर में खून की कमी है.जिसके बाद रीना को एक यूनिट खून चढ़ाया गया.शाम आठ बजे ऑपरेशन के बाद रीना ने एक बच्ची को जन्म दिया.परिजनों के अनुसार रात बारह बजे के आसपास चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि रीना की मौत हो गई.परिजनों को रीना की मौत का कारण भी नहीं बताया गया.अहले सुबह चार बजे सरकारी एंबुलेंस से रीना के शव को जबरदस्ती केतात गांव भेजा दिया गया.शव लेकर आए एंबुलेंस को चालक सहित ग्रामीणों ने डिटेन कर दिया.ग्रामीणों का आरोप था कि चिकित्सक की लापरवाही से रीना की जान गई है.अस्पताल प्रबंधन द्वारा परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र भी नही दिया गया.अपना कमी व लापरवाही छुपाने के लिए शव को आनन फानन में घर भेज दिया गया.ग्रामीण शव का पोस्टमार्टम करने,दोषी चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्रवाई करने और परिजनों को दस लाख मुआवजा देने की मांग कर रहे थे.सूचना मिलने के बाद रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मृतिका के घर गए और ग्रामीणों को समझाया बुझाया.इसके बाद पुलिस शव को उसी एंबुलेंस से एमएमसीएच लेकर गई.लेकिन परिजनों और ग्रामीणों ने वहां के चिकित्सकों पर अविश्वास प्रकट किया,जिसके बाद सिविल सर्जन ने पोस्टमार्टम हेतु शव को रांची रिम्स भेज दिया.

रोते विलखते परिजन.

खास बातें

- घंटो होता रहा हंगामा, परिजनों को रो -रो कर बुरा हाल
- रेहला पुलिस के हस्तक्षेप पर एंबुलेंस वापस गया

पलामू समाहरणालय में मनाया गया हिंदी दिवस

मेदिनीनगर। पलामू समाहरणालय में शनिवार को हिंदी दिवस मनाया गया. हिंदी दिवस पर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शब्बीर अहमद ने अपने कार्यालय सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया. इस दौरान वहां उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मियों ने सामूहिक रूप से हिंदी दिवस की प्रस्तावना का पाठ किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शब्बीर अहमद ने कहा कि हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा है. यह देश की विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का काम करती है. हिंदी भाषा भारत की समृद्ध व सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है. डीडीसी ने कहा कि हिंदी हमें हमारे विरासत की याद दिलाता है. भारत में हिंदी साहित्य का बहुत बड़ा योगदान है. प्राचीन काल से लेकर आधुनिक समय तक हिंदी साहित्य ने समाज को दिशा दी है. कबीर, तुलसीदास, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा और अन्य लेखकों और कवियों ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है. कार्यक्रम में सामान्य शाखा प्रभारी रश्मि रंजन ने हिंदी दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला.

समाज के धरोहरों को सम्मानित कर रही है भाजपा

मेदिनीनगर । पांकी विधायक डा शशिभूषण मेहता ने जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद जननायक कर्पूरी ठाकुर की स्मृति में पांकी डाक-बंगला परिसर में कर्पूरी भवन का शिलान्यास किया. विधायक ने कहा कि समाज के धरोहरों को सम्मानित करने का काम भाजपा कर रही है. भाजपा की सरकार ने ही जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किया. विधायक ने कहा शिकारी आयेगा जाल बिछायेगा. ऐसे शिकारियों से सावधान रहने की जरूरत है. मौके पर सुरेन्द्र सिंह, प्रो बच्चन ठाकुर, विजय ठाकुर, रंजय ठाकुर, कमलेश कुमार सिंह, लाला प्रसाद यादव, सुनील कुशवाहा, साधु मांझी, मंडल अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, श्यामनंदन ओझा, सुनील प्रसाद गुप्ता, जयकिशोर प्रसाद गुप्ता, कार्तिक सिंह आदि थे. पांकी विस क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड तरहसी के ग्राम कमलकेडिया गांव निवासी अनिल शर्मा, मुकेश राम, निरंजन शर्मा, कामदेव शर्मा, सरविनदर शर्मा, चंदन शर्मा, बिहारी शर्मा, दुर्गा शर्मा, लालेनदर शर्मा, उदय शर्मा, कृष्ण शर्मा इन सभी ने प्रखंड नीलांबर पितांबरपुर के मौर्या फार्म हाउस में उपस्थित हुए , और इन सभी ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और सभी को अंग वस्त्र देकर पांकी विधायक डा शशिभूषण मेहता ने स्वागत किया .

डुरूआ और चटनाही में दो दिनों से पेयजलापूर्ति ठप, लोग परेशान

लातेहार । नगर पंचायत क्षेत्र के डुरूआ व चटनाही इलाके में पिछले दो दिनों से पेयजल आपूर्ति सेवा ठप है. पेयजल आपूर्ति नहीं होने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इस संबंध में नगर पंचायत के कनीय अभियंता अमीत कुमार ने बताया कि डुरुआ क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के पास गेट वाल्व खराब हो गया है और इसकी मरम्मती का कार्य किया जा रहा है,

इस कारण डुरूआ व चटनाही में पेयजल आपूर्ति सेवा बाधित है. हालांकि इसके अलावा भी शहर के गुरुद्वारा रोड और बाइपास चौक में भी पेयजल आपूर्ति बाधित है. बता दें कि नगर पंचायत क्षेत्र में नगर विकास विभाग के कार्यकारी एजेंसी जूडको के द्वारा 32 करोड़ रुपये की लागत से शहरी जलापूर्ति योजना का क्रियान्वयन किया गया है.

इसके तहत तीन जलमीनार बनाये गये हैं और नगर पंचायत के सभी वार्डों में पाइप लाइन बिछाया गया है. यह योजना प्रारंभ से ही विवादों में रही है. योजना में अनियमितता का आरोप न सिर्फ स्थानीय लोग वरन नगर पंचायत के वार्ड पार्षदों ने भी लगाया था.

बाद में रांची की टीम ने योजना की जांच की थी. जांच में अधिकारियों ने व्यापक अनियमितता पायी थी. आये दिन शहर के किसी ने किसी इलाके में पाइप लाइन लीक होने एवं पेयजल आपूर्ति बाधित होने की खबरें प्रकाश में आती है.

करमा पूजा हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक पर्व है : विक्रम

मेदिनीनगर । पाटन-छत्तरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुष्पा देवी व पूर्व सांसद मनोज कुमार की अनुपस्थिति में उनके पुत्र विक्रम ने करमा पूजा के अवसर पर सिक्की कला गांव में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं के बीच साड़ी वितरण किया. विक्रम ने अपनी मां की ओर से महिलाओं को साड़ी भेंट करते हुए कहा कि करमा पूजा हमें प्रकृति से प्रेम और उसे संजोने का संदेश देती है. उन्होंने बताया कि उनकी मां पुष्पा देवी हमेशा समाज के हित और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत रहती हैं. विक्रम ने कहा कि यह वितरण केवल साड़ियों का नहीं, बल्कि समाज में सहयोग और समर्थन की भावना को प्रकट करने का एक छोटा सा प्रयास है.

तैयारी विश्वकर्मा पूजा को लेकर तैयारी में जुटे सभी पूजा कमेटी

विश्वकर्मा पूजा की तैयारी में जुटे सभी पूजा कमेटी

संवाददाता । बरवाडीह

लातेहार जिले के बरवाडीह में देव शिल्पी विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाया जाता है. अगर कहें के पूरे पलामू में सबसे बेहतर ढंग से विश्वकर्मा बरवाडीह में मनाया जाता है तो गलत नहीं होगा. रेलवे के सभी विभागों के द्वारा धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा किया जाता है. पूरे रेल क्षेत्र में साफ सफाई की कार्य लगभग पूरी कर ली गयी है. रेल के कई विभागों द्वारा आकर्षक पंडाल बनाया जा रहा है.रेलवे परिसरों को सजाया जा रहा है. रंगबिरंगी लाइट से पूरा क्षेत्र जगमगा रहा है. रनिंग स्टाफ के द्वारा बरवाडीह के बाबा चौक में विश्वकर्मा पूजा का भव्य व बेहद आकर्षक पूजा पंडाल बनाया जा रहा है. पंडाल कारीगर पूजा पंडाल को अंतिम रूप देने में लगे है.

17 सितंबर को क्यों मनाते हैं विश्वकर्मा पूजा : पंडित गिरधारी मिश्रा ने बताया कि हर साल 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जाती है. भगवान विश्वकर्मा का जन्म आश्विन कृष्ण पक्ष का प्रतिपदा तिथि को हुआ था. कुछ लोगों का मानना है कि भाद्रपद की अंतिम तिथि को भगवान विश्वकर्मा की पूजा के लिए सबसे अच्छा होता है. जन्म तिथि से अलग एक ऐसी मान्यता निकली जिसमें विश्वकर्मा पूजा को सूर्य के पारगमन के अनुसार तय किया गया. यह दिन बाद में सूर्य संक्रांति के दिन रूप में मनाया जाने लगा. यह लगभग हर साल 17 सितंबर को ही पड़ता है इसलिए इसी दिन पूजा-पाठ की जाने लगी.

विश्वकर्मा पूजा का शुभ मुहूर्त : पंडित मिश्रा ने बताया की हिंदू वैदिक पंचांग के अनुसार इस साल विश्वकर्मा पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह छह बजकर 7 मिनट से लेकर 11 बजकर 43 मिनट तक रहेगा. शुभ मुहूर्त में पूजा करने से भगवान विश्वकर्मा की विशेष कृपा प्राप्त होती है.

न्यूज अपडेट

झामुमो जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

गारू(लातेहार)। झामुमो लातेहार जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव अपने महुआडांड़ यात्रा के दौरान गारू प्रखंड के कोटाम मोड़ पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात किया. झामुमो प्रखंड अध्यक्ष तौकीर मियां ने बताया कि महुआडांड़ प्रखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है. टूर्नामेंट का उद्घाटन के लिए जिला अध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव व सचिव समसूल होदा अन्य जिला स्तरीय कमेटी के सदस्य महुआडांड़ जा रहे थे. इस क्रम में यहां झामुमो कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. कार्यकर्ताओं ने उन्हें कोटाम हाई स्कूल निर्माण समेत कई अन्य समस्याओं से अवगत कराया. मौके पर रुद मुखिया सह झामुमो नेता अजय टोप्पो, सरयू जिला परिषद सदस्य बुद्धेश्वर उरांव समेत अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित थे.

जर्जर पथ की मरम्मत कराने की मांग

लातेहार। जिला मुख्यालय के राजकीय पोलिटेक्निक संस्थान से भाया कूरा व इचाक जाने वाली पोचरा सड़क बिल्कुल जर्जर हो गयी है. ग्रामीण इसकी मरम्मति की मांग जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से की है. ग्रामीणों का कहना है कि यह एक अति महत्वपूर्ण सड़क है. इस सड़क से प्रति दिन सैकड़ों वाहन का परिचालन होता है. कूरा व इचाक ग्राम के लोग इस रास्ते से जिला मुख्यालय से आना जाना करते हैं, लेकिन सड़क जर्जर होने के कारण लोगों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. **क्या कहती है मुखिया :** इस संबंध में पूछे जाने पर इचाक पंचायत की मुखिया शशि कुजूर ने कहा कि यह सड़क बहुत ही व्यस्त और महत्वपूर्ण है. कई गांवों को जोड़ती है. उन्होने कहा कि इस सड़क को दुरूस्त कराने के लिए पत्राचार कर चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पायी है.

पलामू में सितंबर में समय से पहले मिलेगा राशन

मेदिनीनगर। पलामू के राशन कार्डधारियों के लिए खुशखबरी है. आगामी त्यौहार को देखते हुए कार्डधारियों को सितंबर महीने में समय से पहले राशन मिलेगा. इसको लेकर पलामू आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्को ने सभी एजेएम और एमओ के साथ बैठक की है. बैठक में सितंबर महीने का राशन पहले ही देने को कहा गया है. आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्को ने बताया कि सरकार के निर्देश पर त्यौहार को देखते हुए 13 सितंबर को एजेएम और एमओ के साथ बैठक की गयी थी. सभी को निर्देश दिया गया है कि जिस महीने का राशन है, उसी महीने में बांटा जाये. उन्होंने बताया कि त्यौहार को देखते हुए इस महीने समय से पहले राशन देने की पूरी प्रक्रिया की जा रही है. जल्द सभी कार्डधारियों को राशन मिल जायेगा. उन्होंने बताया कि एमओ को निर्देश दिया गया है कि जो राशन डीलर समय पर राशन नहीं देते हैं, उन पर जांच कर कार्रवाई करें.

संत मरियम में चला महिला सशक्तीकरण अभियान

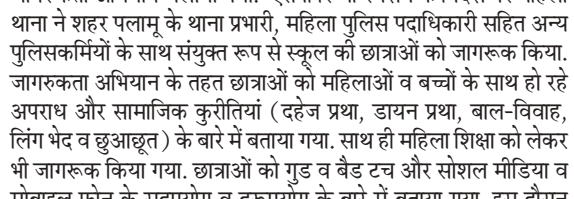

मेदिनीनगर। डालटनगंज स्थित संत मरियम स्कूल में महिला सशक्तिकरण जागरुकता अभियान चलाया गया. एसपी रिष्मा रमेशन के निर्देश पर महिला थाना ने शहर पलामू के थाना प्रभारी, महिला पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों के साथ संयुक्त रूप से स्कूल की छात्राओं को जागरूक किया. जागरुकता अभियान के तहत छात्राओं को महिलाओं व बच्चों के साथ हो रहे अपराध और सामाजिक कुरीतियां (दहेज प्रथा, डायन प्रथा, बाल-विवाह, लिंग भेद व छुआछूत) के बारे में बताया गया. साथ ही महिला शिक्षा को लेकर भी जागरूक किया गया. छात्राओं को गुड व बैड टच और सोशल मीडिया व मोबाइल फोन के सदुपयोग व दुरूपयोग के बारे में बताया गया. इस दौरान छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की महत्ता को भी समझाया गया.

प्रतुल ने विजय शंकर के परिजनों से मुलाकात की

लातेहार। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव शनिवार को भाजपा चंदवा मंडल उपाध्यक्ष आशीष सिंह के महुआमिलान स्थित आवासीय परिसर पहुंचे. उन्होंने सिंह के पिता विजय शंकर सिंह के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया. कहा कि विजय शंकर सिंह के आकस्मिक निधन पूरे क्षेत्र को अपूरणीय क्षति है. वे एक अग्रणी समाजसेवी थे और अत्यंत मिलनसार स्वभाव के थे. शाहदेव ने दिवगंत आत्मा को शांति के लिए ईश्वर से कामना की. मौके पर दीपक निषाद, कृष्णा कुमार, संतोष साहू, हरिवंश प्रजापति, संदीप अग्रवाल व विनय पाठक आदि भी उपस्थित थे.

District Health Society, Ranchi (Jharkhand)

Email id:- csofficeranchi@yahoo.com

Tender No. DHS/RAN/01/2024-25 ..... (DHS) Date: 12.09.2024

Very Short Tender Notification

Civil Surgeon-Cum-Chief Medical Officer, Ranchi invites separate Technical and price Bids (Two Bid System) through tender from the registered and eligible firms for Rate Contract of Sickle Cell Test Kit for All CHC & DH Ranchi District.

The Blank tender documents with detail conditions can be obtained from office & through website www.sadarhospital.com

Sl. No	Particulars	Details
1.	Name of the work	Rate contract for Supply of Sickle Cell Kit
2.	Date/Time of Start of Submission of Bids.	13.09.2024
3.	Last Date/time for receipt of bids	20.09.2024, 03:00 PM
4.	Bid Opening and submission of sample Date	21.09.2024 11:30 AM
5.	EMD in Favoring "DIST RURAL HEALTH SOCITY, RANCHI"	Rs. 25,000.00 (Twenty-five Thousand Only)
6.	Application Fee (Non-Refundable) in favoring "DIST RURAL HEALTH SOCITY, RANCHI	Rs. 500.00 (Five Hundred Only)
7.	Venue for Getting & Submission of tender Document	District Health Society, Civil Surgeon Office, Ranchi Pin code - 834001
8.	Contact Number	9470357559, 7319825488
9.	Affidavit, Tender Fee and EMD हाथों हाथ जमा करने की अंतिम तिथि	20.09.2024, 03:00 PM

Memo No. 1333 (DHS) Ranchi/ Dated 13.09.2024 Sd./- **Civil Surgeon cum CMO, Ranchi**

ब्रीफ खबरें

ठगी गिरोह को ग्रामीणों ने पकड़ पुलिस को सौंपा

धुरकी(गढ़वा)। प्रखंड अंतर्गत अंबाखोरेया गांव में फसल बीमा योजना एवं गैस सिलेंडर कनेक्शन करने के नाम पर गाजियाबाद के दो युवकों को फ्रॉड रूप से कार्य कर 15 से 20 लोगों से रुपए लिए तथा एक अनपढ़ महिला से 10000 रूपये अकाउंट के जरिए उड़ाया. जैसे ही इस बात की जानकारी ग्रामीणों को मिली वे फ्रॉड करने वाले गिरोह को पीछा करते हुए धुरकी रोड के शिवरी मोड़ से पकड़कर धुरकी थाना पुलिस को सौंपा.

सर्पदंश से अधेड़ की मौत,गांव में मातम

धुरकी(गढ़वा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत खाला गांव के सिधवादामर टोला निवासी 50 वर्षीय योगेंद्र कुशवाहा की मौत विषैले सर्प के काटने से हो गई. परिजनों के प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक योगेंद्र अपने घर के बगल में धान के खेत की ओर गए थे, जहां घास में छिपे विषैले सांप ने उसे काट लिया. काटने के बाद उसने अपने परिवार वालों की इसकी सूचना दी. जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए उत्तर प्रदेश के विंधमगंज ले जाने लगे. इसकी क्रम में उसकी मौत रास्ते में हो गई.

गीदड़ ने दो महिला समेत एक बच्चे को किया घायल

धुरकी(गढ़वा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत खाला गांव निवासी नसीम अंसारी के 45 वर्षीय पत्नी रवीना बीवी तथा स्व. अख्तर अंसारी के 42 वर्षीय पत्नी रवीना बीवी दोनों जंगल से मवेशी को लेकर लौट रहे थे, तभी अचानक पागल गीदड़ ने दोनों को काट दिया. काटने के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर दोनों को अस्पताल भेजा. उसी दिन एक और लाल मोहम्मद अंसारी के 12 वर्षीय पुत्र सिब्बतेन रजा जो मदरसे से पढ़कर लौट रहा था उसे भी पागल गीदड़ ने काट डाला. जहां सभी का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है.

कोलेबिरा में जन सुनवाई समाधान कार्यक्रम आयोजित

सिमडेगा। कोलेबिरा पंचायत भवन में सिमडेगा पुलिस द्वारा जन सुनवाई समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया. जहां अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कोलेबिरा के थाना प्रभारी के साथ मिलकर जनता की शिकायतों को सुना गया व उनसे आवेदन प्राप्त करते हुए पावती रसीद भी दिया गया. अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा प्राप्त आवदेन पर तुरंत कार्रवाई का भरोसा देते हुए थाना प्रभारी को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया.

गो तस्करी पर अविलंब लगे रोक लगे: मंगल

सिमडेगा। भाजपा किसान मोर्चा के प्रमंडलीय प्रभारी मंगल सिंह भोगता ने झारखंड छत्तीसगढ़ के सीमा सिमडेगा गुमला में हो रहे गोवंशीय पशु की हो रही तस्करी पर चिंता जताया है. भोगता ने इस क्षेत्र में गो तस्करी को बढ़ावा देने में हेमंत सोरेन सरकार पर तुष्टि करण का आरोप लगाया है. पशु तस्करी का वाहन दुर्घटना ग्रस्त होने पर जगजाहिर होता है कि इस क्षेत्र में पशु तस्करी का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है. थाना में वाहन जांच के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है. इससे स्पष्ट होता है कि पशु माफियाओं को शासन और प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है. गो तस्करी तत्काल बंद नहीं किया जाता है तो भाजपा किसान मोर्चा आंदोलन को बाध्य होगी.

सामूहिक भागीदारी से ही झारखंड की संस्कृति और पर्व को बचाये रखना संभव

पर्यावरण की रक्षा में आदिवासी समाज की भूमिका अहम : सुखदेव

- सरना समिति चान्हो ने सरना बाल विकास विद्यालय पोड़हा टोली में करमा पूजा का किया आयोजन
- करम का त्योहार समाज में आपसी भाईचारा और गहरा करता : शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददाता। लोहरदगा

सरना समिति चान्हो ने मांडर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सरना बाल विकास विद्यालय पोड़हा टोली में करम पूजा समारोह का भव्य आयोजन किया है. इस समारोह में लोहरदगा लोस से सांसद सुखदेव भगत बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की व पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने कार्यक्रम में शिरकत की. सरना समिति के लोगों ने सुखदेव भगत, शिल्पी नेहा तिर्की सहित अन्य अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया. सुखदेव भगत ने आदिवासियों के मसीहा स्वर्गीय कार्तिक उरांव की प्रतिमा में माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

सामूहिक भागीदारी से ही झारखंड की संस्कृति और पर्व को बचाये रखना संभव : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि करमा पर्व प्रकृति को बचाये रखने की सीख देता है. करमा पर्व भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक है. इस पर्व पर करम देव से बेहतर फसल के लिए प्रार्थना की जाती है. करमा पर्व संस्कृति एकता का प्रतीक है. आदिवासी समाज के लोग प्रकृति के पूजक हैं. प्रकृति से प्रेम करते हैं और पर्यावरण की रक्षा में हमारे आदिवासी समाज की भूमिका अहम होती है. झारखंड की संस्कृति और अपने पर्व को बचाये रखना हम सभी की जरुरत है. यह सामूहिक भागीदारी से ही संभव है. सांसद ने वहां उपस्थित सभी लोगों को करमा पर्व की बधाई दी. वहीं मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि करम का त्योहार प्रकृति को बचाये रखने की सीख देता है. इससे समाज में आपसी भाईचारा और गहरा होता है. मौके पर सांसद सुखदेव भगत व विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने खोड़हा दलों के साथ झूमर किया. मौके पर थाना प्रभारी चंदन कुमार गुप्ता, एतवा उरांव, शिव उरांव, महादेव भगत, सुमन उरांव, खुदी उरांव जयनाथ भगत, सुनीत मुंडा, शामको मुंडा, जीवनी उरांव, सरिता उरांव, प्रियंका उरांव, बिरसा उरांव, विकास उरांव, अजीत सिंह, तंबू उरांव, दुर्गा उरांव सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे.

एबीवीपी के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने थामा झामुमो का दमन

नवजवानों की जागरूकता से समाज को मिलती है नई दिशा : मिथिलेश

- विद्यार्थियों के भी सिर चढ़कर बोल रहा है मंत्री मिथिलेश का क्रेज
- 500 से अधिक लोग हुए शामिल

संवाददाता। गढ़वा

एबीवीपी के शामिल छात्र छात्रों के साथ मंत्री.

गढ़वा के छात्र-छात्राओं में भी राजनीतिक उबाल आ गया है. गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का क्रेज छात्र-छात्राओं के भी सर चढ़कर बोल रहा है. मंत्री श्री ठाकुर के कार्यों से प्रभावित होकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गढ़वा के 200 से अधिक छात्र, छात्राओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया. सभी ने मंत्री श्री ठाकुर के आवास पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. मंत्री ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहना कर एवं मिठाई खिला कर पार्टी में शामिल किया. इसके साथ ही रंका प्रखंड के शेराशाम, खपरो, राजहरा आदि गांव के 300 से अधिक महिला, पुरुषों ने भी मंत्री श्री ठाकुर के आवास पर झामुमो की सदस्यता ग्रहण की.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा के छात्र-छात्राओं एवं नव जवानों की जागरूकता से समाज को नई दिशा मिलती है. विद्यार्थी एवं नवयुवक जिस ओर चाहें उस ओर हवा का रुख मोड़ सकते हैं. उन्होंने कहा कि पूरे गढ़वा में शहरी क्षेत्र के साथ-साथ गढ़वा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है. गढ़वा में हो रहे ऐतिहासिक कार्यों से आमजन सहित यहां के विद्यार्थी भी काफी प्रभावित हैं. यही कारण है कि काफी संख्या में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र-छात्राओं ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. मंत्री ने सभी का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों से वादा किया कि वे गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर बनाएंगे. इसके लिए सभी विद्यार्थियों एवं आम जनों को एकजुट होकर सहयोग करने की जरूरत है. उनका प्रयास है कि किसी प्रकार के उच्च शिक्षा के लिए गढ़वा के विद्यार्थियों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़े. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय, प्रियम सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर सह मंत्री अनुपम कुमार, कार्यालय मंत्री पंकज कुमार, पूर्व नगर मंत्री विकास वर्मा, मेराल नगर मंत्री सरोजा, खुशबु, गढ़वा नगर मंत्री अखिल कुमार, आनंद कुमार, प्रेम कुमार, दीपु कुमार, अमित कुमार, जयराम राम, नजमुल अंसारी, संतू साव, प्रियांशु सोनी, राहुल शर्मा, रंका प्रखंड के शेरासाम से फुलवंती देवी, अनरवा देवी, सुनीता देवी, बिजली कुमारी, अनिता देवी, ब्रहमदेव पासवान, अर्जुन बैठा, अलकन भुईयां, कमलेश कुमार, अंकित कुमार आदि सहित 500 से अधिक लोगों का नाम शामिल है.

प्रवीण बने झामुमो युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष

मेदिनीनगर : श्रीश्री गणिनाथ गोबिंद जी महाराज का 40वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से टाउन हॉल में मनाया गया. समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तथा बच्चों के बीच खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिन्हें अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया. जिलाध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता उर्फ पिंटु ने कहा कि हलुवाई समाज जिला राज्य व देश में कहीं पिछे नहीं है. यदि उसे राजनीतिक रूप से पिछा देखा जाता है हमें लोग कमजोर न समझें. प्रदेश अध्यक्ष कुंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि हम सभी आपस में मजबूत रहने के साथ भी बिखरे हुए हैं.

चौकीदारी पद की लिखित परीक्षा 23 सितंबर को

गढ़वा। जिले में विगत जुलाई माह में चौकीदारी पद पर सीधी बहाली के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया था. जिसे निर्धारित तिथि तक जिला सामान्य शाखा कार्यालय में निबंधित डाक के माध्यम से भेजना अनिवार्य था. इसी के निमित्त गढ़वा जिले में चौकीदारी नियुक्ति के लिए आमंत्रित आवेदन पत्रों के स्कूटनी के उपरांत प्राप्त दावा-आपत्ति का निराकरण करते हुए लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश-पत्र अपलोड करने की तिथि 18 सितंबर तथा गढ़वा जिले के आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी. इसके उपरांत लिखित परीक्षा का आयोजन 23 सितंबर को पूर्वाह्न 07:30 से 08:30 तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जायेगा. ततपश्चात परीक्षाफल की घोषणा 24 सितंबर को किया जाएगा. वहीं शारिरिक माप/जांच की तिथि 25 तथा 26 सितंबर को तथा इससे संबंधित समय-सारणी की विवरणी जिले के आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी.

100 बोटा खैर की लकड़ी जब्त

छतरपुर/पलामू। वन विभाग द्वारा गुप्त सूचना के आधार खैर की लकड़ी जब्त किया गया है. रेंजर शंकर पासवान ने बताया कि छतरपुर के कोकोरो गांव में खैर के सौ बोटा लकड़ी रखा हुआ था, जिसे वनरक्षी प्रियदर्शी कुमार के साथ जाकर जब्त करते हुए कार्यालय में लाया गया है. उन्होंने बताया कि जब्त किए गए खैर का लकड़ी एक बोटा एक मीटर का है. इस दौरान 100 बोटा लकड़ी जप्त किया गया है.

हिंदी हमारी मातृभाषा के रूप में हमारे दिलों में बसी हुई है : डीसी

संगोष्ठी में शामिल डीसी व अन्य पदाधिकारी.

संवाददाता। गढ़वा

हिंदी दिवस पर समाहरणालय के सभाकक्ष में शनिवार को डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत डीसी सहित मंचासीन पदाधिकारियों ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस दौरान डीसी श्री जमुआर व एसपी दीपक पांडेय को बुके देकर स्वागत किया गया.

मौके पर डीसी श्री जमुआर ने कहा कि जिस प्रकार हम सब अपने-अपने विरासतों एवं संस्कृति को बचाकर रखना चाहते हैं, ठीक उसी प्रकार हमें अपने मातृभाषा हिंदी को भी संयोजित करने की आवश्यकता है. उन्होंने उपस्थित लोगों से हिंदी भाषा का व्यापक प्रचार प्रचार करने एवं अधिक से अधिक इसे बोलचाल के समय प्रयोग में लाने की बात कही. उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा प्राचीन काल से बोले जाने वाली भाषा है, जो पूर्व से लेकर आज तक समय अनुसार अपना अन्य भाषाओं के शब्दों को भी अपने में मिलाकर कुछ स्वरूप परिवर्तन करती है परंतु इसका मूल रूप बना रहता है. संविधान सभा द्वारा 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया.

पेशरार प्रखंड के जवाखाड़ में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

खिलाड़ियों की तरक्की के लिए हर वक्त खड़ा हूं : अनिल भगत

संवाददाता। पेशरार/लोहरदगा

प्रतियोगिता के समापन समारोह में खिलाड़ियों को संबोधित करते अनिल.

जिले के अति उग्रवाद प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत रोरद के ग्राम जवाखाड़ में जेएफसी जवाखाड़ के तत्वावधान में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ. प्रतियोगिता के ट्राफी पर जोगियारा की टीम ने कब्जा जमाया है. समापन समारोह के मुख्य अतिथि झापीपा के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष लोहरदगा के भावी प्रत्याशी अनिल कुमार भगत एवं विशिष्ट अतिथि पार्टी के झापीपु के जिलाध्यक्ष विपिन सिंह, पेशरार प्रखंड प्रभारी संजू सिंह, किस्को प्रखंड अध्यक्ष मनोज उरांव थे. आयोजन समिति ने अनिल कुमार भगत व अन्य अतिथियों का आदिवासी रीति-रिवाज से स्वागत किया. टूर्नामेंट पर कब्जा जमाने वाली बुढ़हा जारी जोगियारा उप विजेता बनी मैदान पाठ और तीसरे स्थान पर रही डीएफसी दशरा टोली व चौथे नंबर पर जगह बनाने वाली एमटी टोप्पो ब्रदर्स के अलावा छट्ठे स्थान तक पहुंचने वाली टीमों को मुख्य अतिथि अनिल कुमार भगत ने पुरस्कृत किया . इस अवसर पर अनिल भगत ने खिलाड़ियों एवं दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि लोहरदगा का यह पूरा क्षेत्र खेल का क्षेत्र है. यहां के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है,सिर्फ उनकी प्रतिभा को ईमानदारी से निखारने की जरूरत है और यह काम मैं करूंगा. उन्होंने कहा कि स्व कमल किशोर भगत का सपना था इस क्षेत्र को खेल हब के रूप में विकसित करना. विशिष्ट अतिथि विपिन सिंह ने कहा कि अनिल कुमार भगत के अंदर इनके बड़े भाई और पूर्व विधायक स्व कमल किशोर भगत के जैसा काम करने का जज्बा,स्पष्ट विजन और साफ सुथरी छवि है.

लापरवाही : तकरीबन छह लाख रुपये की लागत से बनाई जा रही प्रति जलमीनार में मानकों की अनदेखी

सरकारी संपत्ति फेंककर पीएचईडी ने जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ा

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

खरकी पंचायत के बानपुर में लावारिस हालत में पड़ा है सामग्री.

सरकार लोगों को पेयजल आपूर्ति हेतु गांव-गांव में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग के माध्यम से जलमीनार निर्माण कार्य कराए जाने हेतु करोड़ों रुपये प्रति माह खर्च कर रही है, लेकिन पेयजल विभाग की उदासीन रवैया से योजना का लाभ जनता को शत-प्रतिशत नहीं मिल पा रहा है. यहां पर बता दें कि लोहरदगा जिला अंतर्गत किस्को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत खरकी में लगभग 30 से 40 जलमीनार का निर्माण कार्य तकरीबन 6 लाख रुपये प्रति जलमीनार का निर्माण कार्य कराया गया है, उक्त जलमीनार निर्माण कार्य में सरकारी मानकों को दरकिनार करते हुए निर्माण कार्य को मूर्त रूप दिया जा रहा है. यहां पर खरकी पंचायत के बानपुर गांव में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग की ओर से गांव में जलमीनार निर्माण कराए जाने को लेकर सिंटेक्स व अन्य सामान को विगत जून महीने से गांव के बगल पर स्थित तालाब के पिंड के नीचे कचरा की तरह फेंक दिया है. जिससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि सरकारी संपत्ति को पेयजल विभाग सुरक्षित कर पाने में कितना सफल हुए हैं. आलम यह है कि इस बरसात के मौसम में जलमीनार निर्माण कार्य हेतु बानपुर गांव में जैसे-तैसे फेंका गया सिंटेक्स व अन्य सामान धीरे-धीरे खराब होने की स्थिति में आ पहुंचा है. बावजूद पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग के अधिकारियों और कर्मियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है.

विभागीय लापरवाही है : मुखिया चांदमनी

मामले को लेकर ग्राम पंचायत खरकी की मुखिया चांदमनी उरांव से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि पेयजल विभाग द्वारा टेंडर में जलमीनार निर्माण कार्य कराया जा रहा है, कई बार संवेदक और संबंधित विभागीय अधिकारियों को मेरे द्वारा निर्माण कार्य कराए जाने की बात कही गई है फिर भी इसपर कोई ध्यान नहीं दिया गया है जो विभागीय लापरवाही को दर्शाता है.

विभागीय लापरवाही को दर्शाता: जिप अध्यक्ष

जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी ने कहा कि यह बहुत बड़ी विडंबना है कि सरकार की संपत्ति को यूं ही फेंक दिया जाना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है, इस मामले को गंभीरता पूर्वक विचार किया जाएगा और उपायुक्त से बात की जाएगी.

बरसात के कारण काम में तेजी धीमी:कार्यपालक अभियंता

इस संदर्भ में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अनूप कुमार हांसदा से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि बरसात के वजह से योजना को धरातल पर उतारने में थोड़ी दिक्कत हुई है, कार्य में तेजी लाया जाएगा.

लोहरदगा में मनरेगा कर्मियों की बेमियादी हड़ताल 56वें दिन भी जारी

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा में बेमियादी हड़ताल पर बैठे मनरेगा कर्मी.

जिले में कार्यरत मनरेगा कर्मी संघ विगत 56 वां दिन से वेतनमान की मांग को लेकर बेमियादी हड़ताल पर बैठे हुए हैं. यहां पर समाहरणालय मैदान परिसर में जिलाध्यक्ष मंगलदास तिर्की की अगुवाई में मनरेगा कर्मियों का बेमियादी हड़ताल पर चले जाने से लोहरदगा जिला में संचालित केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के संचालन और निष्पादन में काफी प्रभाव पड़ रहा है. बता दें कि जिले में कार्यरत मनरेगा कर्मी संघ का सांकेतिक हड़ताल पर चले जाने से क्षेत्र में संचालित कूप निर्माण कार्य, डोभा निर्माण कार्य, बागवानी, टीसीबी, गाय और बकरी पालन सेड समेत विभिन्न प्रकार के विकास योजनाओं का संचालन में पूर्ण विराम लग गया है. इधर सांकेतिक हड़ताल पर बैठे लोहरदगा जिला के मनरेगा कर्मियों के द्वारा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि हमारी जायज मांगों पर यथाशीघ्र सकारात्मक विचार नहीं किया जाता है तो बाध्य होकर बेमियादी हड़ताल की रूप-रेखा को और बड़ा स्वरूप देने का कार्य किया जाएगा, जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार की होगी, मौके पर रघुनाथ मुंडा, तौसीफ इस्लाम, सुदर्शन लकड़ा, मृणाल कुमार, निलेंद्र कुमार, अभिषेक कुमार, शम्श तबरेज, दीपक कुमार, विनोद कुमार, जमशेद अंसारी, सांता कुमारी, सुनीता कुमारी समेत बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मी मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

लोहरदगा के खिलाड़ियों में खेलने की ललक: अभिनव सिद्धार्थ

कुड़ू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगी के मसियातु गांव में तीन दिवसीय से खेली जा रही फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य तरीके से समापन किया गया. उक्त प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह उड़ीसा प्रभारी अभिनव सिद्धार्थ भगत एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर ग्राम पंचायत सलगी की मुखिया सुमित्रा देवी मुख्य रूप से उपस्थित थे. इस बीच बतौर मुख्य अतिथि युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह ओडिशा प्रभारी अभिनव सिद्धार्थ भगत व अन्य अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से बैच पहनाकर और गुलदस्ता और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने भाग लिया था.

ऐतिहासिक तरीके से मनाया जाएगा दुर्गा पूजा: विद्यार्थी

कैरो/लोहरदगा। कैरो दुर्गा बाड़ी में मां अम्बे दुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई. बैठक में आगामी दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर नई समिति का गठन किया गया. जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष शरत कुमार विद्यार्थी को चुना गया. उपाध्यक्ष मनोज पाण्डेय, बुधवा उरांव, संजय महतो चुने गए. महासचिव शंभू प्रसाद सोनी सह सचिव रिंकु प्रसाद, अंकित साहु बनाए गए.कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद , सह कोषाध्यक्ष राज साहू, गौतम साहु बने मीडिया प्रभारी रामप्रसाद पाल, बाबूलाल उरांव बने. पूजा प्रभारी ओम साहू सह पूजा प्रभारी संजय साहू चुने गए.

बिमरला में स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

लोहरदगा। भारतीय खान ब्यूरो रांची प्रक्षेत्र भारत सरकार के दिशा निर्देश पर मिनरल्स एंड मिनरल्स लिमिटेड द्वारा संचालित बिमरला बॉक्साइट माइन्स में स्वच्छता शपथ एवं रैली कार्यक्रम का आयोजन सहायक महा प्रबंधक किरण शंकर सिंह की अगुवाई में आयोजित किया गया. मौके पर किरण शंकर सिंह ने कहा कि हमें अपनी सोच और व्यवहार में लाने की जरूरत है. स्वच्छता सभी के लिए बेहद जरूरी है. उन्होंने स्वच्छता के मूल को भी विस्तार पूर्वक जानकारी सबों को दी.कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक चंद्रकांत दुबे ने स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता थीम पर अपने विचार दिए.

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व करमा हर्षोल्लास संपन्न

लातेहार। भाई-बहन के अटूट प्रेम और प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास मनाया गया. शहर के श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर के अलावा गुरूद्वारा रोड, जुबली चौक, बानपुर, डुरूआ, करकट,चंदनडीह समेत विभिन्न इलाकों में सामुहिक रूप से करमा का पर्व मनाया गया. बहनों ने उपवास रख अपनी सुविधानुसार घरों, मंदिरों में करम डाल स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की. इसके अलावा सदर प्रखंड के उदयपुरा, जंगलदगा, सबानो, खेरातोली, पेसरा, जड़यांगा, लूटी, कैमा, हुंटार, निंदिर, भूसूर, ललमटिया, दुगिला,धनकारा सहित कई स्थानों पर अखड़ा की विशेष साज-सज्जा की गई है. इन क्षेत्रों में भी कुंआरी कन्याओं ने निर्जला उपवास कर रख कर करम देव की पूजा अर्चना की और अपने भाईयों की सुख-समृद्धि की कामना की.

महिला थाना प्रभारी ने चलाई बेटी पढ़ाओ,बेटी बचाओ अभियान

हुसैनाबाद(पलामू)। महिला एवं बाल संरक्षण थाना प्रभारी सह पु०अ०नि० पार्वती कुमारी ने महिला स्वेम सहायता समूह के सखियों के साथ मिल कर राज्यकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुलहर में बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान चलाया इस दौरान पार्वती ने महिलाओं के सुरक्षा सम्बंधित कई टिप्स दी,एवं समाज में महिलाओं के शिक्षा पर बल दिया उन्होंने कहा कि आज के समय मे बेटियां हर क्षेत्र में अपनी कौशल और योग्यता की परचम लहरा रहीं हैं, बस जरूरत है समाज के नजरिया बदलने की,उन्होंने बाल विवाह, भ्रूण हत्या ,तथा महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी सजा दिलाने की बात कही साथ बच्चियों को उन्होंने पुलिस के द्वरा 112 डायल करने की सुझाव दिया ,वहीं उन्होंने सखी सहेलियों की टीम को घरेलू हिंसा,डायन बिसाही, पर विशेष जानकारी दिया और ऐसा करने वालों के ख़िलाफ़ स्थानीय पुलिस को सूचना देने की बात कही.मौके पर सहायक अवर निरीक्षक अनिल कुमार व महिला कांस्टेबल काजल कुमारी समेत दर्जनो महिला व स्कूली छात्राएं मौजूद थी.

चिराग पासवान 23 को आयेंगे लातेहार में

लातेहार। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने बताया कि आगामी 23 सितंबर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान लातेहार के पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेगें. श्री पासवान अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस को संबोधित कर रहे थे. राजेंद्र पासवान ने कहा कि आज बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बन चुकी है. युवा इससे काफी प्रभावित हो रहे हैं. लातेहार जिला में भी बेरोजगारी चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है. काम के तलाश में लोग यहां से पलायन कर रहे हैं. इसके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है. लोक जनशक्ति पार्टी इस दिशा में काम कर रही है. श्री पासवान ने आगामी 23 सितंबर के उक्त कार्यक्रम में भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील पार्टी कके नेता व कार्यकर्ताओं से की है.

"यह चावल भी एक मुसीबत है. इन दिनों चावल का दाम बढ़ता ही जा रहा है.. बाजार के इस भाव को जैसे पंख लग गये हैं. वह ऊंचे-से-ऊंचे उड़ता जा रहा है. गिद्ध की तरह बाजार भाव आसमान की ऊंचाई को नाप रहा है. जनता है, वह दिन-दिन पाताल की ओर गहराई को नापती जा रही है. -राधाकृष्ण (कहानी 'मूल्य' से)"

शुभम संदेश
रांची, रविवार 15 सितंबर, 2024 |08

जयंती (18 सितंबर) पर विशेष

राधाकृष्ण - कलम की कलायात्रा के हमवतन

आनन्द
सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड, रांची

आजादी मिलने के बाद की संभावनाओं की चिंता हमारे राष्ट्रनिर्माताओं को थी. यहां की भाषा विविधता, सांस्कृतिक बहुलता, धार्मिकता के बीच अनेकता में एकता और आजादी के आंदोलन की पंथनिरपेक्षता को बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती थी. इसी परिप्रेक्ष्य में हम राधाकृष्ण की भूमिका का मूल्यांकन करते हैं. 1940 के रामगढ कांग्रेस के जनसम्पर्क प्रभारी से लेकर आजादी की लड़ाई के प्रकाशनों, भारत छोडो आन्दोलन की पृष्ठभूमि में नाटकों का लेखन-निर्देशन और सार्वजनिक मंचन से लेकर साहित्यिक रचनाकर्म के साथ-साथ 1947 से लेकर 1970 तक जनसम्पर्क विभाग की पत्रिका 'आदिवासी साप्ताहिक' का संपादन, 1954 से 1957 तक आकाशवाणी के ड्रामा प्रोड्यूसर के अलावे वृत्तचित्रों के स्क्रिप्ट लेखन से लेकर जनजागृति के लिए फिल्म विधा के पहले प्रयोगधर्मी के रूप में राधा कृष्ण की यात्रा को पाथेय की संज्ञा दी जानी चाहिए.

• आजादी के लिए उठाई आवाज

राधाकृष्ण मात्र लेखनी और कलमकारी तक ही सीमित नहीं रहे, कला के उत्स और कला माध्यमों के समेकित प्रभाव का प्रयोग जनमाध्यम के रूप में कर उन्होंने यह नजीर ज़माने को दिया कि ललित कला, चाछुष कला और कलम के मेल से जो आग पैदा होती है, वह बुझाये नहीं बुझती. रामगढ़ कांग्रेस के दिनों में ही राष्ट्रीय स्वाभिमान जागृत करने के उद्देश्य से उनकी लिखी किताब 'बिहार के चित्रित गौरव' काफी चर्चित रही. इसका प्रकाशन लहेरियासराय के 'पुस्तक भंडार' से हुआ था. राधाकृष्णजी की ही देख-रेख में रामगढ़ कांग्रेस की 'स्मारिका' प्रकाशित हुई थी. 1923 में काशी नागरी प्रचारणी सभा ने पूरी हिंदी पट्टी में गठित 'भारती-मंडल' द्वारा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र लिखित 'भारत-दुर्दशा' के सभी जगहों पर मंचन का आह्वान किया था. 'भारत-दुर्दशा' के मंचन का यह प्रभाव था कि मुंगेर के खडगपुर में इसके लिए डॉ. श्रीकृष्ण सिंह को ब्रिटिश हुकूमत ने गिरफ्तार कर सजा दी. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रेरणा और उपेन्द्र महारथी, दीनानाथ वर्मा तथा रामवृक्ष बेनीपुरी के सहयोग से राधाकृष्ण ने भी अपनी लेखनी के साथ-साथ नाटकों का लेखन और सार्वजनिक मंचन द्वारा आमजनों को जागृत करने और आजादी के आंदोलन से जोड़ने का हरसंभव प्रयत्न किया.

राधाकृष्ण को भी शुरू से ही नाटकों का शौक था. वे नाटकों में पार्ट भी करते थे, नाटक लिखते भी थे और जनसहयोग से उनका मंचन भी कराते थे. 1942 के 'भारत छोड़ो आन्दोलन' के दौरान उन्होंने एक रंगमंचीय नाटक 'भारत-छोड़ो' लिखा था. वे उसके मंचन की तैयारियों में लगे थे, पर अंग्रेजी हुकूमत ने ऐनवक्त पर नाटक पर प्रतिबन्ध लगा दिया. इस वजह से 'भारत-छोड़ो' नाटक को रांची का रंगमंच नसीब नहीं हो सका. अलबत्ता राधाकृष्णजी को गिरफ्तारी के भय से फरार होना पड़ा, उनके घर को कुर्क किये जाने के हुक्मनामे के बाद नीलामी पर चढा दिया गया. कोर्ट-कचहरी के लंबे चक्कर के बाद 1946 में 'भारत-छोड़ो' नाटक का मंचन संभव हो सका. उसी साल यह नाटक 'पुस्तक-भंडार' से प्रकाशित भी हुआ.

• आजादी के बाद नवनिर्माण में सहयोग

'आदिवासी साप्ताहिक' के सम्पादन के दौरान राधाकृष्ण ने छोटानागपुर क्षेत्र में लेखकों की एक पीढ़ी तैयार की. देश को आज़ादी मिलने के बाद इसे एकसूत्र में पिरोये रखने, जनजातीय भाषाओं के देशज साहित्य को हिंदी की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ नवनिर्माण का बेहतर माहौल बनाने और उसमें सबों की भागीदारी के उद्देश्य से ही इस पत्रिका का प्रकाशन रांची से शुरू किया गया था. राधाकृष्ण ने इस पत्रिका के जरिये नवजागरण के इस प्रयास को बखूबी अंजाम देने की कोशिश की. उन्होंने विकास और सामाजिक चेतना के लिए रेडियो-नाटकों की रचनाएं की. इस विधा को भी भारत के हिंदी क्षेत्रों में लोकप्रिय बनाने का श्रेय उन्हें मिलना चाहिए. वैसे राधाकृष्ण की कहानियों में हम आजादी मिलने के बाद की उपजी सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और राजनैतिक परिस्थितियों को विद्रूपताओं के तौर पर चित्रित पाते हैं. उनके व्यंग्य तत्कालीन स्थितियों के प्रति खबरदार करते मालूम होते हैं. राधाकृष्ण जानते थे कि आज़ादी मिलने के साथ जगी आशायें धूमिल हो रही थीं. राजनैतिक दलों के क्षुद्र स्वार्थों, आपसी प्रपंचों के साथ राधाकृष्ण आम जनता की संवेदनहीनता पर भी करारे व्यंग्य चस्पां करते हैं. ऐसी परिस्थिति में भी वे नाटकों, रेडियो-नाटकों/रूपकों और सिनेमा के माध्यम से आम अवाम को जागृत करते दिखाई देते हैं गोया...बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जायेगी.....'

रामगढ़ कांग्रेस के समय फिल्मांकन के लिए मद्रास की'डॉक्युमेंटरी फिल्म्स लि.' के मैनेजिंग डाइरेक्टर ऐ.के.चेट्टियार रांची आये थे. गांधीजी पर उन्हें एक डॉक्युमेंटरी बनानी थी. गांधीजी पर आधारित इस डॉक्युमेंटरी को चेट्टीयार ने 21 भाषाओं में बनाया. हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओँ में 3000 फुट लेंथ की फिल्म बनी, जबकि इस फिल्म का यूरोपियन वर्सन 12000 फुट लेंथ का बना. गांधीजी को केन्द्रित कर बनी इस डॉक्युमेंटरी का ओपनिंग शो चेट्टीयार अमरीकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट के समक्ष वाशिंगटन में होना था. बतौर रामगढ़ कांग्रेस के जनसम्पर्क प्रभारी राधाकृष्ण ने इस फिल्म के फिल्मांकन में सहयोग किया. साथ ही इसकी हिंदी स्क्रिप्ट तैयार करने में मुख्य भूमिका निभाई. इससे पहले से ही वे मुम्बईया फिल्म जगत से जुड़े थे. वे 1938 में ही मुम्बई के 'सागर मूवीटोन' से जुडकर स्क्रिप्ट लेखन करने लगे थे. 'सागर मूवीटोन' रामानंद सागर के पिता मोती सागर की फिल्म कंपनी थी.

1947 में स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद अंतरिम सरकार का गठन हुआ. डॉ. श्रीकृष्ण सिंह मुख्यमंत्री(तब बिहार के मुख्यमंत्री प्रधानमन्त्री कहे जाते थे) बने, आचार्य बदरीनाथ वर्मा को गृह(राजनीति) विभाग(अब का जनसम्पर्क विभाग) की जिम्मेवारी दी गयी. तात्कालिक समस्याओं के साथ-साथ नवनिर्माण में सबकी भागीदारी और सबको साथ लेकर चलना राज्य के नेतृत्व के लिए चुनौतीपूर्ण था.ऐसी परिस्थितियों में राज्य सरकार ने रामधारीसिंह 'दिनकर', रामवृक्ष 'बेनीपुरी', राधाकृष्ण, उपेन्द्र 'महारथी' सहित लेखकों, बुद्धिजीवियों की सेवाओं के सार्थक उपयोग का निर्णय लिया. गृह(राजनीति) विभाग का नाम बदलकर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग किया गया. सम्भवतः लोक-कल्याणकारी राज्य के परिप्रेक्ष्य में लोक-सम्पर्क की नयी अवधारणा का यह सफल प्रयोग साबित हुआ, जिस पर विस्तृत शोध की गुंजाइश है. पटना से "बिहार-समाचार' एकसाथ हिंदी, उर्दू और अंग्रेज़ी में प्रकाशित होने लगा था. दुमका से संताली भाषा में "होड़-सोम्वाद" और रांची से "आदिवासी साप्ताहिक" छपने लगा, जिसके सम्पादक राधाकृष्ण बनाये गए. जनमाध्यमों के प्रभाव से नवनिर्माण का माहौल तैयार करने के लिए जनसम्पर्क विभाग में बाकायदा फिल्म और गीत-नाटक के प्रभाग स्थापित किये गए. राधाकृष्ण लगातार विभागीय गीत-नाटक प्रभाग के लिए नाटक लिखते रहे. इस दौरान आकाशवाणी के लिए रेडियो-नाटक लिखने का दौर जारी रहा. रेडियो नाटकों के क्षेत्र में राधाकृष्ण के योगदान पर भी विस्तृत शोध और मूल्यांकन की गुंजाइश है.

पचास के दशक में हिंदी के जानेमाने लेखकों की टीम बतौर ड्रामा प्रोड्यूसर आकाशवाणी से जुड़ती है; इसमें अमृतलाल नागर, इलाचन्द्र जोशी, सुमित्रानंदन पन्त, भगवतीचरण वर्मा, राधाकृष्ण जैसे लोग शामिल रहे. उन दिनों स्वस्थ सुरुचिपूर्ण मनोरंजन के साथ-साथ राष्ट्रनिर्माण के वृहत्तर उद्देश्यों के निमित्त मूर्धन्य लेखकों की सेवाओं का बेहतर उपयोग राष्ट्रीय प्रसारणों में किस तरह से किया गया, इसके नए सिरे से मूल्यांकन किया जाय तो निश्चित ही हमें राधाकृष्ण की उस छवि को देखने का मौका मिलेगा, जिसने भारत में हिन्दी रेडियो-नाटकों की विधा को शुरुआत के दौर में एक लोकग्राह्य माध्यम के रूप में स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई.

जागरूकता के लिए प्रतिबद्ध

राधाकृष्ण की कहानी 'दिमाग' में डॉक्टर ने मरीज का दिमाग निकालकर जार में रख छोड़ा था, बाद में याद आने पर उसे फिर से खोपड़ी में फिट करना चाहता था. मरीज डॉक्टर से कहता है- 'मुझे अब दिमाग की जरूरत नहीं. मैं सरकारी नौकरी में हूं'. जी हां! राधाकृष्ण भी सरकारी सेवा में थे, मगर उन्होंने अपने दिमाग का बेहतर इस्तेमाल सरकारी तरीके से किया. सिनेमा और नाटकों के माध्यम से उन्होंने आम आदमी को अपने तई जागरूक करने की कोशिश की और इसमें वे काफी हद तक सफल भी रहे. एक आम आदमी की जुबान बनकर उन्होंने बड़े तल्ख व्यंग्य लिखे. इसके लिये विविध शिल्पों का प्रयोग उनकी खासियत है. राधाकृष्ण अपने भोले-भाले शब्दों को बगैर किसी बनावटी आवरण के आम लोगों के वाकिये की तरह इस्तेमाल करते हैं. सरकारी फिल्मों-नाटकों, लेखों और गीतों के माध्यम से वे लोगों तक उनके फायदे पहुंचाने वाले हरकारे दिखते हैं, वहीँ उनकी कलम दूसरी ओर स्वछन्द रूप से बड़े-बड़ों का पर्दाफाश करती है. बेलौस और बेख़ौफ़ नजरिया वाले राधाकृष्ण ने आज़ादी की लड़ाई अपने तरीके से लड़ी. गंगाशरण सिंह के साथ क्रान्तिकारी साथियों को रांची में हथियार थमाने, पति-पत्नी के द्वारा क्रन्तिकारियों को पनाह देने से लेकर क्रान्तिकारी लेखन तक का काम करने का सबब उनमें रहा.

सिनेमा का सार्थक प्रयोग

राधाकृष्ण वे पहले व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने तत्कालीन बिहार सूबे में सशक्त जनमाध्यम के रूप में सिनेमा का प्रयोग किया. आज़ादी के बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री आचार्य बदरीनाथ वर्मा से राधाकृष्ण ने जनजागरण के लिए सिनेमा के माध्यम के प्रयोग का अनुरोध किया. तब राज्य सरकार की माली हालत ठीक नहीं थी. फिर भी राधाकृष्ण के सुझावों पर अमल किये जाने का फैसला हुआ. राधाकृष्ण को सरकार के जनसम्पर्क विभाग के लिए फिल्में बनवाने का जिम्मा दिया गया. राधाकृष्ण कोलकाता जाकर फिल्में बनाने वाली कम्पनियों से बात करते हैं. कोलकाता की ओउरोरा फिल्म कंपनी के साथ जनसंपर्क विभाग का डॉक्युमेंटरी फिल्म बनवाने के लिए बात बन जाती है. राधाकृष्ण इसकी पटकथा लिखते हैं. इसका शीर्षक दिया जाता है, 'आदिवासियों का जीवन स्रोत'. इस डॉक्युमेंटरी फिल्म के निर्देशक हैं मशहूर फ़िल्मकार ऋत्विक घटक. सिनेमा के इतिहास का अवलोकन करने से पता चलता है कि 'आदिवासियों का जीवन स्रोत' ऋत्विक घटक की पहली फिल्म है. अपनी आर्थिक मजबूरियों के कारण ऋत्विक घटक ने ओउरोरा फिल्म्स के लिए इस फिल्म को बनाना शायद स्वीकार किया था. इसके तुरंत बाद ही ऋत्विक घटक ने जनसम्पर्क विभाग के लिए दूसरी डॉक्युमेंटरी बनायी, जिसका शीर्षक था- 'बिहार के दर्शनीय स्थल'. इस फिल्म की शूटिंग राजगीर, नालंदा, विक्रमशिला, पटना, वैशाली, बोधगया, रांची सहित कई जगहों पर हुई थी. इसकी भी स्क्रिप्ट राधाकृष्ण ने ही लिखी, जिसे बाद में पटना से प्रकाशित हरिजन सेवक संघ की पत्रिका 'अमृत' के जून 1955के अंक में प्रकाशित किया गया. फिल्मों को लेकर ऋत्विक घटक के छोटानागपुर के जनजातीय क्षेत्रों से जुड़ाव का यह पहला उदाहरण है. बाद में ऋत्विक घटक ने अपनी फिल्म 'अजांत्रिक', 'सुवर्णरेखा', कोमल गंधार' का फिल्मांकन भी छोटानागपुर के जनजातीय इलाकों में किया. 'अजान्त्रिक' फिल्म का फलसफा पूरे विश्व-सिनेमा के लिए एक धरोहर है. इस फलसफे की पूरी पृष्ठभूमि 'आदिवासियों का जीवन स्रोत' की शूटिंग के दौरान ही बनी. ऋत्विक घटक ने अपने संस्मरणों, पत्रों में इसका उल्लेख भी किया है. इसके निर्माण में राधाकृष्ण की बतौर स्क्रिप्ट-राइटर अहम भूमिका रही. बाद में राधाकृष्ण इन डॉक्युमेंटरी फ़िल्मों को अंगरेजी में डब कराने के लिए भी प्रयासरत रहे. रांची में ही रह रहे फिल्मकार हेमेन गांगुली को उन्होंने इन फिल्मों के प्रिंट्स हासिल कराये. अफ़सोस कि हेमेन गांगुली इसकी डबिंग नहीं करा सके और उनके परिवार के लोग भी उन प्रिंटों को संभाल कर नहीं रख सके. आज उन दोनों डॉक्युमेंटरी फ़िल्मों के प्रिंट उपलब्ध नहीं हैं. बाद में जनसम्पर्क विभाग में स्टीनबेक एडिटिंग मशीन लगी और स्वतंत्र रूप से फिल्में बनाई जाने लगीं. इस दौर में राधाकृष्ण ने कई फिल्मों की पटकथा लिखी, जिनपर फ़िल्में बनीं. 'कल जो अछूत थे', 'अधिक अन्न उपजाओ', 'पाताल का मोती', 'मिटटी का सिंगार', 'महाकवि कालिदास', 'जंगल के पंछी', 'पाटलिपुत्र', 'नयी नगरिया', 'राधा का गांव' जैसी उनकी कई पटकथाएं विभिन्न जगहों से प्रकाशित भी हुईं, जिनपर विभाग ने फिल्में बनाई. बिहार-झारखण्ड के गांव-गवईं इलाकों में मोटर-सिनेमा के रुपहले परदों पर ये फिल्में खूब दिखाई गयीं और लोकप्रिय भी हुईं. ग्रामीण इलाकों में आज भी बड़े-बुजुर्गों को ये फिल्में याद हैं. राधाकृष्ण के उपन्यासों और कहानियों पर बम्बइया फिल्में भी बनीं. भले ही उसका क्रेडिट उन्हें नहीं मिल पाया.

चित्रकूट महिमा : सती अनुसूया आश्रम की पावनता

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

चित्रकूट के अनेक दर्शनीय स्थलों में एक है सती अनुसूया का पवित्र आश्रम, जो चित्रकूट के रामघाट से दक्षिण की ओर 10 किलोमीटर पर पावन और प्रकृति की गोद में अवस्थित है. यहां जाने के लिए बस, टेम्पो एवं टैक्सी की सेवाएं उपलब्ध हैं. यह आश्रम अति पावन और प्रकृति की गोद में अवस्थित है. मंदाकिनी नदी के उद्गम स्थल के पास स्थित यह आश्रम चित्रकूट की पहाड़ियों में बसा है, चारों ओर से हरे भरे स्थानों से घिरा हुआ है. यहां पर्याप्त खुला स्थान है, जो इसे ध्यान और परावर्तन के लिए आदर्श स्थल बनाता है. ऐसा माना जाता है कि ऋषि अत्रि ने अपनी पत्नी अनुसूया के साथ यहां ध्यान किया था. इसका स्थान के पवित्र रास्ते और आंगन में शांति का वातावरण बना रहता है, भक्त बिना परेशान हुए शांत वातावरण का आनंद ले सकते हैं और प्रार्थना कर सकते हैं.

आश्रम के अंदर रथ पर सवार भगवान कृष्ण की एक बड़ी प्रतिमा है, जिसके पीछे अर्जुन बैठे हुए हैं. आगे सुंदर कलाकृतियों के साथ और भी मूर्तियां देख सकते हैं, जो पवित्र दर्शन के लिए रखी गई हैं. किंवदंती है कि अपने निर्वासन के दौरान भगवान राम और देवी सीता इस आश्रम में भक्त सती अनुसूया से मिलने आए थे, जिन्होंने सतीत्व के बारे में सीता को ज्ञान दिया था. वाल्मीकि द्वारा लिखी गई एक अन्य कथा में कहा गया है कि एक बार 10 साल तक चित्रकूट में बारिश नहीं हुई थी और इसके लोग गंभीर अकाल से पीड़ित थे, उनके पास खाने या पीने के लिए कुछ भी नहीं बचा था. यह सती अनुसूइया की भक्ति ही थी जिसने मंदाकिनी को पृथ्वी पर ला दिया, इस शहर को फिर से जल से भर दिया और वनस्पतियों और जीवों को एक बार फिर पनपने का अवसर दिया.

यह इस क्षेत्र के सबसे पवित्र स्थानों में से एक है और इसे रचित्रकूट चार धामरू का एक हिस्सा माना जाता है. इस स्थान का नाम इस तथ्य से पड़ा है कि यह महर्षि अत्रि और उनकी पत्नी महासती अनसूया का आश्रम था. उन्हें अपने भक्त, शुद्ध और पवित्र चरित्र के कारण हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथों में महासतियों में से एक माना जाता है. आश्रम खुद ही चारों तरफ से घनी वनस्पतियों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है. यह इसे शांति और स्थिरता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, आध्यात्मिक आभा का तो कहना ही क्या, जिसके लिए यह प्रसिद्ध है. महासती अनसूया को उनके पति महर्षि अत्रि और उनके पुत्र दत्तात्रेय के साथ समर्पित एक विशाल मंदिर है. मंदिर के अंदर तीन महान आत्माओं की मूर्तियों के अलावा, सती के जीवन से जुड़े चित्रण हैं जो इसे एक सौंदर्यपूर्ण अपील देते हैं. इसके अलावा, भगवान कृष्ण की एक मूर्ति भी है जिसमें वे रथ पर सवार हैं और उनके पीछे अर्जुन बैठे हैं. महिलाओं को अक्सर मंदिर की परिक्रमा करते और सभी समय की सबसे शुद्ध आत्मा-महासती अनसूया को अपना सम्मान देते हुए देखा जा सकता है.

आज भी यहां पर्वत श्रेणी के गर्भ से अनेक जल स्रोत निर्झरित होते रहते हैं, जो एक कुण्ड में विलीन होकर आगे मंदाकिनी नदी के रूप में प्रवाहित होते हैं. भगवान राम अपनी भार्या सीता के साथ यहां अत्रि-अनुसूया के दर्शन के लिए आये थे. तब अनुसूया जी ने सीता को पातिव्रत धर्म और सतीत्व का महत्व बताया था. सीता जी नारी धर्म के उपदेश को सुनकर परम प्रसन्न हुईं-

सुनि जानकी परम सुख पावा.
सादर तासु चरन सिर नावा.

अस्तु, अनुसूया आश्रम की पावनता और पुनीतता असीम और अद्वितीय है.

नर्क को नफ़रत का सहारा

नश्तर
सुधीर राघव

स्वर्ग में कोई धर्म नहीं होता. वहां प्रार्थना, भजन, कीर्तन, नमाज कुछ नहीं होता. स्वर्ग में सबकी आस्था प्रेम, प्रकृति, पर्यावरण और नियम में होती है. यही चार गुण हैं, जो किसी भी जगह को स्वर्ग बना सकते हैं. इसलिए स्वर्ग को किसी ईश्वर की जरूरत नहीं होती. प्रेम में आस्था रखने वाला स्वर्ग का हर वाशिंदा खुद ईश्वर तुल्य देवता होता है. फ़रिश्ता होता है. दूसरी ओर नर्क में हजारों धर्म हैं. दस नये धर्म रोज पैदा होते हैं. वहां सबका ईश्वर अलग-अलग है. सबकी आस्था अलग अलग है. सब अपने ईश्वर को दूसरे के ईश्वर से ज्यादा महान बताते हैं. नर्क में हर धर्म को दूसरे धर्म से खतरा है. सबको लगता है कि उनका धर्म खतरे में है, उसे बचाने के लिए लड़ना जरूरी है. नर्क में सिर्फ नफ़रत है. इसलिए सब एक दूसरे से लड़ रहे हैं. एक-दूसरे को मारने के लिए उन्होंने बम, बंदूकें, टैंक, मिसाइलें और ड्रोन बनाए हैं. वहां हर तरफ जंग मची है. बम, बंदूक और मिसाइलें चल रही हैं. लोग मर रहे हैं. प्रकृति और पर्यावरण दोनों को तबाह किया जा रहा है. इस तरह कुछ वाशिंदों ने धर्म का इस्तेमाल अपनी दुनिया को नर्क बनाने में किया है. यह सब देखकर नर्क के सारे ईश्वर भी अपराधबोध से दब गए हैं. वे कहीं दूर जाकर छुप गए हैं. एक भी सामने नहीं आता. नफ़रत से भरे नर्क को बनाने का क्रेडिट कोई नहीं लेना चाहता. नर्क सिर्फ नफ़रत की ताकत से चलता है.

स्वर्ग में नया सूर्योदय हो रहा है. सब सूर्य का सम्मान कर रहे हैं. स्वर्ग में स्वच्छ निर्मल जल बह रहा है. सब जल के प्रति विनम्र हैं. उसकी स्वच्छता का ध्यान रखते हैं. स्वर्ग के पेड़-पौधे और लताएं फल और फूलों से लदी हैं. सब वनस्पतियों के कृतज्ञ हैं. उनके फलने फूलने में सहयोग करते हैं. स्वर्ग वन जीवों से जीवंत हैं. सब जीवों पर दया करते हैं. स्वर्ग के आवास खुले, सुंदर और हवादार हैं. सब गीला और सूखा कचरा ठीक से निष्पादित करते हैं. इसलिए वहां हर आवास एक मंदिर है. स्वर्ग में हर मौसम अपने समय पर आता है. वहां का पर्यावरण संतुलित है. स्वर्ग में सब एक-दूसरे के साथ प्रेम से रहते हैं. उनके पास आपस में लड़ने की कोई वजह नहीं है.

नर्क में सब एक-दूसरे से लड़ रहे हैं. आपस में लड़ने के लिए उनके पास बहुत सी वजहें हैं. वे ईश्वर के नाम पर लड़ रहे हैं. वे धर्म के लिए लड़ रहे हैं. वे जाति पर लड़ रहे हैं. वे भाषा और राष्ट्र के नाम पर लड़ रहे हैं. वे जमीन के लिए लड़ रहे हैं. पैसे के लिए लड़ रहे हैं. शराब, शबाव, भोजन, पानी ... नर्क के वाशिंदे हर चीज के लिए लड़ रहे हैं. सबके सब नफ़रत से भरे हैं. असल में नर्क होता नहीं है, नर्क बनाया जाता है, प्रकृति और पर्यावरण से छेड़छाड़ करके, हर दिल में नफ़रत भरके. अलग-अलग धर्म, अलग-अलग ईश्वर, जातीय भेदभाव, झूठा राष्ट्रवाद और नियमों का न मानने वाले पैसे और हवस के अंधे वाशिंदे किसी भी दुनिया को नर्क बना सकते हैं.

दिलीप टोप्पो की कलाकृतियों में झारखंड की संस्कृति

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कला कलाकार के अंतः और बाह्य जगत की एक विराट यात्रा है, जिसमें वह अपने लक्ष्य को पाने की अविराम चेष्टा करता है. कहा जाता है कि एक कलाकार जीवन भर एक ही कृति पर कार्य करता है. एक ही कृति पर कार्य करना बड़ा कठिन है, लेकिन दिलीप टोप्पो जैसे कलाकार लंबे समय से एक विषय को लेकर कार्य कर रहे हैं और इनकी आधुनिक मूर्तिशिल्पियों ने सृजन की कई संभावनाओं को जन्म दिया. इन्होंने मूर्तिकला के विकास में अपना योगदान ही नहीं दिया, बल्कि युवा पीढ़ी को एक नई दिशा दी. दिलीप कुमार टोप्पो ने बीएचयू से बीएफए और एमएफए करने के बाद निरंतर झारखंड की संस्कृति पर मूर्ति शिल्प का कार्य कर रहे हैं. कोई भी कलाकार अपने समाज और आस पास के वातावरण के प्रति निष्ठावान होता है. सामाजिक परिवर्तन के साथ ही उसकी अभिव्यक्ति में भी नवीनता आ जाती है, जिसका प्रमाण इनकी अद्भुत कलाकृतियां हैं. इनकी कलाकृतियों की अपनी भाषा होती है. हम जो शब्दों द्वारा नहीं कह सकते, उसे दिलीप कुमार टोप्पो जैसे कलाकार अपनी कलाकृतियों के माध्यम से अधिक प्रभावशाली तरीके कह सकते हैं, यही वजह है कि इन्हें अपनी समाज की संस्कृति से भावी पीढ़ी को अवगत कराने में इन्हें अपनी कला के माध्यम से रखने में सुविधा होती है. ये अपनी कलाकृतियों के माध्यम से ही अपने समाज की मिटती परंपराओं को भी मूर्त रूप देने की कोशिश करते हैं. इनके मूर्तिशिल्प में अमूर्तन की अभिव्यक्ति दिखती है. मानव को जिंदा रहने के लिए हवा की आवश्यकता होती है और हवा वृक्ष व पौधे के जरिये प्राप्त होती है. झारखंडी समाज इन वृक्षों को पूजता है और पर्यावरण की रक्षा भी करता है. भादो एकादशी में

हर वर्ष झारखंड में मनाया जाने वाला करम पर्व केवल एक पर्व नहीं है, बल्कि खुद में परंपरा, इतिहास और सभ्यता की बारीकियों को समेटे हुए हैं. जनजातीय संस्कृति के जितने भी त्योहार हैं, वे मनुष्य का प्रकृति के साथ, प्रकृति का समाज के साथ और इन तीनों का एक-दूसरे के साथ अन्योन्याश्रय संबंध की ओर इंगित करते हैं. वस्तुतः यह प्रकृति और वृक्ष से भावनात्मक व आध्यात्मिक जुड़ाव का पर्व है. इस त्योहार में युवतियां बालू से भरी अपनी-अपनी टोकरी में बड़े ही नेक नियम से धान, मकई, मडुआ, गोंदली, कुरथी, उड़द बालू के साथ मिला देती हैं, जिसे जावा कहते हैं. कई दिनों के बाद ये बीज रूप में डाले गये दाने अंकुरित होकर लहलहाने लगती हैं. यही लहलहाती पौधे सृष्टि की निरंतरता में बीज की महत्ता को बतलाती है. इसी से प्रेरित होकर दिलीप कुमार टोप्पो ने इसे अपनी कला का विषय बनाया. बड़ी ही सुंदरता के साथ ये

प्रकृति और जीवन की इस लयबद्धता को पत्थरों पर उकेरते हैं. इसी कलाकृतियों ने ही इसे समाज में अलग पहचान दी. बीएचयू वाराणसी, श्रीनगर, उदयपुर, भारत भवन, भोपाल, पटना, नेशनल ललित कला अकादमी भोपाल, ललितकला अकादमी राजस्थान, रामदयाल मुंडा कला भवन रांची आदि स्थानों में इनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लग चुकी है और इन्हें

सम्मानित भी किया चुका है. 2005 में इन्हें झारखंड सरकार की ओर से पुरस्कृत भी किया गया है.

आखर

डॉ. विद्याभूषण

भाषा की अंगीठी पर राख की परत

बेशक यह एक ऐसा दौर है जब हिन्दी आगे बढ़ रही है. वह बाजार की जरूरतों के हिसाब से अभिव्यक्ति के अंदाज बदल रही है, विविध स्रोतों से ऊर्जा लेती हुई समृद्ध हो रही है. तो भी मीडिया के रेशमी अंधेरे से भ्रमित होने की बजाए बुनियाद की सख्त जमीन पर उगे ओयेसिस को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. विज्ञापनों में किसिम-किसिम की हिन्दी के मनभावन इस्तेमाल होने से उपभोक्ता बाजार की निर्माता कंपनियों का सिक्का भले चल निकला हो, लेकिन हिन्दी का पहिया जाम का शिकार होता दिखता है. हिन्दी के नए भूगोल, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र की नई प्राप्तियों पर यथेष्ट ध्यान देते हुए भी हिन्दी के मानकीकरण पर काम करने का समय आ गया है.

की - बोर्ड का मानकीकरण

यहां पहुंच कर लिपि का सवाल अहम हो जाता है. अगर हिन्दी को सिर्फ संवाद और बाजार की भाषा बन कर संतुष्ट नहीं रहना है और सूचना महामार्ग के साथ ज्ञान-विज्ञान की समर्थ भाषा के रूप में भी अपनी पहचान बनानी है तो उसकी संरचना को स्वस्थ और प्रदूषणमुक्त रखने की जरूरत की अनदेखी हरगिज नहीं हो सकती. और यह मंजिल सिर्फ शब्द संपदा के विस्तार से नहीं मिल सकती, वाक्य रचना और सूक्तियों की लचीली लय से भी वह हासिल नहीं होगी. उसके लिए देवनागरी लिपि का अपेक्षित परिष्कार, कंप्यूटर के की बोर्ड का मानकीकरण और वर्तनी की समरूपता एक अनिवार्य पहलू बन गयी है. तो आइये, इस मसले पर दो-चार बातें और कर लें.

काफी नहीं शाखाओं और फुनगियों पर कब्जा

इन दिनों, बल्कि पिछले कुछ समय से, हिन्दी को मीडिया के माथे पर चमकती हुई बिन्दी की सनद मिल रही है. भारतीय भाषाओं के समाचार पत्रों के बीच हिन्दी अखबारों की प्रसार संख्या बेजोड़ बनती हुई दिख रही है. बेशक हिन्दी पाठकों की कतार शिखर यात्रा की ओर अग्रसर है. इसी तरह न्यूज और इंटरटेनमेंट चैनलों के बाजार में लोकप्रियता के लिहाज से हिन्दी अन्य प्रतियोगियों से आगे चल रही है. ऑडियो मीडिया में एफएम चैनलों की बहुरंगी प्रस्तुतियों ने आकाशवाणी की पारंपरिक एकरसता को तोड़ते हुए मील के नये पत्थर खड़े किये हैं. यानी चहुंओर हिन्दी के प्रभामंडल का विस्तार हो रहा है. लेकिन कोई बड़ी भाषा सिर्फ भाव-अभिव्यक्ति का साधन भर रह कर समृद्ध नहीं हो सकती. यह काम तो हजारों बोलियां और उपभाषाएं पूरी दुनिया में भलीभांति कर रही हैं. आज के समय में हर भाषा की समृद्धि और सामर्थ्य की कसौटी है. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी शिक्षा का माध्यम बनने की चुनौती है. जिस अंग्रेजी को हिन्दी का मुख्य प्रतियोगी मानते हुए इस देश में तरह-तरह की उपमाओं-रूपकों से नवाजा जाता है, वह सिर्फ अपनी शब्द संपदा या वाक्य भंगिमा के बूते टक्कर नहीं दे रही. वास्तव में विज्ञान और तकनीक की शिक्षा की माध्यम भाषा के रूप में उसकी प्रामाणिकता और प्रासंगिकता बेमिसाल है. बेशक अब इस चुनौती की काट खोजने में हिन्दी की संपूर्ण ऊर्जा खपनी चाहिए. आज तक शाखाओं और फुनगियों पर कब्जे की लड़ाई में मशगूल रहे हम सब, अब उसकी बुनियाद पर वर्चस्व के लिए कृतसंकल्प होना है. भाषा मानकीकरण के सवाल पर विकल्पहीन नहीं है यह दुनिया. अंग्रेजी की अनिवार्यता के बारे में कई एशियाई देशों के अनुभव अलग हैं. संयुक्त राष्ट्रसंघ और यूरोपीय संघ के संचालन में भी अंग्रेजी कोई अनिवार्य कड़ी नहीं बनी. इसी तरह भारतीय संघ को जोड़ने वाली अकेली कड़ी भी वह नहीं है.

जरूरी है देवनागरी के की-बोर्ड का मानकीकरण

सूचना क्रान्ति के मौजूदा दौर में कम्प्यूटर और इंटरनेट के सर्वग्रासी तंत्र में रोमन का एकाधिकार देवनागरी लिपि में यूनीकोड के आने से परिसीमित हुआ है. बेशक हिन्दी के तकनीकी उपयोग में आती रही सबसे कड़ी अड़चन दूर हो चुकी है और हिन्दी की हैसियत ज्ञान केन्द्रों में ऊंची हुई है. लेकिन इतने से हिन्दी या उसकी लिपि की कठिनाइयों का अन्त नहीं हुआ है. कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने वाले हर शख्स की सबसे बड़ी समस्या यह है कि देवनागरी का अभी तक कोई मानक की-बोर्ड नहीं बन पाया है. याद कीजिये कि दुनिया भर में अंग्रेरजी भाषा के लिए एक ही की-बोर्ड है. आप चाहे जिस सॉफ्टवेयर या फांट पर काम कर रहे हों, वर्णमाला के हर अक्षर के लिए एक नियत बटन है. हर जगह की-बोर्ड की बीच की पंक्ति में "ए" सबसे बाईं ओर मिलेगा. हिन्दी में अराजकता का हाल यह है कि हर फांट के साथ यहां की-बोर्ड बदल जाता है. अगर आप आक्रुति की बोर्ड के रेमिंगटन लेआउट में काम कर रहे हों तो मध्य पंक्ति में तीसरे बटन पर "क" मिलेगा, लेकिन यदि फोनेटिक लेआउट पर काम कर रहे हों तो उस तीसरे बटन पर "अ" मिलेगा. फांट चुनने में भी ऐसी मुश्किलें अक्सर सामने आती हैं. समाहार के बतौर कहा जा सकता है कि देवनागरी के की-बोर्ड के मानकीकरण के बिना इंटरनेट पर हिन्दी सहज गति से नहीं चल पायेगी, न ई मेल के लिए उसका भरपूर इस्तेमाल हो पायेगा. इसी तरह की एक विसंगति यह भी है कि अब तक हिन्दी की वर्तनी जांच के लिए स्पेल चेक जैसा कोई सॉफ्टवेयर विकसित नहीं हुआ.

हाउस लैंग्वेज के नाम पर चूक

दूसरी ओर नजर डालें तो प्रिंट मीडिया या पुस्तक संसार में व्याकरणिक शुद्धता तो शायद बड़ी बात है, सही शब्द या वाक्य लिखने का आग्रह भी नहीं दिखता. हाउस लैंग्वेज के नाम पर अलग-अलग पत्र समूह एक ही शब्द के कई रूपों का प्रयोग करते हैं. जनसत्ता या इंडिया टुडे जैसी पत्र-पत्रिकाएं पढ़ते हुए यह भिन्नता पकड़ में आती है. अनुस्वार, चन्द्रबिन्दु, हलन्त, ह्रस्व इ या दीर्घ ई जैसे कई ध्वनि चिह्नों का उपयोग तकनीकी सुविधा के नाम पर जितने रूपों में प्रचलित हो गया है, उससे भ्रम और अनर्थ की स्थिति बन जाती है. जैसे-हंस, हंसमुख, वास्ते के अर्थवाला "लिए" या "लिया" का का तिर्यक रूप "लिये". चिन्ता की बात यह है कि अभी भी कई अक्षर दो रूपों में लिखे जाते हैं. जैसे - ट वर्गी ण, तालव्य श, अ, झा, ल और र. र को चार रूपों में लिखा जाता है. शब्दों के लिखित रूप में इन्हें देखना हो तो गुर्जर, वज्र, राष्ट्र और राज्य शब्दों पर दृष्टि डाली जा सकती है. विराम के दो रूप आज भी प्रचलित हैं. जैसे . तथा यानी बिन्दु या खड़ी पाई. उलझन की बात यह भी है कि इ और ई का लेखन भी हर जगह उनके उच्चारण क्रम के अनुसार नहीं होता. इसी तरह यह भी तय हो जाना जरूरी है कि श्र, ज्ञ, द्य जैसे संयुक्ताक्षर प्रचलित रहें या उनकी जगह हलन्त की सहायता से उन्हें विश्लिष्ट करते हुए लिखा जाये. इसी तरह जरूरी है कि अनुस्वार के सम्बन्ध में सुनिश्चित किया जाये कि उसे अर्द्ध म् पढ़ा जाये या अर्द्ध न्. संबंध में पहला अनुस्वार अर्द्ध म् है तो दूसरा अनुस्वार अर्द्ध न्. समग्रता में देखें तो कहना होगा कि देवनागरी के ध्वनिचिह्नों के विकास की कहानी कहती है कि उसने अपने को समय के साथ गतिशील रखा है और अभिव्यक्ति की जरूरतों के अनुरूप परिवर्तन की संरचनाएं देती आयी है. फिलहाल, भाषा की तपती अंगीठी पर बिछी राख की सांवली-सफेद परत को सप्तपर्णी बनाने का समय सामने है.

प्रेम रंजन अनिमेष की दो कविताएं

प्रेम रंजन अनिमेष

प्रेमरंजन अनिमेष की नाम साहित्य में किसी परिचय का मोहताज नहीं. पिछले तीन दशकों से लेखन कर रहे अनिमेष जी की कई लंबी कविताएं बहुत चर्चित रही हैं. पेश है हिंदी दिवस पर उनकी दो कविताएं...

बिना जड़ों की पौध नयी

हम छुटपन से
हुए बड़े
घर पर बोलते अपनी
देसी बोली
विद्यालय महाविद्यालय में
देशभाषा हिन्दी
अब अपने
काम की जगह
अंग्रेजी में
देशसेवा कर रहे.

बच्चे हमारे
सुनते हमें
हंसते मुसकुराते
बोली बानी
समझ तो लेते
लेकिन उससे
जुड़ नहीं पाते.

घर पर अकसर वे
हिन्दी बोलते बतियाते
भेजा भी उन्हें
हिन्दी माध्यम विद्यालय में
यह और बात कि
हिन्दी भी वहां हिन्दी में पूरी
पढ़ायी नहीं जाती.

इस होनहार समय
विकासमान देश में
सब कुछ कारगर
हो रहा अंग्रेजी में
नीति न्याय अनुसंधान
शिक्षण शासन प्रशासन
बाजार व्यापार प्रबंधन.

इसलिए वंचित निर्धन भी
पेट काट कर चाहते
पढ़ाना अपने बच्चों को
अंग्रेजी माध्यम से
कि आम और खास जगह पर
काबिज हो सकें
वर्चस्व उनका बने.

हिन्दी तो आती बाद में
मूल में कहां आभार की तरह
अकसर अनुवाद में
संवाद में भी कब
यदा कदा वाद विवाद में.

अकाम यानी
आजादी के अमृत
महोत्सव वर्ष के पार भी
नौकरी और रोजगार की
सामर्थ्य व अधिकार की
वरीय वरेण्य जुबान अंग्रेजी ही.

ऐसा है कि
काम और कामयाबी की
राह अंग्रेजी
तो पढ़ाई भी उसमें ही
करने से चाहिए थी
होनी आसानी
मुकाम पाने में सही
बल्कि चाकरी चल कर आनी
लाजिमी मिल जानी
पढ़ते-पढ़ते ही
अंग्रेजी में पढ़ रहे
पूर्ण समर्पितों के वास्ते.

पर मर मर कर पढ़ने वाले
जानते कि होड़ आपाधापी मारामारी
गलाकाट प्रतिस्पर्धा कितनी
अधिक पहले से
ढंग का कोई काम पाने में.

इस बीच अवतरित हुई
जो पीढ़ी सबसे नयी
वह दूर और भी
अपनी जड़ों से
और मिट्टी से
इतनी कि न बोली जानती
न पहचानती भाषा ही अपनी.

यह कितना अजब
कि नये जायों को अब
पालने से ही दी जा रही
मांबोली मातृभाषा मातृपय नहीं
वरन परभाषा की
संजीवन बूटी जीवन घुट्टी
कि जल्मना बनें सयाने.

शुरू से पाएं सहज अपनायें
परिवेश पराए
उपनिवेशवादियों साम्राज्यवादियों के
तौर तरीके.

इस महत आकांक्षा में संभवतः
कि शुरू से इस तरह
पराधीन संस्कार बसाने से
शासकों की गुदड़ी ओढ़ने बिछाने से.

घर तक चल कर
आ जायेगा बाजार
और काम का आगार
खुलेंगे अवसरों के द्वार
देहरी पर होगा संसार.

अंदेशा है तो यही
कि दुनिया हासिल करने
समूचे विश्व की आस में
हाथ से
निकल न जाये
देश कहीं...

निर्भय सविनय अवज्ञा

हमारे आधिकारिक पन्नों में
चोर दरवाजे से
घुसी भाषा दूसरे पायदान की
जो बनने को आमादा पहली.

कोई कहे इसलिए
कि है वह विश्वभाषा
तो मैं करना चाहूंगा
निर्भय सविनय अवज्ञा.

पूरी दुनिया की भाषा तो है
(नहीं तो होनी चाहिए)
प्रेम और करुणा
और सच यह भी
कि वह अपनी सोंधी
मिट्टी की भाषा में जितनी
सच सपने और सोच सींचती
सारी दुनिया को राह दिखाती
उतनी किसी और में नहीं.

गयी सदी के
सन बयालीस में
जब नारा दिया हमने
' अंग्रेजो भारत छोड़ो '
तो क्या वह आह्वान
था केवल उनकी गोरी
ठठरी चमड़ी के लिए ही
कि बस वे
अपनी काया लिये
यहां से
चले जायें
छाया छोड़े अपनी हर जगह ?

यह प्रश्न इसलिए ज्वलन्त
क्योंकि भाषा समेत
और कई स्तरों पर उन्हें
जिंदा रखा हुआ हमने
अपने से अधिक और पहले
नित संरक्षित संपोषित
संवर्द्धित करते.

इसलिए नहीं
कि वह भाषा विश्व की
बल्कि इस कारण
कि अब तक वही
वास्क सत्ता व्यवस्था प्रभुता
और वर्चस्व की.

सर्वप्रेम और संवेदना की
भाषा अपनी हिन्दी

सब धाराओं
नदियों को सारी
और हृदय की
भाषाओं को सभी
जोड़ती जुड़ाती
सब तक पहुंचाती.

समाज देश और विश्व
पूरी मानवता
संपूर्ण प्रकृति प्राणीयता को
साथ लाती संग मिलाती
सिरजती सहेजती संभालती संवारती.

अपनी हिन्दी
सबकी हिन्दी

सबसे निराली
अमृतपय की
अक्षय प्याली...

कविताएं

मुझे हिंदी दिखाई देती है

वीना श्रीवास्तव

मैं हिंदी को देख सकती हूं

उन बच्चों की आंखों में
जो खिल उठती हैं
एक रोटी देखकर
लेकिन नहीं दिखाई देती
शिनचैन देखते हुए बच्चों की
गोल-गोल आंखों में.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
बुरांश का शरबत पीती हुई
उस पहाड़न में
जो झुर्री वाले चेहरे से
लकीरों को गिनते हुए
बताती है अपने अनुभव
लेकिन नहीं दिखती
उन आंखों में
जिनके हाथों में होते हैं
व्हिस्की के गिलास.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
पतल बनाती जमुनी के हाथों में
दातुन बेचती करमी के आंखों में
लेकिन नहीं दिखाई देती

सभ्यता की आधुनिकतम सीढ़ियां चढ़ती
तमाम समझौते के साथ
किसी भी कीमत पर आगे बढ़ने वाली
महिलाओं की आंखों में.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
चुनाव से पहले
हाथ जोड़ कर वोट मांगने वाले
नेताओं की याचिका में
नहीं दिखाई देती
जीतने के बाद खुफिया हंसी वाले
हाथ जोड़े मंत्री के अंदाज में.

मुझे हिंदी दिखाई देती है
हृदय की अनंत गहराइयों में
जो मौन होकर भी
पढ़ लेती है गूंगे भावों को
मेरे सपनों की मचान
खिलती है हिंदी में
सोच की दुकान
पलती है हिंदी में
मेरी इंद्रियां जागृत होती हैं
केवल हिंदी में.

हिंदी जन-जन की

डॉ माया प्रसाद

करते हैं जिसको हम हिंदी
जन-जन की प्यारी बोली है,
ममता समता के भावों की
यह सुंदर सहज रंगोली है.
देसिल बयना में लिखी हुई यह
मैथिल कोकिल की बानी है.
तुलसी के मानस में संचित
रघुकुल की अमर कहानी है.
नाविक के तीरों से बेधक
दोहरे बिहारी के गुन लो.
जो कान पियासे हो मितवा
तुम घनानंद के पद सुन लो.
यह करधा दास कबीरे का
अनगिन संतों की टोली है.
करते हैं जिसको हम हिंदी
जन-जन की प्यारी बोली है.
इस विजयी विश्व तिरंगे का
जयगान संजोती है हिंदी
गांधी-सुभाष के सपनों का
इतिहास संजोती है हिंदी.
आसेतु हिमालय तक फैली
हिंदी की वत्सल छाया है,
यह संविधान सम्मत भाषा
जनमानस का सरमाया है.
हितकारी गंगा जमुन सम है
सद्भावों की यह झोली है.

हिन्दी चमक रही है

नीरज नीर

भारत के अंबर पर देखो
सूर्य सी हिन्दी चमक रही है,
भारती के सुंदर उपवन में
सुगंध बनकर महक रही है.
प्रांत-प्रांतर का सेतुबंधन
सरल, सर्वजन, सर्वप्रिय है
दक्षिण से उत्तर, पूर्व-पश्चिम
दम दम दम दम दमक रही है.
संस्कारों की वाहक हिन्दी
भाषाओं में है यह गंगा,
प्रगति पथ पर नित आरूढ़ है
नव ऊष्मा से चहक रही है.
मान लिया सम्पूर्ण विश्व ने
हिन्दी भाषा समर्थ सक्षम,
भारत के जन जन की प्यारी
उन्नति पथ पर अथक रही है.

तब सुनो ओ हिन्दी

सारिका भूषण

जब करना पड़े
न कोई दिखावा
न हो बनावटीपन
न रहे कृत्रिमता
न रहे औपचारिकता
तुम्हारे अस्तित्व को लेकर
तब सुनो ओ हिन्दी!
तुम सहज ही
जन-मन में आ जाना.

जब करना पड़े
न कोई संघर्ष
भावी पीढ़ी स्वीकारे सहर्ष
पढ़े तुम्हारा इतिहास
गौरवपूर्ण रहा जो विकास
हर भाषा, हर साहित्य में
तुम शिरोधार्य बनो बिंदी
तब सुनो ओ हिन्दी!
तुम सहज जी
जन-मन में समा जाना.

जब करना पड़े
न कोई शोरगुल
संविधान में बजे बिगुल
राष्ट्र की बढ़े सुंदरता
माटी से जो तुम्हारा रिश्ता
पूरे विश्व, देश-प्रदेश में
तुम आवाज़ बन जब उठो
तब सुनो ओ हिन्दी!
तुम सहज ही
विजय पताका फहरा जाना.

रिझाऊं कैसे ?

अनिता रश्मि

हिंदी की बिंदी
आज विश्व भाल पर
सज रही
चमक रही
चमचम, दमदम !
हैं तकते सब
बड़ी हसरत से
इसकी ओर.
जोड़ रही हिंदी
विदेश को
अपनी मधुरिमा औ
उदारता से
लेकर चलती
हर भाषा, बोली को भी
संग अपने,
खींच रही इसी
अपनेपन की डोर से
परायों को भी.
सुदूर विदेश से आया
एक हिंदी भक्त बुल्के
यूं ही नहीं कहता रहा
ताउम्र महारानी इसे,
दोनों के बीच
था रिश्ता अनोखा.
बस अपने ही रहते हैं
न जाने क्यों
रूठे-रूठे से
समझ नहीं पा रही
हिंदी की बिंदी,
उन्हें समझाऊं कैसे?
मनाऊं कैसे?
रिझाऊं कैसे?

हिंदी हमारी पहचान

वीणा नंदिनी

लिखें हिंदी पढ़ें हिंदी उठाया देश को हिंदी.
सुनें हिंदी कहें हिंदी सजाया वेश को हिंदी.
चराचर सृष्टि में सम्मान है अविरल सदा इसको
करें संवाद भावों से लुभाया प्रदेश को हिंदी.
निछावर राष्ट्र पर करती चहकती नित्य धरणी में
सहोदर बन मचलती फिर बचाया कोश को हिंदी.
प्रभावित आज दुनिया फिर उड़ेले प्यार मोहित कर
समुंदर बन निखरती फिर निभाया जोश को हिंदी.
निरादर राज भाषा बन सहे निज भूमि में भाषा
सहायक बन खनकती अब अघाया वंश को हिंदी.
पुरातन काल से पहचान लोगों में सदा इसकी
कहे वीणा चहकती यूं भगाया क्लेश को हिंदी.

बहता नीर

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.
संस्कृत की बेटी, सरल, सरिता, बहता नीर है,
मोतियों की वर्णमाला छंद ही जागीर है,
धूप, दीप, घंटी, आरती का थाल हिन्दी है,
सृष्टि का संगीत, होली का गुलाल हिन्दी है.
देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.
कीर्तिमान हिन्दी के तिरंगे की उड़ानों में,
खेत के किसानों, सीमा पर डटे जवानों में,
गांव की गली में बच्चों का धमाल हिन्दी है,
नून - तेल, साग - भात, हल - कुदाल हिन्दी है.
देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.
बोलूं सीना तान हिन्दी मेरा अभिमान है,
मुझे प्यारा हिंद देश हिन्दी मेरी जान है,
दिल में भावनाओं का उठा भुचाल हिन्दी है,
प्रेम, अमन, एकता की पुरवा ढाल हिन्दी है.
देवनागरी के दरिया का उछाल हिन्दी है,
मातृभूमि का चमकता ऊंचा भाल हिन्दी है.

अंग्रेज़ी भारत छोड़ो

चारुमित्रा

अंग्रेजी का दुशाला ओढ़कर
खड़ी है हिंदी
दुशाले की कशीदाकारी
आकर्षित करती है
वैसे ही
जैसे हिंदी में अंग्रेज़ी
का प्रयोग करनेवाले
अपनी वर्तनी की
शुद्धता पर इतराते हैं
लगता है अब
हिंदी को बचाने के लिए
"अंग्रेज़ों भारत छोड़ो" की तरह
"अंग्रेज़ी भारत छोड़ो" का
नारा लगाना पड़ेगा
हिन्दी की मातृसत्ता को बचाने के लिए
अंग्रेज़ी को भगाना पड़ेगा.

हम हिंदुस्तानी

नंदा पाण्डेय

सीना ठोक कर कहते हैं
कि हम हिंदुस्तानी हैं फिर बोलने में हिंदी
क्यों हरदम शरमाते हैं कैसे भुल जाते हैं
कि हम हिंदुस्तानी हैं.
कर देते हैं हिंदी को रोगग्रस्त
मिलाकर उसमें अंग्रेज़ी
जीते हैं दोहरे व्यक्तित्व के साथ
और भूल जाते हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं.
क्यों नहीं समझते कि
कैसे होगा उत्थान हिंद देश का
जब दुर्बल होगा इसका आधार
लेकर आज दृढ़ यह विश्वास
कि हिंदी ही है हमारा आधार
आओ हर हृदय में
हिंदी-प्रेम प्रज्वलित करें
हिंदुस्तान से प्रेम असीमित करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

फाइनल डेब्यू में अविनाश नौवां स्थान पर रहे

बेल्जियम। ब्रुसेल्स में अपने डायमंड लीग फाइनल डेब्यू में भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने बाउडौइन स्टेडियम में 3000 मीटर स्टीपलचेज में नौवां स्थान प्राप्त किया. इसके लिए अविनाश ने 8:17.9 सेकेंड का समय लिया. वहीं, केन्या के अमोस सेरेम ने मोरक्को के पेरिस ओलंपिक चैंपियन सौफियान एल बक्काली को हराकर 8:06.90 सेकेंड का समय लेकर डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया.दौड़ की शुरुआत में, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में दिखाई नहीं दिए, क्योंकि वह दस धावकों के समूह में अंत में थे.

यह चुनौती अब बहुत कठिन है : पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है

कि रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाला टी20 सीरीज का निर्णायक मैच बेहद रोमांचक होगा. इंग्लैंड ने कार्डिफ में खेले गए दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है. स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पर पोंटिंग ने कहा, "अब यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण है. सीरीज 1-1 की बराबरी पर है और यह ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड है. मुझे परवाह नहीं है कि यह कौन सा मैच है, आप श्रृंखला जीतना चाहते हैं.

बल्लेबाजी के लिए अधिक समय मिला है: लिविंगस्टोन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन ने

अपने 50वें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच को यादगार बनाते हुए 47 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली और मेजबान टीम को कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में बराबरी हासिल करने में अहम भूमिका निभाई. खेल समाप्त होने के बाद, लिविंगस्टोन ने अपनी वीरता का श्रेय बल्लेबाजी क्रम में ऊपर जाने को दिया, जिससे उन्हें अधिक जिम्मेदारी मिली और गेंदबाजों पर कहर ढाने का समय मिला. "क्रम में ऊपर जाना अच्छा रहा, इससे मुझे थोड़ी अधिक जिम्मेदारी मिली और बल्लेबाजी के लिए अधिक समय मिला. मैं जिम्मेदारी का आनंद लेता हूं. छठे या सातवें नंबर पर आना आसान नहीं है, लय में आना मुश्किल है, इसलिए क्रम में ऊपर जाना अच्छा रहा.''' उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं बल्ले और गेंद से अच्छी फॉर्म में हूं."

भारत के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभाला पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, कहा

भारतीय गेंदबाजों के पेशेवर रवैये से वाकई हैरान हूं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के नए गेंदबाजी कोच के रूप में कार्यभार संभालने के बाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल उत्साहित हैं. वे भारत के अनुभवी और युवा तेज गेंदबाजों की लाइन-लेंथ और सटीक गेंदबाजी से काफी प्रभावित नजर आ रहे हैं. बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज उनका टीम इंडिया के साथ पहला असाइनमेंट होगा. वो प्रैक्टिस सेशन के पहले दिन भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन से काफी हैरान हैं. चेन्नई में पहला टेस्ट 23 सितंबर और दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा. भारत और बांग्लादेश के बीच दोनों मैच चल रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है.

मोर्ने मोर्कल ने बीसीसीआई टीवी पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, "आज का लक्ष्य खिलाड़ियों, उनकी ताकत, उनकी कमजोरियों को समझना और आगामी सीरीज के लिए लक्ष्य निर्धारित करना था. खिलाड़ियों ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया. मैं इस बात से हैरान था कि उन्होंने किस तरह से काम किया, वे कितने पेशेवर थे. इसलिए यह एक अच्छा संकेत है और उम्मीद है कि हम इस पर काम कर पाएंगे." तीनों प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने के 12 साल के अनुभव के साथ यह पूर्व तेज गेंदबाज भारत के गेंदबाजी कोच के रूप में नई सफलता हासिल करने के लिए तैयार है. उनकी चुनौतियों में से एक यह सुनिश्चित करना होगा कि गेंदबाजों में टीम के प्रति अपनापन और मानसिक रूप से सहजता की भावना हो, जिससे वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें. उन्होंने कहा, "प्रतिभा और कौशल होना एक बात है, लेकिन सबसे पहले खिलाड़ियों को एक चुनौतीपूर्ण माहौल से निकाल कर उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना होगा, क्योंकि भारत के लिए खेलना और ब्लू जर्सी पहनना बहुत सारी उम्मीदें रखता है." मोर्कल ने गौतम गंभीर के मुख्य कोच के रूप में भारतीय टीम का सेटअप काफी मजबूत बताया. उन्होंने कहा कि हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे पास गुणवत्ता वाले वरिष्ठ खिलाड़ी हैं . वे टीम का नेतृत्व करेंगे और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनका समर्थन करें.

रविचंद्रन अश्विन ने अमेरिकन गैम्बिट्स के लिए एंथम किया लांच

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय स्पिन गेंदबाजी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने अपनी नई शतरंज टीम, अमेरिकन गैम्बिट्स के लिए एंथम लॉन्च किया है, जो ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में चुनौती पेश करेगी. "मेक द वर्ल्ड गो" शीर्षक वाले एंथम को अश्विन के सोशल मीडिया पर एक डिजिटल रिलीज के माध्यम से जारी किया गया, जिसमें शतरंज की बिसात पर एक रोमांचक पहलू लाने का वादा किया गया. अश्विन और अन्य मालिकों के सह-स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स एक प्रभावशाली रोस्टर के साथ जीसीएल में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं. संगीत निर्देशक चरण राज द्वारा रचित और कार्तिक चेन्नोजीराव (केसी) द्वारा प्रस्तुत टीम का गान एकता, तीव्रता और रणनीतिक गहराई का प्रतीक है, जिसे गैम्बिट्स वैश्विक मंच पर मूर्त रूप देने की आकांक्षा रखते हैं. अश्विन ने क्रिकेट से अलग एक नए सफर को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की. उन्होंने कहा, हमारे लिए, शतरंज का मतलब है बोर्ड पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना. जुनून से प्रेरित, रणनीतिक सोच से प्रेरित, और पूरी तरह से रोमांचक खेल. हम एक टीम के रूप में भारत और विश्व स्तर पर शतरंज को लोकप्रिय और बढ़ावा देना चाहते हैं.

कप्तान हरमनप्रीत ने दो गोल दागे, नीलकंठ को हीरो ऑफ द मैच

भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया, लीग चरण में अजेय रहा

मोकी (चीन)

टीम इंडिया की लगातार पांचवीं जीत

अजेय भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में एशियाई दिग्गजों के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की. कप्तान हरमनप्रीत सिंह (13'', 19'') के दो गोल की बदौलत भारत ने लीग चरण में अजेय रहते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया. पाकिस्तान के लिए अहमद नदीम (8'') ने एकमात्र गोल किया. दोनों टीमों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया और अंत तक लय बनाए रखी. हालांकि भारत ने शुरुआती मिनटों में कुछ सर्कल एंट्री के साथ मैच की आक्रामक शुरुआत की, लेकिन आठवें मिनट में अहमद नदीम के जरिए पाकिस्तान ने पहला गोल किया. पाकिस्तान ने अपने लक्ष्य का पीछा करते हुए सतर्कता बरती और एक संरचित हमले का सामना किया. लक्ष्य पर दो शॉट लेने के बाद, वे अपने तीसरे शॉट में सफल रहे, जिसमें हन्नान शाहिद ने बीच से एक प्रभावशाली दौड़ के बाद नदीम को पास दिया, जिन्होंने नज़दीकी रेंज से आसानी से गोल कर दिया.

भारत ने वापसी की और 13वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच के अपने पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की. अंतिम मिनटों में कुछ एंड-टू-एंड एक्शन देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम मौके नहीं बना पाई और पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ. भारत ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की और 19वें मिनट में 2-1 से आगे हो गया, जब हरमनप्रीत ने मैच का दूसरा पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया, जिससे पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया. ख़तरा पैदा नहीं कर सके क्योंकि वे लगातार गेंद खोते रहे. दूसरी ओर, पाकिस्तान ने एक आधा मौका बनाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन नदीम का पास गोलमाउथ पर रूमन से चूक गया. उन्होंने हाफ टाइम के स्ट्रोक पर अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित किया, लेकिन सुफियान खान की ड्रैग-फ्लिक बार से टकरा गई, और भारत ने पहले हाफ का अंत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ किया.

भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में गेंद पर नियंत्रण किया, और फ़्लैंक-टू-फ़्लैंक पासिंग के साथ पाकिस्तान को उसके सर्कल में गहराई तक धकेल दिया. सर्कल के शीर्ष पर सुफियान खान द्वारा अरिजीत सिंह हुंडल पर गलत तरीके से टैकल करने से भारत को मैच का तीसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक को पाकिस्तान के पहले रशर ने रोक दिया. तीसरे क्वार्टर के अंतिम चरण अर्जित किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने पाकिस्तान को बराबरी का मौका नहीं दिया और क्वार्टर का अंत 2-1 की बढ़त के साथ किया. भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन पाकिस्तान के डिफेंस ने खतरे को टाल दिया.

दोनों टीमों के बीच टकराव तब और बढ़ गया जब वे एक-दूसरे को एक छोर से दूसरे छोर तक धकेलते हुए मौके की तलाश कर रहे थे. अशरफ वहीद राणा को भारत के सर्कल में जुगराज सिंह पर शारीरिक फ़ाउल के लिए 10 मिनट का पीला कार्ड मिला. अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ, भारत ने लगातार हमलों के साथ पाकिस्तान पर दबाव बनाया, लेकिन गेंद पर कब्ज़ा खोने के कारण वे इसका फ़ायदा उठाने से चूक गए. मैच खत्म होने से दो मिनट पहले, मनप्रीत सिंह को पीला कार्ड मिला, जिससे दोनों टीमों के पास और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हरमनप्रीत के शॉट को रोक दिया गया, और भारतीय फ़ॉरवर्ड ने रिबाउंड मिस कर दिया. इसके बाद गत चैंपियन ने समय समाप्त होने पर पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मुक़ाबले में जीत हासिल की. मैच के हीरो, नीलकांत शर्मा ने कहा, "मुझे पता है कि जब मेरे पास गेंद होती है, तो मैं गेंद को खोना नहीं चाहता, इसलिए बस गेंद को सुरक्षित रखना चाहता हूं, यही मेरा उद्देश्य है.

पाकिस्तान ने हमें शानदार मुक़ाबला दिया. हालांकि हम मैच जीत गए, लेकिन हम खुश नहीं थे क्योंकि हम गेंद खोते रहे और इससे हम मुश्किल में पड़ गए, इसलिए हमें सुधार करने की ज़रूरत है." भारत सोमवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का सेमीफाइनल 2 खेलेगा. टूर्नामेंट के आखिरी लीग चरण के मैच के बाद उनके प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा.

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराया

टी-20 में सीरीज 1-1 से बराबर हुआ सीरीज का निर्णायक मुकाबला आज

एजेंसी। कार्डिफ

लियाम लिविंगस्टोन की अगुवाई में इंग्लैंड ने सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली. लिविंगस्टोन की 47 गेंदों पर खेली गई 87 रनों की विस्फोटक पारी और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने मैच को इंग्लैंड के पक्ष में मोड़ दिया. सीरीज का निर्णायक मुकाबला अब ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा. लिविंगस्टोन का 50वां टी20 मैच बल्ले और गेंद दोनों से यादगार रहा. उनका ऑलराउंडर प्रदर्शन पूरी तरह से देखने को मिला. उन्होंने पहले गेंद से (2-16) शानदार प्रदर्शन किया. इसके बाद में, बल्ले से उन्होंने आक्रामक हमला किया. उन्होंने छह चौके और पांच छक्के लगाए, जो इंग्लैंड के लिए 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ. इंग्लैंड के लिए लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल रहा, क्योंकि सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और डेविड मलान सस्ते में आउट हो गए. साल्ट ने पहले 39 रन बनाकर तेज शुरुआत की थी, लेकिन उनके आउट होने के बाद लिविंगस्टोन क्रीज पर आए और इंग्लैंड की स्थिति 34-2 पर नाजुक हो गई. दबाव साफ दिख रहा था, लेकिन लिविंगस्टोन के शांत स्वभाव और विस्फोटक बल्लेबाजी ने मैच का रुख बदल दिया. लिविंगस्टोन ने जैकब बेथेल के साथ मिलकर, जो सिर्फ अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे, 90 रन की साझेदारी की. बेथेल ने शुरुआत में सहायक भूमिका निभाई, लेकिन जल्द ही 24 गेंदों पर 44 रन की धमाकेदार पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया. उनका मुख्य आकर्षण एडम जम्पा की गेंद पर 20 रन का ओवर था, जिसने लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया. ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 193-6 का मुश्किल लक्ष्य रखा था. जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने बल्ले से कमाल दिखाया और अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक बनाया. जोश इंगलिस ने उनका साथ दिया, जिन्होंने 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली. तेज शुरुआत और मिचेल मार्श की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने वाले ट्रेविस हेड की दमदार पारी के बावजूद, इंग्लैंड अनुशासित गेंदबाजी और फील्डिंग के जरिए स्कोरिंग दर पर लगाम लगाने में कामयाब रहा. सीन एबॉट के शुरुआती हमलों ने ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी थी, लेकिन इंग्लैंड की वापसी का श्रेय ब्रायडन कार्से की अनुशासित गति और आदिल राशिद की स्पिन को जाता है. कार्से की गति में विविधता और राशिद की स्पिन ने रनों पर लगाम लगाई, जबकि लिविंगस्टोन की गेंदबाजी और फील्डिंग ने दबाव बनाए रखा. सीरीज का निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा.

इंटर मियामी के लिए जल्द कमबैक करेंगे मेसी

एजेंसी।वाशिंगटन

लियोनल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद इस हफ्ते इंटर मियामी के लिए मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं. 37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के दौरान टखने के लिगामेंट में चोट लगने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है. लेकिन समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, वह प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और पूरी उम्मीद है कि वे शनिवार को इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उपलब्ध होंगे. इंटर मियामी के मैनेजर गेरार्डो मार्टिनो ने शुक्रवार को बताया, "हां, वह ठीक हैं. उसने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है.आज प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध है." मेसी ने इस सीजन में 12 मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मैचों में 12 गोल और 13 असिस्ट किए हैं. मार्टिनो आठ बार के बैलन डी''ओर विजेता की मैच फिटनेस की कमी से परेशान नहीं है. उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी मात्र से फ्लोरिडा की टीम को काफी बढ़ावा मिलेगा. मार्टिनो ने कहा, "हमारी टीम, जो पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही थी. दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का स्वागत करना हम सभी के लिए बहुत खुशी की बात है." इंटर मियामी वर्तमान में मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में 27 मैचों में 59 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से आठ अंक आगे है.

द. अफ्रीकी टीम अक्टूबर में करेगी बांग्लादेश का दौरा

एजेंसी। ढाका

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज क्रमशः ढाका और चट्टगांव में खेले जाने की संभावना है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी.बीसीबी अधिकारी ने क्रिकबज से बातचीत में जोर देकर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रृंखला जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, इस तथ्य के बावजूद कि देश में राजनीतिक स्थिति के कारण संदेह पैदा हो गया था, तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी.उम्मीद है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अपने आगामी दौरे के संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ बैठेगा. हालाँकि, यह समझा जाता है कि दौरे को लेकर कोई सुरक्षा चिंताएं नहीं हैं. एक अतिरिक्त कारक जो श्रृंखला होने के पक्ष में हो सकता है वह यह है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने बांग्लादेश का दौरा करने के खिलाफ यात्रा सलाह जारी नहीं की है.बीसीबी ने श्रृंखला के लिए एक मसौदा यात्रा कार्यक्रम तैयार किया था और उसके अनुसार, पर्यटक 16 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेंगे. दक्षिण अफ्रीका 21 अक्टूबर से ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट खेलेगा, जबकि श्रृंखला का समापन दूसरा टेस्ट 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाएगा.बीसीबी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को क्रिकबज को बताया, हमें उम्मीद है कि दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगा और हम आने वाले दिनों में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे.हाल ही में राजनीतिक अशांति के कारण आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था, जबकि न्यूजीलैंड ए टीम का बांग्लादेश दौरा भी पुनर्निर्धारित किया गया था.

दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी

कोरिया ओपन से स्वीयाटेक सहित कई खिलाड़ी हटे

एजेंसी।सोल

विश्व नंबर 1 इगा स्वीयाटेक और गत चैंपियन जेसिका पेगुला सहित शीर्ष नाम 16 से 22 सितंबर तक सोल में होने वाले कोरिया ओपन से हट गए हैं. विश्व नंबर 4 एलेना रिबाकिना और यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट एम्मा नवारो भी कोरिया ओपन से हट गयी हैं. टूर्नामेंट आयोजकों ने संवाददाताओं को बताया कि इस साल फ्रेंच ओपन जीतने वाली और हाल ही में पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने वाली इगा स्वीयाटेक ने थकान को अपने हटने का कारण बताया है. स्वीयाटेक, जो पिछले महीने के कैनेडियन ओपन से भी इन्हीं कारणों से बाहर हो गई थीं, उनके लिए यह सीज़न काफी कठिन रहा, जिसकी परिणति यूएस ओपन में पेगुला से क्वार्टर फाइनल में हार के साथ हुई. पोलिश स्टार क्ले पर अपने प्रभुत्व के लिए एक वैश्विक सनसनी बन गई है, लेकिन जैसे-जैसे सीज़न आगे बढ़ता है, उसे थकावट से जूझना पड़ा है. कोरिया ओपन की मौजूदा चैंपियन और यूएस ओपन की उपविजेता जेसिका पेगुला भी पसली की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं. पेगुला वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में से एक रही हैं , जिसने कई ग्रैंड स्लैम आयोजनों में शानदार प्रदर्शन किया है. उनके हटने से टूर्नामेंट की लाइनअप में एक बड़ा अंतर आ गया है. एक और हाई-प्रोफाइल अनुपस्थिति पूर्व विंबलडन चैंपियन और वर्तमान विश्व नंबर 4 एलेना रिबाकिना की होगी, जो पीठ की चोट के कारण बाहर हैं. रिबाकिना के शक्तिशाली बेसलाइन गेम ने उन्हें डब्ल्यूटीए टूर पर एक ताकत बना दिया है, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण उन्हें सोल में होने वाले मुकाबले से चूकना पड़ा. नाम वापस लेने के अलावा, यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट एम्मा नवारो ने भी अपने कार्यक्रम में बदलाव का हवाला देते हुए कोरिया ओपन को छोड़ने का फैसला किया है. अपने हालिया प्रदर्शन से प्रशंसकों को प्रभावित करने वाली नवारो भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए ऊर्जा बचाने की कोशिश करेगी.

पुरुषों ने दर्ज की तीसरी जीत

एजेंसी। नई दिल्ली

बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने तीसरे दौर में जीत दर्ज की.तीसरे दौर में पुरुषों ने मेजबान हंगरी-बी को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिलाओं ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया.द्रोणावल्ली हरिका की हार टूर्नामेंट में किसी भारतीय खिलाड़ी की पहली हार थी. उन्हें शीर्ष बोर्ड पर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक ने हराया, जिन्होंने अतीत में रूस का प्रतिनिधित्व किया था.अन्य सभी भारतीय महिलाओं ने जीत हासिल की, दूसरे बोर्ड पर आर. वैशाली ने ग़ज़ल हकीमीफर्ड को, तीसरे पर दिव्या देशमुख ने सोफिया ह्रीज़लोवा को और चौथे पर वंतिका अग्रवाल ने मारिया मानको को हराया. ओपन वर्ग में भारत का शत-प्रतिशत रिकॉर्ड मेजबान देश की दूसरी टीम ने तोड़ा. पहले कुछ दिनों में अपने सभी आठ गेम जीतने के बाद, दूसरे वरीय भारत को आधा अंक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि विदित गुजराती को गैबोर पप्प ने चौथे बोर्ड पर ड्रॉ पर रोक दिया था.

टूर्नामेंट

तिलक वर्मा, अभिमन्यु ईश्वरन और प्रथम सिंह ने गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी

दलीप ट्रॉफी में दूसरे राउंड के तीसरे दिन लगे तीन शतक

एजेंसी। नयी दिल्ली

दलीप ट्रॉफी के दूसरे राउंड के तीसरे दिन शतक लगाए. टूर्नामेंट में इंडिया ए का हिस्सा तिलक ने दूसरी पारी में इंडिया डी के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी. उन्होंने तीसरे नंबर पर उतरने के बाद 177 गेंदों में सेंचुरी कंप्लीट की. उन्होंने इस दौरान 9 चौके मारे. यह तिलक के पांचवां फर्स्ट क्लास करियर का पांचवां शतक है. तिलक को बिजी घरेलू शेड्यूल से पहले काफी आत्मविश्वास मिलेगा. वह भारत के लिए चार वनडे और 16 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं. वहीं, तिलक से पहले इंडिया ए के लिए तीसरे दिन ओपनर प्रथम सिंह ने शतक जमाया. रेलवे के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अनंतपुर क्रिकेट ग्राउंड 189 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 122 रन की पारी खेली. 32 वर्षीय प्रथम ने दलीप ट्रॉफी में पहली बार सेंचुरी बनाई है. प्रथम को सौरभ कुमार ने 60वें ओवर में श्रेयस अय्यर के हाथों लपकवाया. उन्होंने तिलक के साथ दूसरे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी की. प्रथम ने पहली पारी में 7 जबकि तिलक ने 10 रन बनाए थे. प्रथम ने 2017 में घरेलू क्रिकेट में डेब्यू किया था. वह रेलवे के लिए तीनों प्रारूपों में 1000 से अधिक रन बनाए चुके हैं. दूसरी ओर, इंडिया बी के कप्तान और सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने इंडिया सी के खिलाफ पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी की. उन्होंने मुश्किल हालात में शतक लगाया. वह 79 ओवर का खेल होने के बावजूद 119 रन बनाकर नाबाद हैं.

उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 24वां सैकड़ा बनाया है. बता दें कि इंडिया सी ने पहली पारी में 525 का विशाल स्कोर खड़ा किया ईश्वरन ने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई. उन्होंने एन जगदीसन (70) के साथ पहले विकेट के लिए 129 रन की साझेदार की. इसके बाद, मुशीर खान (0), सरफराज खान (16) और रिंकू सिंह (6) कोई कमाल नहीं दिखा सके.

अल्काराज, बतिस्ता का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी। मैड्रिड

कार्लोस अल्काराज और रॉबर्टो बतिस्ता ने शुक्रवार को वेलेंसिया में फ्रांस के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने एकल मैच जीते. इसी के साथ स्पेन ने डेविस कप के अंतिम चरण में अपनी जगह पक्की भी की. अल्काराज ने दमदार प्रदर्शन करते हुए उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-3 से हराया और अब उसका रविवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबला होगा. हम्बर्ट ने विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक होने की कोशिश की, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने, अल्काराज हावी दिखे. बतिस्ता ने स्पेन को विजयी शुरुआत दिलाई, हालांकि स्थानीय खिलाड़ी को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करनी पड़ी और दूसरे सेट में ब्रेक डाउन के बाद उन्होंने आर्थर फिल्स को तीन घंटे से भी कम समय में 2-6, 7-5, 6-3 से हराया. पहला सेट हारने के बाद, दूसरे सेट में 5-3 से पिछड़ने के बाद बतिस्ता हार की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी की और फिर तीसरे सेट में जीत दर्ज की. डेविस कप का अंतिम चरण 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के शहर मलागा में खेला जाएगा.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में समारोह पूर्वक मनाया गया हिंदी दिवस, राजभाषा पखवाड़ा की भी शुरूआत हुई

भारत की आजादी में हिंदी का योगदान अहम : डॉ पीके नायक

- 14 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा राजभाषा पखवाड़ा
- संवाद, कार्यशाला और कहानी पाठ का होगा आयोजन

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सभागार में शनिवार को हिंदी दिवस समारोह के आयोजन के साथ ही राजभाषा पखवाड़ा की शुरुआत हो गई. राजभाषा पखवाड़ा 14 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा. इस क्रम में 18 सितंबर को हिंदी की वैश्विक फलक और विद्यार्थियों की भूमिका पर ऑनलाइन संवाद किए जाएंगे. 20 को हिंदी कार्यशाला, 21 को हिंदी योग्यता प्रमाणन प्रतियोगिता, 24 को हिंदी कविता पाठ, 26 को वाद-विवाद प्रतियोगिता, 28 को हिंदी कहानी पाठ प्रतियोगिता और 30 सितंबर को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा.

कार्यक्रम में मौजूद आईसेक्ट विश्वविद्यालय के प्राध्यापक व अन्य.

विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह की शुरुआत कुलपति डॉ पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार, डॉ अरविंद कुमार, डॉ जयदीप सन्याल समेत अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की. इस अवसर पर डॉ पीके नायक ने कहा कि भारत की आजादी में हिंदी भाषा का योगदान अहम रहा है. उन्होंने राजभाषा के रूप में हिंदी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और कहा कि हम सभी को अपने-अपने जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाना चाहिए.

हिंदी भाषा ने हमें संस्कृति से जोड़ा : डॉ मुनीष

डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि हिंदी जीवंत भाषा है, जिसने सबको समेटा है. हिंदी भाषा ने राजनीतिक सीमाओं को तोड़ कर हमें संस्कृति से जोड़ा है. उन्होंने कहा कि आगामी 30 सितंबर तक विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा और समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार के साथ साथ प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे. कार्यक्रम के दौरान हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए शपथ भी लिया गया. मंच संचालन डॉ रोजीकांत और धन्यवाद ज्ञापन पल्लवी कुमारी ने किया.

नम आंखों से दी गई गणपति बप्पा को विदाई

गणेश चतुर्थी के दिन आईसेक्ट विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई थी. शनिवार की शाम आरती के बाद नम आंखों से गणपति बप्पा को विदाई दी गई. इस दौरान एक-दो-तीन-चार गणपति बप्पा की जय-जयकार, गणपति बप्पा मोरया जैसे नारों से पूरा विश्वविद्यालय परिसर गूंज उठा. मूर्ति विसर्जन के दौरान विश्वविद्यालय के कई प्राध्यापक, प्रध्यापिका एवं कर्मियों के साथ साथ बड़ी संख्या विद्यार्थी मौजूद थे.

चौकीदारों की नियुक्ति करनेवाला राज्य का पहला जिला बना रामगढ़

- शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने 72 कर्मियों को सौंपा था नियुक्ति पत्र
- नवनियुक्त चौकीदारों ने सीएम और डीसी का आभार जताया

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ एवं बोकारो जिला के लिए फुटबॉल मैदान, ललपनिया में आयोजित 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामगढ़ जिला स्तरीय चौकीदार बहाली के तहत चयनित 72 कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपा. यह कार्यक्रम बीते शुक्रवार को आयोजित हुआ था. इसी के साथ रामगढ़ जिला राज्य में सफलतापूर्वक चौकीदार नियुक्ति पूर्ण करने वाला पहला जिला बन गया.

लंबे समय से लंबित चौकीदार बहाली पर संज्ञान लेते हुए डीसी चंदन कुमार के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया पूर्ण की गई. कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त चौकीदारों को शुभकामनाएं दी और सभी के साथ फोटो भी खिंचवाया. कार्यक्रम के बाद रामगढ़ डीसी ने सभी नवनियुक्त चौकीदारों को शुभकामनाएं दी और आने वाले समय में बेहतर तरीके से कार्य करने की बात कही. इस दौरान सभी नवनियुक्त कर्मियों ने चयन प्रक्रिया पूर्ण होने पर आभार व्यक्त किया.

ब्रीफ खबरें

बेलतू में की फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

बड़कागांव। एनएमएल पकरी बरवाडीह के बैनर तले बेल्तू गांव में पंचायत स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. बेल्तू मुखिया जितनी देवी ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया गया. मौके पर डीजीएम (सीएसआर/आर एंड आर) एसके सेनापति, सीनियर मैनेजर (सीएसआर) कमलाराम राजक और पंचायत समिति सदस्य मौजूद थे. इस आयोजन में 12 पड़ोसी गांवों की फुटबॉल टीमों ने भाग लिया. मुखिया ने गांव-समुदाय में खेल भावना को प्रोत्साहित करने और आयोजन को सफल बनाने के लिए एनएमएल को सराहना प्रकट की.

जेएलकेएम के प्रमंडलीय प्रवक्ता बने तनवीर आलम

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने मायल निवासी तनवीर आलम को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय प्रवक्ता मनोनीत किया है. प्रमंडलीय प्रवक्ता बनाए जाने पर तनवीर आलम ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो ने हमें जिस उम्मीद के साथ यह जिम्मेवारी सौंपी है, उसपर खरा उतरने का प्रयास करूंगा. इनके प्रवक्ता बनाएं जाने पर केंद्रीय महामंत्री संतोष चौधरी, उपाध्यक्ष संतोष टिडवार, संतोष प्रजापति, भारती कुशवाहा, नौशाद अख्तर, निसार अंसारी, जियाउल अंसारी, मुख्तार आलम, शमसुल अंसारी, शहीद अंसारी आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है.

हंटरगंज में आपके द्वार कार्यक्रम संपन्न

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड में बीते एक पखवाड़े से चल रहा आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम संपन्न हो गया. कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप और सीओ सीताराम महतो ने प्रखंड वासियों का आभार जताया. शिविर के अंतिम दिन उरैली पंचायत सचिवालय एवं तिलहेत पंचायत सचिवालय में बीडीओ एवं सीओ की उपस्थिति में फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.बीडीओ और सीओ ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को आपके गांव तक लाया गया है. इन योजनाओं की जानकारी लेकर ग्रामीण अधिकाधिक लाभ लें.

निजी स्कूल में नौवीं कक्षा में रजिस्ट्रेशन के नाम पर वसूली का खेल

रजिस्ट्रेशन का ले रहे पांच हजार, रसीद भी नहीं दे रहे

निजी स्कूलों के मनमाने रवैये के कारण अभिभावकों के लिए अपने बच्चों को वहां पढ़ाना काफी मुश्किल होता जा रहा है. पहले इन स्कूलों में पढ़ाई के नाम पर मोटी फीस वसूली जाती थी और साल में एक बार री-एडमिशन के नाम पर पैसा भी लिया जाता था. इसके अलावा स्कूल ड्रेस, किताब-कॉपी तक स्कूल से ही लेने की बाध्यता कर दी गई थी. लेकिन सरकार द्वारा निजी स्कूलों के लिए आदेश जारी करने के बाद प्रत्येक साल री-एडमिशन के नाम पर पैसे की वसूली पर रोक लग गया. इसके बाद निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों से मोटी कमाई वसूलने के लिए नया तरीका निकाल लिया गया. अब स्कूल प्रबंधन अपने छात्रों के नौवीं कक्षा में प्रवेश करने के साथ ही तरह-तरह का चार्ज लेना शुरू कर देते हैं. इसमें रजिस्ट्रेशन के नाम पर 5,000 रुपये वसूले जा रहे हैं. इतना ही नहीं, नौवीं कक्षा में ही रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अतिरिक्त ढाई हजार रुपये लेकर छात्रों का 11वीं कक्षा में नामांकन के लिए सीट बुक किया जा रहा है. वहीं, अभिभावकों को लाचार होकर स्कूल में पैसा जमा करना पड़ता है.

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

- संत ऑगस्टीन स्कूल के प्रबंधन पर छात्रों का गंभीर आरोप
- नौवीं के छात्रों से ले रहे 11वीं के नामांकन की अग्रिम राशि

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के छड़वा डैम स्थित संत ऑगस्टीन स्कूल में कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां आठवीं कक्षा पास कर करीब 60 बच्चे नौवीं कक्षा में गए हैं. अब इन बच्चों और उनके अभिभावकों को डरा कर और तरह-तरह के प्रलोभन देकर स्कूल संचालक नौवीं कक्षा में रजिस्ट्रेशन के 5,000 रुपये और ढाई हजार रुपये 11वीं कक्षा में नामांकन के लिए बतौर अग्रिम राशि के रूप में ले रहे हैं. बता दें कि यह स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में आता है और यहां पढ़नेवाले करीब-करीब सभी बच्चे साधारण परिवार से हैं.

स्कूल के नौवीं कक्षा के लगभग दो दर्जन से अधिक बच्चों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पिछले पांच साल से इस विद्यालय में पढ़ते आ रहे हैं और अब नौवीं कक्षा में गए हैं. स्कूल में हर महीने बतौर ट्यूशन फीस महीने1500 रुपये देते हैं. छात्रों ने बताया कि नामांकन के समय स्कूल प्रबंधन द्वारा बताया गया था कि नौवीं कक्षा में पहुंचने के बाद सीबीएसई से रजिस्ट्रेशन होगा, जिसमें 1,000 रुपये लगेंगे. लेकिन अब स्कूल संचालक दबाव बना रहे हैं और कह रहे हैं कि अभी सीबीएसई बोर्ड का नौवीं कक्षा का रजिस्ट्रेशन होना है. इसके लिए 5,000 रुपये देना होगा और 10वीं पास करने के बाद इसी स्कूल में 11वीं की पढ़ाई करना होगा. उसके लिए अभी ही ढाई हजार रुपये देकर सीट बुक कराना होगा.

हजारीबाग के छड़वा डैम स्थित संत ऑगस्टीन स्कूल.

शिक्षा को बना दिया है व्यवसाय का जरिया

दर्जनों अभिभावकों ने बताया कि संत ऑगस्टीन स्कूल एक ऐसे व्यक्ति ने खोला था, जिन्होंने देश सेवा में भी अपना योगदान दिया था. लेकिन उनके परिवार के ही कुछ लोग शिक्षा को व्यवसाय बना दिए हैं. उन्होंने कहा कि यहां छात्रों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर 5,000 रुपये लेने के बाद उसका रसीद भी नहीं दिया जा रहा है. चेतावनी दी कि 11वीं कक्षा के लिए ली गई अग्रिम राशि और रेगुलर छात्रों से रजिस्ट्रेशन के एवज में लिया गया ज्यादा पैसा लौटाया नहीं गया, तो आंदोलन करेंगे. अभिभावकों ने यह भी कहा कि ऐसे स्कूल पर विभाग एवं सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए.

कर्ज लेकर रजिस्ट्रेशन फीस जमा कर रहे

संत ऑगस्टीन स्कूल के कई बच्चों ने बताया कि उनके अभिभावकों ने कर्ज लेकर स्कूल में 7,500 रुपये जमा किया है. छात्रों ने यह भी कहा कि स्कूल संचालक अपनी कमाई करने के चक्कर में हम बच्चों पर पैसे का बोझ डाल रहे हैं. 10वीं पास करने के बाद 11वीं कक्षा में यहीं पर नामांकन लेने की बाध्यता कर दी गई है. छात्रों ने यह भी बताया कि अगर हमलोग खुलकर इसका विरोध करेंगे, तो स्कूल प्रबंधन के द्वारा हम छात्रों पर टॉर्चर किया जाएगा. संभव है कि हमलोगों को मैट्रिक की परीक्षा देने से भी रोक दिया जाए, इसलिए खुलकर विरोध नहीं कर सकते हैं.

पूरी तरह से बेबुनियाद हैं आरोप : डायरेक्टर

इस संबंध में स्कूल की डायरेक्टर सह प्रधानाध्यापक से पूछे जाने पर वह आग बबूला हो गईं. उन्होंने उलटे सवाल पूछा कि किस छात्र ने आपको यह जानकारी दी है. रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर अवैध वसूली और 11वीं के नामांकन के लिए अग्रिम राशि लिए जाने की बात पूरी तरह से बेबुनियाद बताया.

हंटरगंज में लीलाजन नदी पर दो और घर्री नदी पर एक पुल बनेगा

श्रम मंत्री ने रखी पुल निर्माण की नींव

- लीलाजन नदी पर 8.40 करोड़ व 13.36 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे दो पुल
- घर्री नदी पर तीन करोड़ 58 लाख की लागत से होगा पुल का निर्माण

संवाददाता। चतरा

पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास करते मंत्री सत्यानंद भोक्ता.

राज्य के श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग सह उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता शनिवार को हंटरगंज के जोरी स्थित काली मंदिर पहुंचे. वे यहां पुल निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. इस दौरान मंत्री ने आठ करोड़ 40 लाख 97 हजार 800 रुपये की लागत से जोरी और करैलीबार के बीच लीलाजन नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास किया.

इसके बाद भोक्ता कोबना गांव पहुंचे. यहां 13 करोड़ 36 लाख 23 हजार की लागत से लीलाजन नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास किया. इस दौरान स्थानीय मुखिया बबलू मेहता भी मौजूद थे. तत्पश्चात, श्रम मंत्री ने खूंटीकेवाल गांव में चेतना भारती आश्रम के समीप तीन करोड़ 58 लाख चार हजार 700 रुपये की लागत से घर्री नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि सुदूरवर्ती गांवों को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ कर गांवों का समुचित व सर्वांगीण विकास कराने के उद्देश्य से इन पुलों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है.

मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार यादव, बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप, सीओ सीताराम महतो, थाना प्रभारी मनीष कुमार, समाजसेवी समरेश सिंह, नावाडीह मुखिया बसंती पन्ना, कोबना मुखिया बबलू कुमार मेहता, मंत्री प्रतिनिधि देव लाल यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष अशोक यादव, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष चंद्रदेव यादव, उपाध्यक्ष वकील खान, रजनीकांत सिंह, मनीष कुमार, कौलेश्वर यादव, सुनील यादव समेत कफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

इच्छाओं का दमन करना ही तप है : सुयश सागर

हजारीबाग। मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं छुल्लक श्री 105 श्रेय सागर जी महाराज के सानिध्य में 10 दिनों तक चलने वाले दसलक्षण महापर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया. इस अवसर पर बड़ा बाजार स्थित दिगंबर जैन भवन में सामूहिक कलश, अभिषेक, शांति धारा और विधान के कार्यक्रम चला. सभी कार्यक्रम होने के बाद सुबह नौ बजे मुनिश्री का प्रवचन शुरू हुआ. मुनि श्री ने प्रवचन में कहा कि विरले ही जीव हैं, जिन्हें देशना श्रवण करने का अवसर प्राप्त होता है. इच्छाओं का दमन करना ही तप है. सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र रत्न त्रय हैं.

इचाक और बरकट्ठा क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

- समाहरणालय में जन शिकायत कोषांग केंद्र का आयोजन
- गौतम कुमार ने इचाक क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया

संवाददाता। हजारीबाग

जिला समाहरणालय में पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह की निगरानी में जन शिकायत कोषांग केंद्र का आयोजन किया गया. इसमें जिले के सभी थाना प्रभारी द्वारा जनसमस्याओं का सात दिन के अंदर निवारण के लिए स्टॉल लगाया गया था. बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के जेबीकेसस के युवा नेता गौतम कुमार ने इचाक थाना प्रभारी संतोष कुमार के समक्ष इचाक व बरकट्ठा क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता जाहिर की.

उन्होंने बरकट्ठा व इचाक में सभी टर्निंग पॉइंट पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की. साथ ही इचाक के विभिन्न क्षेत्रों में पोल, तार व 100 केवी का ट्रांसफर्मर लगाने की मांग की. युवाओं के बीच नशाखोरी खत्म करने के लिए मुहिम चलाने की भी मांग की. इचाक थाना प्रभारी ने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए सात दिन के अंदर पहल करने की बात कही.

पदमा के अडार में चंगाई सभा का विरोध करने पर ग्रामीणों पर हमला

पत्थरबाजी में दो दर्जन से अधिक चोटिल

- एक ग्रामीण की हालत षगंभीर हजारीबाग रेफर

संवाददाता। हजारीबाग

पदमा के अडार में चंगाई सभा का विरोध करने पर ग्रामीणों पर सभा में पहुंचे सैकड़ों लोगों ने हमला बोल दिया. जमकर पत्थर और लाठी-डंडे चले. घटना शनिवार की दोपहर की है. मारपीट में दो दर्जन से अधिक लोग चोटिल हुए हैं. घायलों को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं, ग्रामीण पुरुषोत्तम पांडेय को गंभीर हालत में हजारीबाग रेफर किया गया.

इधर, चंगाई सभा में हंगामा की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया. जानकारी के मुताबिक, पदमा ओपी में देर शाम प्राथमिकी दर्ज करने की कवायद जारी थी.

चंगाई सभा करने का आरोप पदमा के अडार निवासी शिव कुमार यादव पर है. आरोप है कि वह सनातन परम पिता परमेश्वर के नाम पर देवी-देवताओं के खिलाफ महिलाओं को भड़का रहा था. वह दूसरे धर्म के नाम पर लोगों की परेशानी दूर करने और बीमारी ठीक करने का दावा करता है. ग्रामीण लंबे समय से इसका विरोध कर रहे थे. शनिवार को सैकड़ों लोग चंगाई सभा में आए थे. ग्रामीणों ने जब इसका विरोध किया, तो शिव कुमार के लोगों ने पत्थरबाजी और ग्रामीणों के साथ मारपीट शुरू कर दी.

> भीड़ जमा होने और चंगाई सभा की कोई जानकारी नहीं थी. मामला शांत है. लिखित आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी.
> राणा भानु प्रताप सिंह
> पदमा ओपी प्रभारी.

यूपीएस तो झांकी है, ओपीएस अभी बाकी है

- हूबहू ओपीएस प्राप्ति तक संघर्ष करेंगे : ओपी शर्मा

संवाददाता। रामगढ़

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन बरकाकाना शाखा प्रांगण में शनिवार की शाम रेलकर्मियों की विशेष बैठक हुई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो जियाउद्दीन एवं ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा उपस्थित थे. बैठक की अध्यक्षता पीके गांगुली और संचालन जोनल युवा कमेटी के उपाध्यक्ष अमर कुमार सिंह ने किया. वहीं शाखा सचिव महेंद्र प्रसाद महतो ने अतिथियों का स्वागत किया.

बरकाकाना शाखा प्रांगण में बैठक करते रेलकर्मी.

बैठक में यूपीएस के घोषित प्रावधानों, ओपीएस से तुलनात्मक कमियों और आवश्यक संशोधन सुधारों के लिए भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई. इस दौरान एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा ने कहा कि 24 अगस्त को केंद्र सरकार द्वारा यूपीएस के तहत केंद्रीय कर्मचारियों को अंतिम वर्ष के औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि के रूप में पेंशन की गारंटी दी गई है. 10 हजार रुपये न्यूनतम पारिवारिक पेंशन, मंहगाई भत्ता तथा मंहगाई राहत, ग्रेच्युटी तथा योगदान राशि में से एकमुश्त राशि का भुगतान की भी व्यवस्था की गई है. उन्होंने कहा कि हूबहू ओपीएस प्राप्ति तक संघर्ष जारी रखेंगे.

वहीं, अपर महामंत्री मो जियाउद्दीन ने कहा कि वर्तमान सरकार से यूपीएस के तहत पेंशन की गारंटी प्राप्त करना युवा रेलकर्मियों के आंदोलन की बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने नारा दिया कि यूपीएस तो झांकी है, ओपीएस अभी बाकी है. मौके पर सैकड़ों रेलकर्मी मौजूद थे.

स्मृति शेष | सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर मंजूर भवन में शोक सभा का आयोजन

सीताराम येचुरी ने नेता नहीं, नीति बदलो का नारा दिया था

- सामाजिक न्याय की वकालत के लिए जाने जाते रहे येचुरी : सीटू
- बदलते राजनीतिक परिदृश्य के साथ तालमेल बिठाया : मेहता

संवाददाता। हजारीबाग

लंबे समय से बीमार चल रहे सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी का बीते दिनों दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था. उनके आकस्मिक निधन पर शनिवार को स्थानीय मंजूर भवन में शोक सभा का आयोजन किया गया. अध्यक्षता सीपीआई (एम) के जिला सचिव ईश्वर महतो और संचालन गणेश कुमार सीटू ने किया. सीटू ने कहा कि सीताराम येचुरी एक भारतीय राजनीतिज्ञ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के प्रमुख नेता थे.

वे वामपंथी नीतियों और सामाजिक न्याय की वकालत के लिए जाने जाते रहे. विशेष रूप से मजदूर वर्ग के सामने आने वाली चुनौतियों और भारत में प्रगतिशील सुधारों की आवश्यकता पर उन्होंने काफी बल दिया था. वहीं, पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि सीताराम येचुरी का जन्म 12 अगस्त, 1952 को तमिलनाडु के चेन्नई में एक तेलगु भाषी ब्राह्मण परिवार में हुआ था. सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के नेतृत्व में पार्टी ने व्यावहारिकता और हठधर्मिता के बीच की खाई को पाटते हुए, बदलते राजनीतिक परिदृश्य के साथ तालमेल बिठाया और अपनी वैचारिक जड़ों को बनाए रखा. उन्होंने नेता नहीं, बल्कि नीति बदलो का नारा दिया था.

हजारीबाग के मंजूर भवन में आयोजित शोकसभा में उपस्थित गणमान्य.

सीताराम येचुरी का राजनीतिक सफर

सीताराम येचुरी ने 1974 में जेएनयू में रहते हुए स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ता के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की. वे 1975 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) में शामिल हुए. 1975-77 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था. आपातकाल हटाने के बाद, वे 1977 और 1978 के बीच तीन बार जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए. येचुरी 1984 में केंद्रीय समिति और 1992 में सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो के सदस्य बने. उन्होंने 1996 में संयुक्त मोर्चा सरकार और 2004 में यूपीए सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. येचुरी 19 अप्रैल 2015 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव चुने गए थे. वे 2005 से 2017 तक पश्चिम बंगाल से राज्यसभा के सांसद भी रहे.

शोक सभा को बीमा कर्मचारी महासंघ के महासचिव जेसी मित्तल, बिहार स्टेट सेल्स मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के सचिव सुदीप चटर्जी, डीवीसी श्रमिक यूनियन के नेता हरेंद्र सरकार, राजपत्रित कर्मचारी महासंघ के नेता रामविलास सिंह, बैंक इमप्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेता चंद्रशेखर आजाद, सीपीआई के जिला सचिव अनिरुद्ध प्रसाद, सीपीएम के तपेश्वर राम, विपिन कुमार सिन्हा, सुरेश कुमार दास, गुलाब साहू, वरिष्ठ अधिवक्ता गुलाम जिलानी, महेंद्र राम, अधिवक्ता शंभू कुमार, डॉ अनवर हुसैन, निजाम अंसारी, मजीद अंसारी, शौकत अनवर सहित कई संगठनों के नेताओं ने भाग लिया.

पीवीयूएनएल में हिंदी पखवाड़ा शुरू

संवाददाता। रामगढ़

पीवीयूएनएल पतरातू में हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा हिंदी की शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर सभी कर्मचारियों ने हिंदी को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में प्राथमिकता से प्रयोग करने की शपथ ली. इस आयोजन के साथ ही हिंदी पखवाड़ा की शुरुआत की गयी, जिसे 14 से 28 सितंबरतक मनाया जाएगा. इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरके सिंह ने सभी उपस्थित कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी का अपने कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक प्रयोग करने की शपथ दिलाई. मानव संसाधन प्रमुख जियाउर रहमान ने कई नए पहलुओं और सुझावों पर चर्चा की.

न्यूज अपडेट

तीन मंजिला मकान, 10 लोग दबे

मेरठ । उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक तीन मंजिला मकान गिर गया है उसमें कम से कम 10 से अधिक लोग और पशु मलबे में दब गए हैं. जो मकान गिरा है उसके मालिक का नाम नफ्फो अलाउद्दीन है और इस मकान के नीचे डेयरी चल रही थी. इस हादसा मेरठ की जाकिर कॉलोनी गली नंबर 8 का है. मुख्यमंत्री ने मेरठ में हुए हादसे का संज्ञान लिया, मुख्यमंत्री के निर्देश पर राहत-बचाव की टीमें मौके पर रवाना हो गई हैं. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया.

पूर्व गृहमंत्री का बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली । बांग्लादेश के पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल के बेटे सफी मुद्दस्सिर खान ज्योति को शुक्रवार देररात को ढाका के उत्तरा इलाके से गिरफ्तार किया गया. उनकी गिरफ्तारी आशुलिया थाने में दर्ज एक मामले में की गई है. देश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, ढाका जिला पुलिस अधीक्षक अहमद मुईद ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि कमाल के बेटे ज्योति को रात साढ़े तीन बजे गिरफ्तार किया गया. उसे आज ही अदालत में पेश किया जाएगा.

खाई में गिरी कार, चालक समेत तीन मरे

अल्मोड़ा । अल्मोड़ा में भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक घटना सामने आई है. लमगड़ा तहसील के सांगड़ मोटर मार्ग पर हल्द्वानी से पिथौरागढ़ जा रही अल्टो कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी. हादसे में चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई. जबकि दो घायल हो गए. देर रात हुए कार हादसे में कार सवार रजनी पुत्री रविंद्र कुमार निवासी बीसा बजेठा पिथौरागढ़ व सुनीता देवी पत्नी रविंद्र कुमार निवासी कुमौड़ा पिथौरागढ़ की मौके पर ही मौत हो गई.

कुएं में मिले एक ही परिवार के चार के शव

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोपरा में शनिवार सुबह एक कुएं में तीन महिलाओं और एक बच्ची का शव मिला है. इनमें दो महिलाएं फंदे पर लटकी मिलीं, जबकि बुजुर्ग महिला का शव पानी में उतराया हुआ और छह साल की बच्ची का शव पानी में डूबा मिला. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को एसडीआरएफ की टीम की मदद से करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद 35 फीट गहरे कुएं से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया.

कॉल सेंटर पर छापा, 50 गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का धंधा चलाने वाले दो चीनी नागरिकों के कॉल सेंटर पर छापेमारी कर 40 लड़कियों को गिरफ्तार किया. इनसे पूछताछ के बाद काठमांडू के विभिन्न स्थानों से दो चीनी नागरिकों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इस मामले में अब तक कुल 50 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. ठगी करने के लिए चीनी नागरिकों ने क्रिप्टो करेंसी को माध्यम बनाया था. काठमांडू में एक तीन मंजिला पूरा घर ही किराए पर लिया गया था

अमेरिकी अधिकारी ब्रेंट नीमन ढाका पहुंचे

ढाका । अमेरिका के सरकारी अधिकारी ब्रेंट नीमन आज सुबह बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे. उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है. ढाका में हवाई अड्डे पर ब्रेंट नीमन का स्वागत बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के महानिदेशक खंडकेर मसूदुल आलम ने किया. ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, अर्थशास्त्री ब्रेंट नीमन राज्य अमेरिका के ट्रेजरी विभाग में अंतरराष्ट्रीय वित्त और विकास के लिए ट्रेजरी के कार्यवाहक सहायक सचिव के रूप में कार्य करते हैं.

मणिपुर में रॉकेट व विस्फोट हुआ बरामद

इंफाल । मणिपुर में उग्रवादियों के विरुद्ध सुरक्षा वालों का अभियान जारी है. इस अभियान के दौरान भारी मात्रा में रॉकेट, बम लांचर तथा विस्फोटक सामग्री आदि बरामद हुई है. केंद्रीय गृह मंत्रालय से 20 सितंबर तक मामलों की जांच का प्रतिवेदन मिलने की प्रतीक्षा की जा रही है. इसके बाद गृह मंत्रालय मणिपुर को लेकर कोई बड़ा फैसला कर सकता है. मणिपुर पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान चल रहा है.

भूस्खलन में महिला समेत तीन की मौत

देहरादून । आपदा प्रभावित राज्य उत्तराखंड में जगह-जगह हो रहा भूस्खलन जानलेवा होता जा रहा है. मलबा कब किस पर गिर जाए, किसी को नहीं पता होता. शनिवार को भूस्खलन के मलबे में दबकर तीन लोगों की मौत हो गई. एसडीआरएफ ने मलबे से सभी शव निकालकर कर पुलिस के सुपुर्द किया है. आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम पिथौरागढ़ से गढ़कोट में भूस्खलन से एक महिला के दबने की सूचना पर एसडीआरएफ टीम पहुंची.

मकान की छत गिरी, पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार देर बाद आए आंधी-तूफान के दौरान एक मकान की छत भरभरा कर ढह गई. इस हादसे में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई. बचाव अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह हादसा चारसद्दा जिले के तुरंगजई के खट्ट कोरुना इलाके में हुआ. मृतकों में साजिद, उनकी पत्नी और तीन बच्चे शामिल है. इन बच्चों में आठ वर्षीय मोसा और सात वर्षीय हनीफा भी हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर

गौ माता ने दिया 'दीपज्योति' को जन्म

नई दिल्ली । नई दिल्ली के सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में गौ माता के नवजात बच्चे के रूप में बछिया को जन्म दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवजात बछिया का नाम दीपज्योति रखा है. प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, हमारे शास्त्रों में कहा गया है-गाव : सर्वसुख प्रदा : . लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है.

डॉक्टरों के मंच पर पहुंचीं ममता, कहा-

मुख्यमंत्री नहीं, बड़ी बहन के रूप में आई हूं, सभी मांगों पर विचार करूंगी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को अचानक साल्ट लेक स्थित स्वास्थ्य भवन पहुंचीं, जहां आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए घटनाक्रम के खिलाफ जूनियर डॉक्टरों ने धरना दिया है. इस धरने में शामिल डॉक्टरों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि उनकी "दीदी" के रूप में आई हैं और उनकी सभी मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुना जाएगा. मुख्यमंत्री के साथ इस मौके पर राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार भी मौजूद थे. ममता ने डॉक्टरों के धरनास्थल पर जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डॉक्टरों को अपना संदेश दिया. हालांकि, जब ममता मंच पर पहुंचीं, तो धरना स्थल से नारेबाजी जारी रही और कुछ देर तक असमंजस वाली स्थिति बन गई.

ममता ने डॉक्टरों से शांत रहने और उन्हें बोलने का मौका देने की अपील की. बनर्जी ने कहा, मैं यहां अपनी सुरक्षा के निर्देशों के बावजूद आई हूं. मैं आपके आंदोलन को सलाम करती हूं. मैं खुद एक छात्र आंदोलन से निकली हूं. मैं समझ सकती हूं कि 34 दिन से धरने पर बैठे रहना कितना कठिन है. आप सड़क पर हो तो मुझे भी आपकी निगरानी करनी पड़ती है.

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, "सुप्रीम कोर्ट में यह मामला विचाराधीन है. मैं यहां आंदोलन के प्रति सहानुभूति रखने वाली एक बड़ी बहन के रूप में आई हूं. मुझे थोड़ा समय दीजिए, सबकुछ ठीक हो जाएगा. बनर्जी ने आंदोलनरत डॉक्टरों से धरनास्थल पर परोसे जा रहे भोजन को लेकर सावधान रहने की अपील भी की. उन्होंने कहा, "आपके पास आने का मतलब यह नहीं कि मैं छोटी हो रही हूं बल्कि यह मेरा प्रयास है कि समाधान निकले. यह मेरी आखिरी कोशिश है. इससे पहले गुरुवार को डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की मांग की थी, जिसके तहत 32 डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल नवान्न पहुंचा था. हालांकि, बैठक बेनतीजा रही, क्योंकि डॉक्टरों ने बैठक का सीधा प्रसारण करने की मांग की, जिसे सरकार ने अस्वीकार कर दिया था. अब जब सीधे मुख्यमंत्री धरना स्थल पर पहुंचकर डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की हैं तो इसका क्या कुछ असर होता है, यह देखने वाली बात होगी.

सरकार उनकी सभी मांगों पर विचार करेगी

मुख्यमंत्री ने जूनियर डॉक्टरों से अपील की कि अगर वे काम पर लौटना चाहते हैं, तो सरकार उनकी सभी मांगों पर विचार करेगी. ममता ने कहा, मैं अकेले सरकार नहीं चलाती. मैं सभी से सलाह-मशविरा करूंगी. अगर कोई दोषी होगा, तो उसे सजा मिलेगी. मैं सीबीआई से अनुरोध करूंगी कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए. आप काम पर लौटिए, मैं आपको यकीन दिलाती हूं कि कोई भी गलत काम करने वाला बच नहीं पाएगा. ममता ने आश्वासन दिया कि अस्पतालों की रोगी कल्याण समितियों का पुनर्गठन किया जाएगा. उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की रोगी कल्याण समिति को तुरंत भंग कर दिया और नई समिति के गठन का वादा किया. उन्होंने कहा, आपके घर के भाई-बहन की तरह मैं आपके साथ हूं. कोई अन्याय नहीं होगा. अगर कोई दोषी है, तो उसे सजा मिलेगी. मैं किसी की मित्र या शत्रु नहीं हूं. जो लोग मेरे मित्र कहे जा रहे हैं, मैं उन्हें जानती तक नहीं.

आरजी कर मामला

बारिश के बावजूद जूनियर डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन पांचवें दिन भी जारी

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार-हत्याकांड मामले को लेकर जूनियर डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन शनिवार को पांचवें दिन भी जारी है. वे अनिश्चित काल के लिए प्रदर्शन जारी रखने की तैयारी कर रहे हैं. शुक्रवार रात और शनिवार सुबह हुई छिटपुट बारिश के कारण प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों को असुविधा का सामना करना पड़ा. हालांकि, हड़ताली डॉक्टरों ने अपना प्रदर्शन और विरोध जारी रखा. हालांकि, कुछ व्यक्तिगत और सामाजिक संगठनों ने प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्हें बारिश से बचाने के लिए तिरपाल उपलब्ध कराए. शनिवार सुबह छिटपुट बारिश जारी रहने के दौरान प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टर तिरपालों का उपयोग करके बारिश से बचने में कामयाब रहे.

शिमला में मस्जिद को लेकर हिंदू संगठन का बवाल

सड़क पर किया हनुमान चालीसा पाठ

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश के शिमला के सुन्नी कस्बे में संजौली मस्जिद विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है. इसको लेकर कुल्लू में विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ''हनुमान चालीसा'' का पाठ किया. प्रदर्शनकारियों ने मस्जिद के अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ नाराजगी जताई. शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराते हुए लोगों ने प्रशासन से मुद्दों को हल करने की मांग की. कुल्लू के अखाड़ा बाजार में लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर कहा कि मस्जिद का निर्माण अवैध रूप से किया गया है और यह क्षेत्र में अतिक्रमण का हिस्सा है. विरोध करने वाले लोगों ने प्रशासन से इस अवैध निर्माण को तुरंत हटाने की मांग की है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि धार्मिक स्थलों के निर्माण में कानूनी प्रक्रिया का पालन होना चाहिए. बिना अनुमति के निर्माण से व्यवस्था पर असर पड़ता है. प्रशासन ने विरोध प्रदर्शनों को संज्ञान में लेते हुए स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है.

अंतरिक्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में वोट डालेंगी सुनीता विलियम्स

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके नासा सहयोगी बुच विल्मोर ने शनिवार को स्पेस से 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में वोट डालने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की. बता दें दोनों अंतरिक्ष यात्री वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे हुए हैं. हालांकि दोनों ने अंतरिक्ष में होने के बावजूद अपने नागरिक कर्तव्य को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया. विलियम्स ने बताया कि उन्होंने पहले ही मतपत्रों के लिए अपने अनुरोध भेज दिए हैं. उन्होंने कहा, अंतरिक्ष से मतदान करने के लिए हम उत्सुक हैं. विलमोर ने अमेरिकी नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि ''नासा हमारे लिए ऐसा करना बहुत आसान बनाता है. 5 नवंबर को होने वाले 2024 के अमेरिकी चुनावों में डेमोक्रेट कमला हैरिस और रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प के बीच मुकाबला होगा.

सीएम योगी का बड़ा बयान

ज्ञानवापी ही साक्षात विश्वनाथ जी हैं

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ज्ञानवापी को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि लोग आज के समय में ज्ञानवापी को दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं. लेकिन वो ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ जी हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान गुरुवार को ज्ञानवापी पर वाराणसी कोर्ट के फैसले के बाद आया है. आपको बता दें कि वाराणसी की एक अदालत ने हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें स्थानीय जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाने की मरम्मत करने का आदेश देने का अनुरोध किया गया था.

वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट परिसर के स्थानीय संरक्षक हैं. सिविल जज सीनियर डिवीजन हितेश अग्रवाल की अदालत ने गुरुवार को तहखाने में चल रही पूजा गतिविधियों को बरकरार रखा और मुस्लिम पक्ष द्वारा उठाई गई आपत्तियों और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित चुनौती को ध्यान में रखा. हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि न्यायालय का फैसला मुस्लिम पक्ष द्वारा व्यास जी के तहखाना में मरम्मत के विरोध और सुप्रीम कोर्ट में चल रही कानूनी कार्यवाही पर आधारित था. ऐसे में फैसले के बावजूद हिंदू पक्ष तहखाने की मरम्मत की अनुमति के लिए जिला न्यायाधीश की अदालत में अपील करने की योजना बना रहा है.

तुमालपाड़ की पहाड़ी पर मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

सुकमा । जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र अंतर्गत तुमालपाड़ की पहाड़ी में आज शनिवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है. सर्चिंग के दौरान मारे गये नक्सली का शव, बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सहित अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गई है. मारे गए नक्सली की शिनाख्त नहीं हुई है, मारा गया नक्सली एसीएम रैंक का होने की संभावना व्यक्त की जा रही है. बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टी करते हुए बताया कि एक नक्सली मारा गया है, मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तुमालपाड़ की पहाड़ी में नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना मिली थी. इसी सूचना के आधार पर सुकमा से जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों को रवाना किया गया था. जवान जब नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली को ढेर किया गया है.

आतंकवादी हमले में तीन सीमा रक्षकों की मौत

तेहरान। ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आतंकवादी हमले में तीन ईरानी सीमा रक्षकों की मौत हो गई और एक नागरिक घायल हो गया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को बताया कि मिरजावेह काउंटी में एक पेट्रोल पंप पर एक अधिकारी अमीन नारोई, सैनिक परसा सूजानी और अमीर इब्राहिमजादेह ईंधन भरवा रहे थे. इसी दौरान कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसमें तीनों की मौत हो गई. जबकि एक नागरिक घायल हुआ है. प्रांतीय राजधानी ज़ाहेदान के अभियोजक एम. शम्साबादी ने बताया कि यह घटना गुरुवार शाम को हुई और घायल नागरिक घटनास्थल पर मौजूद था. हमले के तुरंत बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और खुफिया एजेंसियों ने बंदूकधारियों की पहचान शुरू कर दी है. ईरान द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किए गए.

सीएम केजरीवाल ने पत्नी सुनीता के साथ हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे. उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल, पार्टी के तमाम नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पत्नी सुनीता केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत अन्य आप नेताओं के साथ कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में बजरंगबली के दर्शन-पूजन करने पहुंचे. मंदिर पहुंचकर केजरीवाल ने पत्नी के साथ विधिवत रूप से बजरंगबली और शिवजी की पूजा की. मंदिर के पुजारी ने उन्हें एक गदा देकर चुन्नी उड़ाई. पूजा के बाद अरविंद केजरीवाल राजघाट जाएंगे. वे महात्मा गांधी के समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे. शराब नीति केस में जमानत मिलने के बाद मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने भी इसी हनुमान मंदिर में बजरंगबली की पूजा की थी. अंतरिम जमानत के बाद 2 जून को सरेंडर करने से पहले भी केजरीवाल ने इसी मंदिर में बजरंगबली के दर्शन किए थे.

तेलंगाना में एक करोड़ रुपये के नोटों से सजाए गए भगवान गणेश

भद्राद्री कोठागुडेम (तेलंगाना) । तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के पलवंचा में गणेशोत्सव के दौरान बप्पा को एक करोड़ रुपए के नोटों से सजाया गया. 10 से 500 रुपये के नोटों से तैयार हार और अन्य आभूषणों से लंबोदर को भव्य रूप दिया गया. इस विशेष उत्सव में रामनगर स्थित विनायक मंडपम को विशेष रूप से सजाया गया. गणेशोत्सव की इस अनोखी सजावट को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. इस इलाके में गणपति का श्रृंगार हर वर्ष कुछ अलग ढंग से होता है. ईस्ट कापू संगम द्वारा आयोजित समारोह में पिछले 28 वर्षों से ये सिलसिला जारी है. भगवान गणेश के पूरे विनायक मंडपम को फूलों और बिजली के लट्टूओं से सजाया गया. लक्ष्मी सप्ताह के अवसर पर यहां विशेष सजावट का भी आयोजन किया गया, जिसे देखने दूरदराज से लोग पहुंचे.

चुनावी रैली

पीएम ने डोडा में की चुनावी रैली, एक तीर से साधे तीन निशाने, कहा-

कश्मीर में अंतिम सांसें गिन रहा आतंकवाद: मोदी

एजेंसी। डोडा

पीएम नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर के डोडा में शनिवार को एक चुनावी रैली में कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अंतिम सांसें गिन रहा है. यहां हो रहा बदलाव हमारी सरकार की पिछले 10 सालों की कोशिशों का नतीजा है. इस बार का चुनाव तीन खानदानों और जम्मू कश्मीर के नौजवानों के बीच है. आपको वो वक्त याद है जब दिन ढलते ही यहां अघोषित कर्फ्यू लगा दिया जाता था. हालात ऐसे थे कि केंद्र की कांग्रेस सरकार के गृह मंत्री भी लाल चौक जाने से डरते थे.आतंकवाद अपनी जगह बना रहा था.

कश्मीरी हिंदुओं को दिलाएंगे उनका हक

कश्मीरी हिंदुओं को लेकर मोदी ने कहा, आपके इसी विश्वास को आगे बढ़ाते हुए जम्मू कश्मीर भाजपा ने आपके लिए एक से बढ़ कर एक संकल्प लिए हैं. आज ही हमने टीका लाल टपलू को याद किया है, उन्हें श्रद्धांजलि दी है. तीन दशक से ज्यादा हो गए, इसी दिन उन्हें आतंकवादियों ने शहीद किया था. उनकी हत्या के बाद कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार का एक अंतहीन सिलसिला चला. ये भाजपा है, जिसने कश्मीरी पंडितों की आवाज उठाई और उनके हित में काम किया .जम्मू कश्मीर भाजपा ने कश्मीरी हिंदुओ की वापसी और पुनर्वास के लिए टीका लाल टपलू योजना बनाने का ऐलान किया है.

उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है. एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है. जम्मू-कश्मीर में इन तीन खानदानों ने मिलकर आप लोगों के साथ जो किया है. वो किसी पाप से कम नहीं है. आतंकवाद को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, आप याद करिए वो समय जब दिन ढलते ही यहां अघोषित कर्फ्यू लग जाता था. हालत ये थी कि तब कांग्रेस की केंद्र सरकार के गृहमंत्री तक लाल चौक जाने से डरते थे. जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है.

'कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी कोई दूसरी नहीं'

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में चुनाव सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अपनी सरकार के कामों को गिनाया. उन्होंने कहा कि यहां श्री गुरु गोविंद सिंह जी की चरण पड़े हैं. विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, देश की जनता से झूठे वादे करना देश की जनता से झूठ बोलना कांग्रेस की आदत है. कांग्रेस ने हिमाचल की हालत इतनी खराब कर दी है की समस्या बताए नहीं बन रही है. कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज कोई पार्टी नहीं है.

रूस की कैद से वापस लौटे 49 युद्धबंदी और यूक्रेनी नागरिक

एजेंसी। कीव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस द्वारा बंधक बनाए गए 49 यूक्रेनी सैनिक और नागरिक वापस लौट आए हैं. कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, रूस से वापस लौटे 49 लोगों में सशस्त्र बल, नेशनल गार्ड, नेशनल पुलिस और सीमा रक्षकों के कर्मी भी शामिल हैं. समन्वय मुख्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कुल 23 महिलाओं को वापस लाया गया है, जिन्हें रूस ने बंधक बनाकर रखा था. रिहा किए गए लोगों में क्रीमियन तातार लेनी उमेरोवा भी शामिल हैं. उन्हें साल 2022 में जॉर्जियाई-रूसी सीमा से रूस ने हिरासत में लिया था. वह अपने कैंसर से पीड़ित पिता की देखभाल के लिए क्रीमिया गई थीं. इसके अलावा सैन्य चिकित्सक विक्टर इवचुक को भी रिहा किया गया है. यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने भी 49 यूक्रेनी नागरिकों की रिहाई की जानकारी दी.

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 1300 से ज्यादा रॉकेटों से किया हमला

नयी दिल्ली । ईरान समर्थित लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह ने शनिवार को इजरायली टारगेट्स पर 1307 ड्रोन्स और सैकड़ों रॉकेटों से हमला किया. दावा किया गया है कि सभी ड्रोन्स इजरायली टारगेट पर सटीक तरीके से गिरे. लेकिन इजरायल का कहना है कि उसके आयरन डोम ने अधिकतर हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया. इजरायल ने कहा कि जो भी ड्रोन्स और रॉकेट ने इजरायली जमीन पर हमला किया, वो या तो खुले इलाके में गिरे या फिर उन्हें एयर डिफेंस सिस्टम ने आसमान में खत्म कर दिया. हिजबुल्लाह ने इजरायल को धमकी दी है कि अगर उसने गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी लोगों का जनसंहार खत्म नहीं किया तो और ज्यादा घातक हमले होंगे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)